छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 16 ■ अंक - 281 ■ अम्बिकापुर, मंगलवार 04 नवम्बर 2025 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

पूर्व मंत्री का सीतापुर विधायक पर पलटवार, कहा-भाषणबाजी तक ही सीमित हैं इनके काम

मैनपाट के सुगापानी तक पहुंच मार्ग नहीं होने को लेकर सीतापुर विधायक से पूछे गए थे सवाल, उन्होंने सड़क की हालत के लिए पूर्व सरकार पर फोड़ा था ठीकरा

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सीतापुर विधानसभा अंतर्गत मैनपाट के ग्राम सुगापानी में आज तक सड़क नहीं बन पाई है। आलम ये है कि यहां एंबुलेंस तक नहीं पहुंच पाती। बीते दिनों देखने में आया है कि मृत व्यक्तियों के परिजन को कंधे पर लादकर शव गांव तक ले जाना पड़ा है, जबकि स्वास्थ्य विभाग द्वारा उन्हें वाहन उपलब्ध कराया गया था। इस मामले में भाजपा-कांग्रेस के जनप्रतिनिधि एक-दूसरे पर ठीकरा फोड़ रहे हैं। सुगापानी में सड़क नहीं बनने के सवाल पर विधायक रामकुमार टोप्पो ने कहा था कि कांग्रेस सरकार इसके लिए जिम्मेदार है। जब सीतापुर के पूर्व विधायक व पूर्व मंत्री अमरजीत भगत से सवाल किया गया तो उन्होंने विधायक पर पलटवार किया।

पूर्व मंत्री अमरजीत भगत का कहना है कि इनको जीतकर आए 4 दिन हुए हैं, वे इस तरह की बात कर रहे हैं। लोगों से पूछिए कि

मैनपाट पहुंचने के लिए पहले सड़कों की क्या हालत थी। गांव-गांव में सड़क, बिजली और पानी का काम हमारा कराया हुआ है। सुगापानी के संबंध में उन्होंने कहा कि हमारी सरकार में सड़क का काम प्रस्तावित था, अब भाजपा की सरकार उसे बनवाए, लेकिन उन्होंने इस काम को ठंडे बस्ते में डाल दिया है। हमने तो कहा है कि चाहे सड़क, बिजली, पानी या स्कूल जतन योजना हो, सभी ब्लॉक में आईटीआई व पॉलीटेक्निक कॉलेज खोलने की बात हो, हमनें काम कराया।

पंजीयन के लिए भटक रहे हैं किसान

अमरजीत भगत ने कहा कि हमारी सरकार रहते हमने इतने धान खरीदी केंद्र खुलवा दिए कि उसमें घूम-घूमकर वे राजनीति कर रहे हैं। किसान इन्हें खोज रहे हैं कि हम पंजीयन कहां कराएं। इनको जितना सिखाया जाता है, सिर्फ उतना बोलते हैं। किसान पंजीयन कराने को भटक रहे हैं। हम जब सरकार में थे तो जितने किसानों ने धान बेचा था उसे हम कैरी फॉरवर्ड कर देते थे। किसी को समिति का चक्कर काटने की जरूरत नहीं पड़ती थी। कुछ बोलने से पहले उनकी क्या सोच है, क्या उपलब्धि है, उस पर बात करें।

बिजली बिल देख निकल रहे आंसू

पूर्व मंत्री ने कहा कि हमने राजीव गांधी विद्युतीकरण योजना से गांव-गांव तक बिजली पहुंचाई। किसानों को समय पर खाद, बिजली, पानी दिया। आज बिजली बिल का क्या हाल है। हमने बिजली बिल हॉफ योजना लागू की थी, आज बिल देख लोगों की आंखों से आंसू निकल रहे हैं। ये लोग क्या बात कर रहे हैं। इनके पास न विजन है और न कुछ करने को है। किसानों का पंजीयन व बिजली बिल हाफ करके ये बताएं।

कुछ काम करके दिखाएं तो शाबाशी दूं

प्रधानमंत्री के राज्योत्सव पर छत्तीसगढ़ आने को लेकर उन्होंने कहा कि ये तो औपचारिक है। जो भी प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री होंगे, वे तो कार्यक्रम करेंगे ही। यहां के लोगों के लिए कोई नई घोषणा हुई, ऐसा तो मुझे कहीं नहीं दिखा। जब तक लोगों को राहत व नई योजना नहीं मिलेगी तो उसके बारे में क्या बोलूं। पूर्व मंत्री से जब ये सवाल किया गया कि भाजपा की सरकार अभी कैसा काम कर रही है? इस पर उन्होंने कहा कि जब तक धरातल पर काम नहीं दिखेगा, हम कुछ नहीं बोल सकते। इनके काम सिर्फ भाषण बाजी तक सीमित हैं। कुछ नया काम कर के दिखाएं तो हम शाबाशी देंगे। बचे हुए वन अधिकार पत्र देने, हाथियों के आतंक से लोगों को बचाने को लेकर कोई समाधान नहीं किया। ऐसे में इनके काम पर मैं क्या बोलूं।

राशन दुकानों से लोगों को नहीं मिल रहा चना

कंप्यूटर ऑपरेटर हड़ताल पर चले गए हैं के सवाल पर अमरजीत भगत ने कहा कि ये सरकार की उपलब्धि है। पहले इसको वे ठीक करें। उन्होंने कहा कि आज जितनी पीडीएस दुकानें हैं, वहां से लोगों को चना नहीं मिल रहा है, हमारे समय में सभी को मिलता था। पता नहीं चना कौन खा गया है?

गुलाब कॉलोनी को खाली कराने अधिवक्ताओं ने कलेक्टर और मकान में रहने वालों को फूल भेंट किया

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। जिला एवं सत्र न्यायालय अंबिकापुर के अधिवक्ताओं ने सोमवार को गुलाब कॉलोनी और कलेक्टोरेट परिसर में अनोखा प्रदर्शन करते हुए मकान में रहने वालों को गुलाब फूल भेंट किया और उनसे मकान खाली करने का विनम्र आग्रह किया। अधिवक्ताओं ने सरगुजा कलेक्टर को भी गुलाब फूल देकर अनुरोध किया कि वे अपने कर्मचारियों को मकान खाली करने का निर्देश जारी करें। बता दें कि छह माह पूर्व गुलाब कॉलोनी को जिला एवं सत्र न्यायालय के नए भवन निर्माण के लिए चिन्हित किया गया था, लेकिन अब तक कॉलोनी खाली नहीं हो पाया है। इसी कारण सरगुजा कलेक्टर ने अंबिकापुर से लगभग 8 किलोमीटर दूर चठिरमा में नए न्यायालय भवन के लिए भूमि आवंटित कर दी थी, जिसका अधिवक्ता संघ ने विरोध किया था। इस संबंध में अधिवक्ताओं ने छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से भी शिकायत की है। शिकायत के बाद न्यायालय के समीप स्थित सरकारी आवास कॉलोनी को तोड़कर नए न्यायालय भवन निर्माण की योजना बनी, लेकिन छह माह से अधिक समय बीतने के बावजूद संबंधित कर्मचारियों ने मकान खाली नहीं किया है। अधिवक्ताओं का कहना है कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई, तो वे उग्र आंदोलन की राह अपनाएंगे। गुलाब कॉलोनी में कई न्यायालय कर्मचारी और अन्य अधिकारी निवासरत हैं। नए न्यायालय भवन के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया पहले ही पूरी हो चुकी है। कलेक्टर ने चार दिनों भीतर कॉलोनी को खाली कराने का आश्वासन अधिवक्ताओं को दिया है।

पटाखा फोड़ रहे युवकों से विवाद, एक पक्ष पहुंचा थाने

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शहर के ब्रम्ह रोड में पटाखा फोड़ने के दौरान हुए विवाद के बाद सिर फुटौव्वल की स्थिति निर्मित हो गई। सत्तीपारा निवासी संजय सिंह ने कोतवाली थाना में रिपोर्ट दर्ज कराया है कि वह अपने दोस्त रवि प्रताप सिंह के साथ रात में 10 बजे बाइक से बस स्टैंड की ओर गया था। रास्ते में एक डेयरी दुकान के सामने कुछ लोग पटाखा जला रहे थे, इस दौरान अभद्र शब्दों का प्रयोग करते हुए पटाखा फूट रहा है, दिख नहीं रहा है, एक युवक ने कहा, जिस पर वह अपनी मोटरसायकल को रोक दिया था। आरोप है कि इसके बाद आयुष गोस्वामी, जय सोनी, रूद्र सोनी, अंश गोस्वामी ने कड़ा से उसके सिर में मारा, जिसमें सिर फट गया और खून बहने लगा। वहीं दूसरे पक्ष का कहना है कि मोटरसायकल सवार लापरवाही पूर्वक वाहन चालन करते हुए गुजरे थे, जिससे बच्ची बच गई। इस पर उन्होंने देखकर चलने के लिए कहा था, इसके बाद वे तैश में आ गए थे, जिससे विवाद बढ़ने की स्थिति बनी। बहरहाल संजय सिंह की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपियों के विरूद्ध नामजद धारा 296, 351 (3), 115 (2), 3 (5) बीएनएस का मामला कायम कर लिया है।

स्कूटी चोरी के मामले में आरोपी गिरफ्तार

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। थाना कोतवाली एवं साइबर सेल पुलिस टीम ने स्कूटी बरामद करके चोरी के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। दोपहिया वाहन चोरी के मामले में संलिप्त आरोपियों के विरूद्ध सरगुजा पुलिस द्वारा लगातार धरपकड़ की कार्रवाई की जा रही है, इसी क्रम में बौरीपारा महादेव गली निवासी सत्येंद्र सोनी का 18 अक्टूबर को शाम 4 बजे चोरी गया स्कूटी क्रमांक सीजी 15 सीआर 8860 को पुलिस ने बरामद किया है, जो अम्बर होटल गली के पास खड़ा था। रात करीब 9.30 बजे घर जाने के लिए निकला तो स्कूटी खड़ा किए गए स्थान पर नहीं थी। मामले में थाना कोतवाली में अपराध दर्ज करके पुलिस ने विवेचना में लिया था। विवेचना के दौरान पुलिस टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण करके सीसीटीवी फुटेज का अवलोकन किया। पता तलाश के दौरान पुलिस टीम को चोरी किया हुआ स्कूटी स्कूल रोड में लावारिस हालत में मिला था, जिसे पूर्व में जप्त करके आरोपी के तलाश में पुलिस लगी थी। इसी क्रम में पुलिस ने आरोपी डॉक्टर चौधरी पिता बंटू चौधरी 19 वर्ष निवासी रजपुरी को गिरफ्तार किया, जिसने स्कूटी चोरी करना और कुछ दिन स्कूटी में घूमने के बाद तेल खत्म होने पर स्कूल रोड में लावारिस हालात में छोड़ना बताया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करके न्यायालय में पेश किया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक शशिकान्त सिन्हा, सहायक उप निरीक्षक अजीत मिश्रा, प्रधान आरक्षक अजय पाण्डेय, भोजराज पासवान व विकास सिन्हा, आरक्षक जितेश साहू सक्रिय रहे।

विदेश जाने के लिए भारतीय मुद्रा कराना था एक्सचेंज, लगी 2.49 लाख की चपत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। विदेश जाने के लिए भारतीय मुद्रा के बदले एक्सचेंज में करंसी मंगाने के चक्कर में 2 लाख 49 हजार रुपये की चपत शहर के एक व्यक्ति को लग गई। रायपुर के टूर एंड ट्रेवल्स कंपनी से जानकारी लेने पर पता चला कि जिसे उन्होंने एक्सचेंज के लिए रकम दिया है, वह 4 माह पहले ही काम छोड़ दिया है। जानकारी के मुताबिक कुंडला सिटी निवासी अमित अग्रवाल को विदेश जाने के लिए विदेशी मुद्रा की जरूरत थी, इसके लिए उन्होंने समृद्धि टूर एंड ट्रेवल्स के नाम पर लोकेश नायक पिता रीत कुमार नायक निवासी टीसी सिन्हा हाउस, नहर रोड रायपुर के खाते में 2 लाख 49 हजार रुपये ट्रांसफर किया था। ट्रेवल्स कंपनी के उक्त कर्मचारी से उन्होंने पूर्व में भी भारतीय मुद्रा को एक्सचेंज कराया था, इसलिए उन्होंने उसे सीधे रकम ट्रांसफर कर दिया। एक्सचेंज में विदेशी मुद्रा प्राप्त नहीं होने पर उन्होंने लोकेश नायक को फोन लगाया तो पहले तो वह उन्हें टालमटोल करते हुए गुमराह किया, बाद में फोन रिसीव करना बंद कर दिया। इससे परेशान होकर अमित अग्रवाल समृद्धि टूर एंड ट्रेवल्स के रायपुर स्थित कार्यालय में पहुंचे, तो पता चला कि उक्त व्यक्ति 4 माह पहले ही काम छोड़ चुका है। इसकी जानकारी उन्होंने कोतवाली थाना अंबिकापुर में दी थी, जिस पर पुलिस ने अमानत में ख्यानत का मामला दर्ज कर लिया है, और अग्रिम जांच कार्रवाई कर रही है।

मेसर्स मिश्रा स्वीट्स का निरीक्षण, जांच में कमियां मिलने पर नोटिस जारी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। खाद्य एवं औषधि प्रशासन के खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि एम.जी. रोड में हॉली क्रॉस स्कूल के पास स्थित मेसर्स मिश्रा स्वीट्स में गुणवत्ता एवं अस्वच्छ स्थान में खाद्य पदार्थ मिठाई एवं अन्य सामग्री बनाने की सूचना शिकायत के रूप में प्राप्त हुई। इसके पश्चात अभिहित अधिकारी नितेश कुमार मिश्रा के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम के द्वारा मिश्रा स्वीट्स में छापामार कार्रवाई की और पूरे होटल परिसर की गुणवत्ता जांच एवं लाइसेंस की शर्तों का निरीक्षण किया। निरीक्षणकर्ता टीम को यहां पर्याप्त कमियां मिलीं, इसके तहत मिश्रा स्वीट्स को 15 दिवस का नोटिस जारी किया गया है। नोटिस में कहा गया है कि 15 दिवस में अगर मौके पर पाई गई कमियों को दूर नहीं किया जाएगा, तो लाइसेंस निरस्त किया जाएगा। होटल में उपयोग किए जा रहे पानी की जांच रिपोर्ट एवं साफ-सफाई उपयुक्त नहीं पाई गई। इसके लिए खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 की धारा 32 के तहत सुधार सूचना जारी करके अनियमितताओं को सुधारकर 15 दिवस के भीतर खाद्य औषधि प्रशासन कार्यालय में उपस्थित होकर लिखित में जवाब प्रस्तुत करने कहा गया है।

जिस जमीन को अपना मान रहे थे ग्रामीण, वह किसी और के नाम पर है दर्ज

भू-माफियाओं से मिलीभगत का परिणाम, 68 एकड़ भूमि अन्य व्यक्तियों के नाम पर रजिस्ट्री

घाटबर्रा के ग्रामीणों ने भूमि वापस दिलाने की मांग, कहा-बेघर होने की नौबत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। उदयपुर विकासखंड के ग्राम घाटबर्रा में 68 एकड़ पट्टे की भूमि तत्कालिक राजस्व कर्मियों व भू-माफियाओं के द्वारा साठगांठ और कूटरचना करके अन्य व्यक्तियों के नाम रजिस्ट्री करने तथा वास्तविक भू-स्वामी को मुआवजा से वंचित करने का मामला सामने आया है। भूमि स्वामियों के समक्ष विस्थापन व पुनर्वास की समस्या बन गई है। सोमवार को कलेक्टर के जनदर्शन में भूमि स्वामियों ने आवेदन देकर अपनी पीड़ा से अवगत कराया है, और जिम्मेदारों के विरूद्ध अपराधिक प्रकरण दर्ज करने की मांग की है।

जनदर्शन में पहुंचे भूमि स्वामियों ने शिकायत पत्र में अवगत कराया है कि ग्राम घाटबर्रा की भूमि अदानी परसा केते कोल ब्लॉक परियोजना हेतु अधिग्रहित किया गया है। उक्त ग्राम के भू-स्वामियों को अदानी कंपनी द्वारा मूल्यांकन के आधार पर मुआवजा भुगतान कर दिया गया है। आरोप है कि सन् 2015 के पूर्व अदानी परसा केते द्वारा उक्त ग्राम का सर्वे किया गया, ग्राम घाटबर्रा में निवासरत लोगों के निरक्षरता व अज्ञानत्ता का लाभ लेते हुए पूर्वजों के 84 प्लॉट, लगभग 68 एकड़ सेटलमेंट भूमि का तत्कालिक राजस्व कर्मियों व भू-माफियाओं ने खुद ही क्रेता-विक्रेता तैयार करके 45 अन्य व्यक्तियों के नाम पर छलपूर्वक रजिस्ट्री करा दिया। संतोषी विश्वकर्मा पति अशोक विश्वकर्मा का कहना है कि उसके पूरे जमीन और मकान का फर्जी तरीके से रजिस्ट्री करा लिया गया है। इसके पहले उनके पिता ने करीब 2 एकड़ भूमि सहदेव को बेचा था। बाद में पता चला कि उनकी 18 एकड़ भूमि को अग्रवाल परिवार के नाम पर है। इलाके में अदानी के द्वारा नापजोख शुरू किया गया तो पता चला कि वे भूमिहीन हैं। जिस जमीन को वे अपना मान रहे थे, वह पहले ही किसी और के नाम पर दर्ज है। ननका पिता स्व. लातू राम 50 वर्ष के भाई ठीनू राम ने मात्र 2.43 एकड़ विक्रय किया है, वहीं छलपूर्वक लगभग 18 एकड़ भूमि खसरा, कुल 35 प्लॉट 22 अन्य व्यक्तियों के नाम रजिस्ट्री करा दिया गया है। श्रीमती परबतिया ने मात्र 20 डिसमिल जमीन ईश्वर अग्रवाल पिता स्व. रामधन निवासी राजमोहनी भवन के पास अंबिकापुर को विक्रय किया और रजिस्ट्री लगभग 20 एकड़ की हुई जिसमें मकान, 19 प्लॉट शामिल हैं। इसे क्रय 15 अन्य व्यक्तियों ने किया है। तिलमेत पुत्री स्व. रामचरण 68 वर्ष वर्तमान निवासी फुलचुही डांड़गांव ने मात्र 7 डिसमिल विक्रय करने के लिए सहमति दिया था, किन्तु घनश्याम यादव पिता स्व. बैजनाथ यादव ने 0.287 हे. भूमि अपने नाम रजिस्ट्री करा लिया। इसके साथ ही महिला के अज्ञानता व निरक्षरता का लाभ लेकर तत्कालिक राजस्व कर्मियों व भू-माफियाओं ने लगभग 19 एकड़ भूमि 25 अन्य व्यक्तियों के नाम रजिस्ट्री करा दिया। श्रीमती सुखबसिया पति स्व. गुलाल ने पट्टे की 4 डिसमिल भूमि को घनश्याम यादव पिता स्व. बैजनाथ यादव को विक्रय किया किन्तु लगभग 3 एकड़ भूमि की रजिस्ट्री हुई है। सुखदास पिता स्व. रामा दास 38 वर्ष निवासी ग्राम घाटबर्रा के परिजन अपने पट्टे की भूमि 10 डिसमिल घनश्याम यादव को ही विक्रय किए, किंतु लगभग 5 एकड़ भूमि वह अपने नाम करा लिया। पंचराम पिता स्व. भगसाय 66 वर्ष के परिजनों ने पटे की भूमि का लगभग एक एकड़ घनश्याम यादव को विक्रय किया किन्तु बाड़ी सहित लगभग 3 एकड़ भूमि की रजिस्ट्री हुई है। इसी प्रकार श्री ननका राम आ. स्व. तातू राम एवं श्रीमती परबतिया पुत्री स्व. झुरई के समस्त भूमि का मकान सहित अन्य व्यक्तियों के नाम रजिस्ट्री करा दिया गया, भूमि रजिस्ट्री होने से उक्त भू-स्वामी व उनके परिवार अधिग्रहित भूमि का मुआवजा प्राप्त करने तक से वंचित हो गए हैं। ये परिवार कहां विस्थापित किए जाएंगे, उनके पुनर्वास सहित शेष जीवन का क्या होगा, विचारणीय है। भूमि की मनमाफिक रजिस्ट्री का लगा बड़ा आरोप कहां तक सत्य है, यह तो जांच के बाद ही पता चल पाएगा, लेकिन बड़े पैमाने पर ग्रामीणों के जमीन का किसी दूसरे के नाम दर्ज होना और जिम्मेदारों के द्वारा रोक नहीं लगाना सवालों के घेरे में है।

रजत जयंती पर आदिवासी समाज का आक्रोश, शासन-प्रशासन पर भेदभाव का आरोप

छ.ग.फ्रंटलाइन बलरामपुर। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस 25 साल पूरा होने व रजत जयंती के अवसर पर एक ओर पूरे प्रदेश में उत्सव का माहौल है, दूसरी ओर बलरामपुर के आदिवासी समाज ने शासन-प्रशासन पर भेदभाव का आरोप लगाया है। बलरामपुर जिले के छत्तीसगढ़ सर्व आदिवासी समाज के जिला अध्यक्ष बसंत कुजूर ने जिला प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि राज्य गठन का 25 वर्ष पूरा होने के बाद भी आदिवासी समाज अपने मूल अधिकारों और बुनियादी

सुविधाओं से वंचित है। उन्होंने कहा कि राज्य स्थापना के बाद भी जल, जंगल, जमीन और आरक्षण जैसे मूल अधिकारों पर आदिवासी समाज का वास्तविक विकास नहीं हो सका है। बलरामपुर सहित पूरे प्रदेश में आदिवासियों की जमीन पर लगातार बाहरी लोगों द्वारा कब्जा और अतिक्रमण की शिकायतें मिल रही हैं, लेकिन प्रशासन इस पर मौन है।

जिला प्रशासन और सहायक आयुक्त जनजाति विभाग पर गंभीर आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा है कि जिला बलरामपुर आदिवासी बहुल होने के बावजूद जिला स्तर पर आयोजित राज्योत्सव कार्यक्रम में आदिवासी समाज के प्रतिनिधियों को आमंत्रित करना उचित नहीं समझा गया। प्रशासन ने आदिवासी संस्कृति को केवल नाच-गाने तक सीमित कर दिया है। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज किसी विशेष सुविधा की मांग नहीं करता, केवल अपने मूल अधिकार आरक्षण, जल, जंगल, जमीन, स्वास्थ्य, शिक्षा और संरक्षण की मांग करता है। उन्होंने सरकार से अपील की है कि केवल महोत्सव मनाने से नहीं, बल्कि धरातल पर विकास कार्यों को लागू कर आदिवासियों के जीवन स्तर में सुधार लाया जाए। छत्तीसगढ़ सर्व आदिवासी समाज के अध्यक्ष ने जिला प्रशासन के इस रवैये की घोर निंदा करते हुए चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन आदिवासी समाज की अनदेखी जारी रखता है तो आंदोलन किया जाएगा।

नर्सिंग होम एक्ट का पालन नहीं करने पर एस.जे. हेल्थ केयर हॉस्पिटल को नोटिस जारी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कलेक्टर विलास भोसकर के निर्देशानुसार अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अंबिकापुर के मार्गदर्शन में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा गठित राजस्व एवं स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त टीम द्वारा 30 अक्टूबर को मायापुर के उनगनपारा में स्थित एस.जे. हेल्थ केयर हॉस्पिटल का आकस्मिक निरीक्षण की। टीम में नायब तहसीलदार लकेश्वर सिरदार, नोडल अधिकारी आयुष्मान भारत डॉ. राजेश भजगावली, नोडल अधिकारी नर्सिंग होम एक्ट डॉ. पी.के. सिन्हा शामिल थे।

25 वर्षों में छत्तीसगढ़ ने विभिन्न ऊंचाइयों को छुआ है : नेताम

★ राज्योत्सव के द्वितीय दिवस कार्यक्रम में शामिल हुए कृषि मंत्री
★ उत्तर क्षेत्रीय जनजातीय लोक नृत्य परंपरा का हुआ अनूठा प्रदर्शन

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिला मुख्यालय में आयोजित राज्योत्सव कार्यक्रम के दूसरे दिवस मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश के आदिम जाति विकास, कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी, मछलीपालन, पशुधन विकास विभाग मंत्री श्री रामविचार नेताम शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने विभागीय स्टॉलों का अवलोकन कर हितग्राहीमूलक सामग्रियों का वितरण किया।

इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती हीरामुनी निकुंज, उपाध्यक्ष श्री धीरज सिंहदेव, पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य श्री कृष्णा गुप्ता, जनपद अध्यक्ष सुश्री सुमित्रा चेरवा, पूर्व जनपद उपाध्यक्ष श्री भानुप्रकाष दीक्षित सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा, वनमण्डलाधिकारी श्री आलोक वाजपेयी, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर, अपर कलेक्टर श्री आर.एस. लाल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री विष्व दीपक त्रिपाठी, गणमान्य नागरिक व बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

मंत्री श्री नेताम ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए राज्य स्थापना दिवस की बधाई एवं शुभकानाएं दी। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि हमारे छत्तीसगढ़ निर्माण को 25 वर्ष पूरे होने पर हम रजत जयंती वर्ष मना रहे हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले 25 साल में हमारा छत्तीसगढ़ राज्य और बलरामपुर जिला उपलब्धियों को छूएगा। साथ ही विकास की गई गाथाएं लिखेगा। उन्होंने छत्तीसगढ़ गठन के विकास यात्रा को संक्षिप्त वर्णन किया। उन्होंने इस दौरान कहा कि सन 2000 में छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण हुआ तब की स्थिति आज के विपरीत थी।

उन्होंने बताया कि बलरामपुर-रामानुजगंज जिला 2012 में बना तब जिले में सिंगल सड़कें हुआ करता थी, लेकिन आज हमने सड़कों का जाल बिछाया है। हमारा जिला नक्सलवाद से जूझ रहा था, परन्तु आज स्थिति बदल

गई है, अब हमारा जिला नक्सल मुक्त हो चुका है। साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में हमने नई ऊंचाईयों को छुआ है। षिक्षा के क्षेत्र में आज विद्यालयों की संख्या बढ़ी है, सिंचाई का रकबा बढ़ा है, नल जल योजना के माध्यम से घरों में स्वच्छ जल पहुंचाया जा रहा है, किसानों से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी कर सीधे उनके खाते में ही पैसा हस्तांतरित किया जा रहा है। साथ ही कृषि विज्ञान केन्द्र के माध्यम से तकनीकी ज्ञान एवं उन्नत खेती करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। राज्य निर्माण के समय हमारे जिले में तहसीलों की संख्या कम थी, परन्तु आज हमारे जिले में तहसीलों की संख्या बढ़कर 12 हो गई है। साथ ही 06 अनुभाग भी बनाये गये हैं, जिससे लोगों को सुविधाएं प्राप्त हो रही हैं। मंत्री श्री नेताम ने कहा कि सरकार द्वारा हर वर्गों जैसे बुजुर्गों, महिलाओं एवं आमजनों के लिए नीतिगत योजनाएं चला रही है। जिनका लाभ अंतिम छोर तक पहुंच रहा है। मंत्री श्री नेताम ने बताया कि 01 नवम्बर को राजधानी रायपुर में प्रधामंत्री के आगमन हुआ था। इस दौरान प्रधानमंत्री ने नये विधानसभा भवन और आदिवासी संग्रहालय का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य आगामी दिनों में विकास की पथ पर बढ़ते हुए नये कृतिमान रचेगा।

मंत्री श्री नेताम ने स्टॉलों का किया अवलोकन

कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम ने कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गये स्टॉलों का अवलोकन कर हितग्राहियों को सामग्रियां प्रदान की। समाज कल्याण विभाग द्वारा जिले के 06 दिव्यांगजनों को विभिन्न योजनाओं के तहत मोटराइन्ड ट्राई साइकिल, व्हीलचेयर, ब्लाइंड स्टिक एवं स्टीक प्रदान किया गया। मोटराइन्ड ट्राइसिकल मिलने पर रामानुजगंज के जितेंद्र पासवान ने मंत्री श्री नेताम एवं जिला प्रशासन का आभार जताया। इसी प्रकार दृष्टिबाधित बुन्दे सिंह ने भी ब्लाईंड स्टीक मिलने पर मंत्री श्री नेताम को धन्यवाद दिया। आदिवासी विकास विभाग का अवलोकन करते समय मंत्री श्री नेताम को साफा पहनाया गया। इस दौरान उन्होंने आदिवासी वाद्य यंत्रों को बजाकर भी देखा।

हितग्राहीमूलक सामग्रियों का किया वितरण

कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम ने कुल 55 हितग्राहियों को हितग्राही मूलक सामग्रियों का वितरण किया। कृषि मंत्री श्री नेताम ने प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत 05 हितग्राहियों को आवास की चाबी सौंपी। साथ ही नोनी सुरक्षा योजना अंतर्गत 02 हितग्राहियों को 20-20 हजार रुपये का चेक, मुख्यमंत्री श्रमिक सियान सहायता योजना अंतर्गत 02 हितग्राहियों को 20-20 हजार रुपये का चेक, मिनी माता महतारी जतन योजना अंतर्गत 02 हितग्राहयों को 20-20 हजार रुपये का चेक, मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी षिक्षा सहायता योजना अंतर्गत 02 हितग्राहियों को 40 एवं 38 हजार रुपये का चेक, मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक सहायता योजना अंतर्गत 01 हितग्राही को 01 लाख रुपये का चेक, 05 हितग्राहियों को श्रम कार्ड का वितरण, छत्तीसगढ़ महिला कोष अंतर्गत 05 हितग्राहियों को 02-02 लाख रुपये का ऋण, सक्षम योजना अंतर्गत 01 हितग्राही को 01 लाख रुपये का ऋण, 07 हितग्राहियों को मत्स्य जाल, 03 हितग्राहियों को आईस बाक्स, 05 हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी अंतर्गत आवास की चाबी सौंपी।

प्रथम स्थान प्राप्त विजेता प्रतिभागी राज्य स्तरीय कार्यक्रम होंगे शामिल

जिले में जनजातीय परंपराओं और लोक संस्कृति की महक से सराबोर उत्तर क्षेत्रीय जनजातीय लोक नृत्य महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें मंत्री श्री रामविचार नेताम शामिल हुए। महोत्सव में जिले के सभी विकासखंड से आए 12 नृत्य दलों ने अपनी पारंपरिक वेशभूषा, आभूषण और लोक वाद्य यंत्रों के साथ आकर्षक लोक नृत्य करते हुए आदिवासी जीवन की संस्कृति, परंपरा और उत्सव भावना का मनमोहक प्रदर्शन किया। मंत्री श्री नेताम कार्यक्रम के अंत में विजेता प्रतिभागियों को भी सम्मानित किया। प्रथम स्थान प्राप्त कुसमी के प्रतिभागी करचा के नर्तक दलों को 50 हजार की राशि का चेक प्रदान किया। दूसरे स्थान प्राप्त विजेता कुसमी के धन्जी के नृतक दलों को 25 हजार एवं तृतीय विजेता राजपुर के डकवा के दलों को 15 हजार की राशि का चेक वितरण किया। साथ ही बाकी 9 दलों को 10-10 हजार का सांत्वना पुरुस्कार दिया गया। प्रथम स्थान प्राप्त विजेता प्रतिभागी आगामी राज्य स्तरीय नृत्य महोत्सव में जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। कार्यक्रम के अंत में कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा ने मंत्री श्री नेताम को स्मृति चिन्ह

अंकसूची में गड़बड़ी से बच्चों का भविष्य अधर में

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। शासन की मंशानुरूप शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने और जवाबदेही तय करने के उद्देश्य से वर्षों बाद कक्षा 5 वीं और 8 वीं की परीक्षा को बोर्ड प्रारूप में आयोजित किया गया था। इस कदम से उम्मीद की जा रही थी कि अब विद्यार्थियों के परिणाम और मूल्यांकन में पारदर्शिता आएगी, लेकिन सूरजपुर ब्लॉक के कई विद्यालयों में यह सुधार व्यवस्था से सुधार कम सिरदर्द ज्यादा साबित हो रहा है। दरअसल परीक्षा परिणाम जारी होने के बाद दर्जनभर से अधिक बच्चों की अंकसूचियों में गंभीर गड़बड़ी सामने आई है। कहीं विद्यार्थी का नाम ही बदल गया है, तो कहीं पिता का नाम या जन्मतिथि गलत दर्ज है। कई मामलों में तो बच्चों

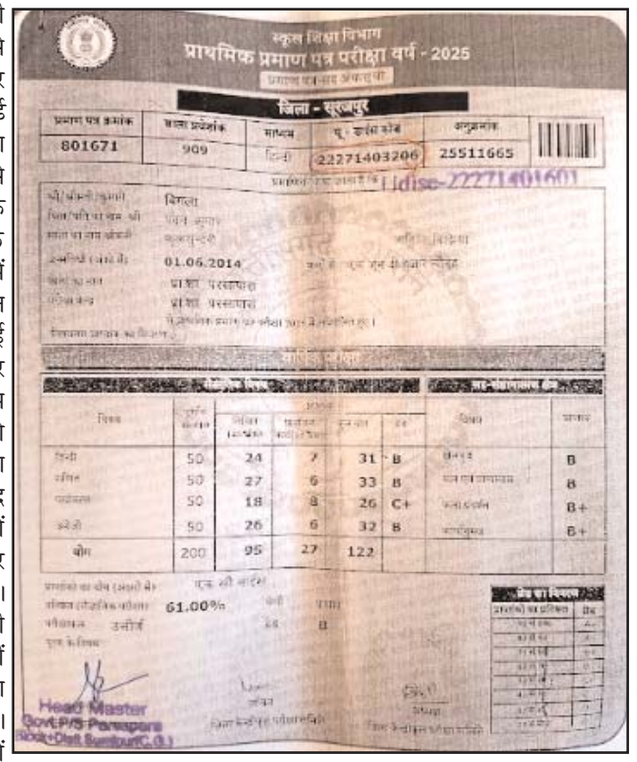

का यू-डाइस कोड भी बदल गया है, जिससे उनकी पहचान और रिकॉर्ड में भारी भ्रम की स्थिति बन गई है। बताया जा रहा है कि शिक्षा विभाग ने इन त्रुटियों को स्वीकार करते हुए अंकसूचियों को सुधार के लिए मंगवाया था। शिक्षकों और स्कूल प्रबंधन ने पूरी मेहनत से सही जानकारी भेजी, परंतु महीनों बाद भी सुधारित प्रमाणपत्र जारी नहीं किए गए हैं। विभाग की ओर से अब स्कूलों को केवल सादा अंकसूची उपलब्ध कराई जा रही है, जिस पर मुहर या हस्ताक्षर ही हैं। अंकसूची के सुधार कर देने में विलंब होने से अब इस कारण बच्चों के छात्रवृत्ति आवेदन, ट्रांसफर प्रमाणपत्र और उच्च कक्षाओं में प्रवेश जैसी महत्वपूर्ण प्रक्रियाएं अधर में अटक गई हैं। स्कूल प्रबंधन का कहना है कि बच्चों के अंक सही हैं, लेकिन मार्कशीट में त्रुटियों के कारण हम आगे की कार्यवाही नहीं कर पा रहे हैं। अब हमें जो सादा अंकसूची उपलब्ध कराया गया है, उसमें हाथ से लिखकर प्राप्तांक व अन्य कार्यों की पूर्ति करनी होगी।

शिक्षकों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि उन्होंने बार-बार ब्लॉक शिक्षा अधिकारी और जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय को लिखित व मौखिक सूचना देकर सुधार की गुहार लगा चुके हैं, अब अधूरी अंकसूची उपलब्ध कर विभागीय अधिकारियों द्वारा अपनी जिम्मेदारी से श्री गणेश कर लिया गया है। एक शिक्षक ने कहा कि विभाग की धीमी कार्यशैली के कारण छात्र मानसिक रूप से परेशान हो रहे हैं। जिन बच्चों ने मेहनत से अच्छे अंक प्राप्त किए, उन्हें अपने ही रिजल्ट पर भरोसा नहीं हो रहा। अभिभावकों का कहना है कि सरकार ने परीक्षा तो बोर्ड की तरह कराई, लेकिन परिणाम में इतनी लापरवाही कि बच्चे महीनों से सही मार्कशीट के लिए भटकने मजबूर हैं। ज्ञात हो कि यह मामला केवल तकनीकी गलती का नहीं बल्कि विभागीय जिम्मेदारी पर भी सवाल खड़ा करता है। जानकारों का मानना है कि जब शासन बच्चों की शिक्षा में सुधार लाने के लिए नए प्रयोग कर रहा है, तो ऐसे लापरवाह रवैये से पूरा उद्देश्य ही धूमिल हो जाता है।

सोसायटियों में धान खरीदी पर संकट, तालाबंदी से ठप हुआ पंजीयन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। समर्थन मूल्य पर धान खरीदी सीजन की उलटी गिनती शुरू हो चुकी है, लेकिन उससे पहले ही सुरजपुर जिले में सहकारी समितियों की तालाबंदी और हड़ताल ने पूरे तंत्र की नींद उड़ा दी है। जिले में 54 धान उपार्जन केंद्र और 47 सहकारी समितियां हैं, जहां सोमवार से ही कामकाज ठप हो गई है। कर्मचारियों ने चार सूत्रीय मांगों को लेकर आंदोलन छेड़ दिया है। इस आंदोलन की वजह से अब किसानों का धान खरीदी पंजीयन, खाद-बीज वितरण और खेत की गिरदावरी प्रक्रिया ठप हो चुकी है।तालाबंदी से किसानों की परेशानी चरम पर है। गांवों में फसलें कटकर तैयार हैं, पर खरीदी केंद्रों में सन्नाटा पसरा है। किसानों का कहना है कि सरकार धान खरीदी का दावा तो करती है, पर मैदान में कुछ भी तैयार नहीं है। पंजीयन बंद है, बीज और खाद के लिए सोसायटी के चक्कर लगा रहे हैं, पर गेट बंद हैं। कई किसानों ने बताया कि इग्री स्टेट पोर्टल में उनके खेतों की जानकारी अधूरी दिख रही है, वहीं पटवारी की गिरदावरी और वास्तविक खेत सर्वे में भारी अंतर आ रहा है। समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की प्रक्रिया शुरू होने में अब कुछ

ही दिन शेष हैं, पर तैयारी अधूरी है। अगर यह स्थिति जारी रही तो किसान अपनी उपज कहां बेचेंगे, यह बड़ा सवाल बन गया है। ज्ञात हो कि छत्तीसगढ़ सहकारी समिति कर्मचारी महासंघ और धान खरीदी कंप्यूटर ऑपरेटर संघ के संयुक्त आव्हान पर प्रदेशभर में 3 से 11 नवंबर तक कार्य बहिष्कार और तालाबंदी की घोषणा की गई है। कर्मचारियों ने कहा है कि जब तक उनकी मांगे पूरी नहीं होतीं, वे अनिश्चितकालीन आंदोलन से पीछे नहीं हटेंगे। हड़ताल का असर पूरे जिले में नजर आने लगा है। हड़ताली कर्मचारियों की मांग है कि धान खरीदी वर्ष 2023-24 की सूखत राशि समितियों को तत्काल दी जाए। आउटसोर्सिंग से कंप्यूटर ऑपरेटर नियुक्ति की व्यवस्था खत्म कर, वर्षों से कार्यरत ऑपरेटरों का नियमितीकरण किया जाए, हर सहकारी समिति को 3-3 लाख रुपए वार्षिक प्रबंधकीय अनुदान दिया जाए, ताकि समितियां स्वावलंबी बन सकें।कंप्यूटर ऑपरेटरों को 12 माह का वेतन नियमित रूप से देने की पूर्व व्यवस्था फिर से लागू की जाए। संघ पदाधिकारियों के अनुसार प्रदेश की 2058 सहकारी समितियों में करीब 2729 कंप्यूटर ऑपरेटर कार्यरत हैं, जो वर्षों से अस्थायी व्यवस्था में काम कर रहे हैं। वेतन कटौती, समय पर भुगतान न होना और भविष्य की अनिश्चितता से वे बेहद नाराज हैं। छत्तीसगढ़ सहकारी समिति कर्मचारी महासंघ के पदाधिकारियों का कहना है कि पिछले कई वर्षों से शासन को ज्ञापन, पत्र और मांगपत्र भेजे गए, लेकिन हर बार आश्वासन ही मिला है। जब तक सरकार लिखित रूप में आदेश जारी नहीं करती, तब तक हम काम पर नहीं लौटेंगे। ज्ञात हो कि धान खरीदी का समय नजदीक है और अब इस तालाबंदी ने शासन-प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है। यदि आंदोलन लंबा खिंचा तो जिले में धान खरीदी का पूरा सिस्टम चरमरा जाएगा। किसानों को धान बेचने में भारी मुश्किलें झेलनी पड़ेंगी और रवि फसल की तैयारी पर भी असर पड़ेगा।

प्रकाश उत्सव पर नगर में निकली शोभायात्रा, जगह जगह हुआ स्वागत

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। श्री गुरुनानक देव के 556 वें प्रकाश उत्सव पर रविवार को नगर में शोभायात्रा निकाली गई। गुरुद्वारा कमेटी शिवनंदनपुर व बिश्रामपुर के तत्वावधान में गुरुद्वारा रोड़ से निकली शोभायात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।शोभायात्रा के दौरान जो बोले सो निहाल-सतश्री अकाल से समूचा कोयलांचल क्षेत्र गूंजता रहा। मनमोहक आतिशबाजी और पुष्पवर्षा आकर्षण का केंद्र रही। शोभायात्रा का समापन नगर पंचायत शिवनंदनपुर गुरुद्वारा में आयोजित लंगर से हुआ। गुरुद्वारा रोड़ से शुरू हुई शोभायात्रा में गुरु ग्रंथ साहब की सवारी निकली। सवारी को फूल-मालाओं से सजाया गया। यात्रा के आगे पंच प्यारे चलते रहे। रास्ते को श्रद्धालु पानी से धोकर साफ करते रहे। सतगुरु नानक प्रगट्या मिटी धुंध जग चानन होवा, जित्थे बाबा पैर धरे पूजा आसान सोहा शबद के साथ निकले श्रद्धालु कीर्तन करते रहे। जो मांगे ठाकुर अपने ते सोई-सोई देवे सहित अन्य कीर्तन श्रद्धालु करते रहे। हुए श्रद्धालु ढोल मजीरा बजाते रहे। शोभायात्रा नगर के हृदय स्थल गुरुद्वारा चौक पहुंची। गुरुद्वारा चौक पहुंचने पर आकर्षक आतिशबाजी की गई। नगर में गुरु ग्रंथ साहब के सवारी पर की गई पुष्पवर्षा लोगों को लुभाती रही। शोभायात्रा का नेतृत्व प्रधान दलजीत सिंघ, सहित साध संगत व प्रबंधक सेवादार संरक्षक बक्सीश सिंघ मान, सुखदेव सिंघ, रणवीर सिंघ भामरा, मजीत सिंघ भामरा, जसबीर सिंघ, अवतार सिंघ मान, मनी बग्गा, इंदरजीत सिंघ, इंदरराज सिंघ भामरा, प्रिंसराज सिंघ ढिल्लो, निंदर सिंघ, शानू, निक्कू, अमन बग्गा एवं इस्त्री साध संगत, युवा समिति तथा सभी साध संगत द्वारा सेवा व सहयोग रहा। गुरुद्वारा कमेटी के प्रधान दलजीत सिंह ने बताया कि पांच नवंबर को कीर्तन दरबार का आयोजन गुरुद्वारा परिसर में सुबह 11 बजे से होगा। कार्यक्रम में कथा वाचकों व विभूतियों द्वारा कथा वाचक होगा। साथ ही गुरु का अटूट लंगर बरतेगा।

जगह जगह हुआ स्वागत

गुरुद्वारा के पास मंजीत सिंह के निवास, वन सी कॉलोनी में जिन्दी के निवास इस्त्री साध संगत, दशहरा ग्राउंड में बक्शीस सिंह, अवतार सिंह मान राजा, साई मंदिर समिति, उत्कर्ष समाज, अय्यपा मंदिर सेवा समिति, छठ घाट समिति अनूप सिन्हा, मार्केट में खुशवीर सिंह, मंजीत सिंह खेड़ा, जलतरंग स्वीट्स, जगदीश बग्गा, गगनदीप सिंह बग्गा, अमन बग्गा, गुरुद्वारा चौक पर युवा समिति, रामलाल सोनी, केबी सिंह, राजू सिंह, विनोद जिंदल, चिंटू खेड़ा, विक्रांत सिंह, मनोज अग्रहरि, श्रवण सोनी, विकास सिंह, सजल मित्रा, चिंटू तायल, नरेन्द्र कांडे, राकेश गोयल रिंकू, अमरदीप, मोंटी खेड़ा, मयंक गोयल, अनिल, रमेश गुप्ता व अन्य ने शोभायात्रा का स्वागत किया।

अलग अलग सड़क दुर्घटना में दो बाइक सवार घायल

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। दो अलग अलग सड़क दुर्घटना में दो लोगों को चोट आई है। पहला मामला जयनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत संजयनगर महावीरपुर में दादू होटल के समीप रविवार की रात करीब दस बजे सिलफिली की ओर से अंबिकापुर की ओर जा रहे बाइक क्रमांक सीजी 15 डीडी 3902 का चालक राजकुमार द्वारा तेज व लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए सड़क पर गलत दिशा में जाकर अंबिकापुर से मेहमानी करने संजयनगर जा रहे कार क्रमांक सीजी 15 बी 8892 में टकरा गया। दुर्घटना में बाइक चालक राजकुमार को चोट आने पर उपचार हेतु अंबिकापुर अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बाइक चालक ग्राम पंचायत पहाड़गांव में स्थित एफडीआई में काम करके वापस लौट रहा था और अत्यधिक शराब का नशा किया था, जिससे उक्त दुर्घटना घटित हुई है। दूसरा मामला लटोरी चौकी क्षेत्र के ग्राम पंचायत तुलसी की है। यहां पर बाइक सवार सनवाल पचावल निवासी 22 वर्षीय सकेंद्र पंडो पिता बिरकेश्वर पंडो अंबिकापुर की ओर भटगांव की ओर जा रहा था। तभी तुलसी नाला के पास ट्रक क्रमांक सीजी 15 ईए 1259 के चालक 30 वर्षीय सुनील उरांव पिता नरेन्द्र उरांव निवासी केरकी महूंगाई कहुआँटोली थाना पांकी जिला पलामू झारखण्ड निवासी ने तेज व लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए बाइक को विपरीत दिशा से टक्कर मार दिया। दुर्घटना में बाइक सवार को चोट आने पर अंबिकापुर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ट्रक वाहन अंबिकापुर निवासी मोईन अंसारी की बताई जा रही है, जो दुर्घटना उपरांत सड़क किनारे पलट गया है।

विकासखण्ड स्तरीय करमा महोत्सव में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले दल हुए पुरस्कृत

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिले में विकासखण्ड स्तरीय करमा महोत्सव 2025 का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में राजपुर, रामचन्द्रपुर में विकासखंड स्तरीय करमा महोत्सव-2025 का आयोजन किया गया। इस महोत्सव में ग्राम पंचायतों के करमा नृत्य दलों ने भाग लिया। प्रतिभागीयों ने अपने प्रतिभा का प्रदर्षन नृत्य शैली, गायन, वेशभूषा, वाद्ययंत्र पर किया तथा निर्णायक समिति के द्वारा श्रेष्ठ प्रदर्शन पर नंबर देकर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय श्रेणी का निर्धारण किया गया तथा पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

विकासखंड राजपुर के हायर सेकेंडरी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आयोजित कर्मा महोत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सामरी विधायक श्रीमती उद्धेश्वरी पैकरा शामिल हुई। कर्मा महोत्सव में राजपुर के 22 ग्राम पंचायत के टीमों ने भाग लिया, जिसमें कर्मा में 16, कर्मालीला में 02, शैला 03 और सेंधौ में 01 टीम/प्रतिभागी शामिल हुए। कार्यक्रम में प्रथम पुरस्कार ओकरा की टीम विजेता रही उन्हें 3100 रुपये एवं मांदर कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागी टीम को क्षेत्रीय विधायक श्रीमती उदेश्वरी पैकरा के द्वारा 1000-1000 रुपये प्रोत्साहन राशि के रूप प्रदान किया गया। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत से आए ग्रामवासी भी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। जनपद स्तरीय कर्मा महोत्सव में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी टीम जिला स्तर पर होने वाले कर्मा महोत्सव में प्रतिभागी होंगे। कार्यक्रम विधायक श्रीमती उदेश्वरी पैकरा ने कहा कि यह करमा महोत्सव का आयोजन राज्य शासन के द्वारा लोक संस्कृति की विरासत को आगे बढ़ाने के लिए किया जा रहा है। करमा महोत्सव के विजेता टीम को पुरस्कार राशि देकर सम्मानित किया गया। साथ ही शेष सभी दलों को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। विकासखण्ड स्तर पर प्रथम स्थान आने वाले दल 04 नवम्बर को जिला स्तर पर आयोजित होने वाले प्रतियोगिता में भाग लेंगे। कार्यक्रम में संबंधित क्षेत्रों के जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, सरपंच, समाज प्रमुख व संबंधित सीईओ जनपद पंचायत, परियोजना अधिकारी, करारोपण अधिकारी, उप अभियंता, सचिव एवं ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

सरगुजा अंचल ने इन 25 वर्षों की अवधि में विकास के नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं- रामविचार नेताम

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। राज्योत्सव 2025 के तीन दिवसीय जिला स्तरीय समारोह का रविवार को भव्य शुभारंभ अम्बिकापुर के कला केंद्र मैदान में हुआ। मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ शासन के आदिम जाति विकास, कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी, मछलीपालन, पशुधन विकास विभाग मंत्री रामविचार नेताम ने उपस्थित लोगों को राज्य स्थापना दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर दीप प्रज्ज्वलन कर किया। इस दौरान उन्होंने जनता को संबोधित करते हुए कहा कि 25 वर्ष पहले समूचे छत्तीसगढ़ की क्या स्थिति थी। आज रोड, बिजली, पेयजल शिक्षा, स्वास्थ्य के क्षेत्र में परिवर्तन आया है। 25 वर्षों में जो बदलाव आया है, वो देखते ही बन रहा है। आज हम कुछ ही घण्टे में रायपुर पहुंच रहे है। रेल मार्ग का विकास हुआ है, अम्बिकापुर से सीधे दिल्ली पहुंच रहे हैं। आज यहां हवाई सेवा शुरू हो गई है, जिसका आगे और बेहतर संचालन होगा। यह विचार करने का विषय है कि हमने 25 वर्षों में कितना छलांग मारा है और आगे का 25 वर्ष कैसा होगा। शासन प्रयासरत है कि देश के विकास में हमारा छत्तीसगढ़

किसी भी मायने में पीछे नही रहेगा। अभी हमे और बहुत कुछ करना बाकी है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने 18 लाख गरीबों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्का आवास प्रदान किया है। 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी कर किसानों को उनका हक दिया जा रहा है। 70 लाख माताओं- बहनों के खाते में हर माह एक-एक हजार रुपए की राशि दी जा रही है। हमारी सरकार हर वर्ग के लोगों को लाभ दिला रही है।छत्तीसगढ़ निर्माण के बाद हर एक क्षेत्र में प्रगति हुई, लोगों के जीवन स्तर में सुधार हुआ, आमूलचूल परिवर्तन आया है। सरगुजा अंचल ने इन 25 वर्षों की अवधि में विकास के नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। छत्तीसगढ़ के विकास में सरगुजा क्षेत्र पीछे ना रहे, हम यहां के निवासियों के जीवन स्तर कैसे आगे लाएं, ये सोचना है। सरगुजा अंचल भी विकास की दौड़ में पीछे न रहे। विकसित छत्तीसगढ़ होगा, इस दिशा में मिलकर हम कार्य कर रहे हैं। लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज ने कहा कि हम छत्तीसगढ़ स्थापना का रजत जयंती मना रहे हैं, तीन दिवस के कार्यक्रम का आज शुभारंभ हो रहा है। कल राज्य स्तर पर प्रधानमंत्री के द्वारा शुभारंभ किया गया, हमारे राज्य के 25 वर्ष के युवा होने पर हम यह खुशी मना रहे हैं। यहां 25 वर्षों की इस यात्रा की प्रदर्शनियां लगाई गई है। उन्होंने सभी को शुभकामनाएं दीं।

बीएलओ एवं सुपरवाइजर का प्रशिक्षण सम्पन्न, सजगता और पारदर्शिता से कार्य करने के कलेक्टर ने दिए निर्देश

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार विशेष गहन पुनरीक्षण के अंतर्गत सरगुजा जिले में मतदाता सूची अद्यतन प्रक्रिया को सुचारू रूप से संचालित करने हेतु बीएलओ (बूथ लेवल अधिकारी) एवं सुपरवाइजर को प्रशिक्षण दिया गया। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी विलास भोसकर तथा अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी सुनील नायक द्वारा आयोजित इस प्रशिक्षण में अम्बिकापुर, लखनपुर एवं उदयपुर विकासखंडों के बीएलओ एवं सुपरवाइजरों को गणना प्रपत्र भरने की प्रक्रिया, मतदाता विवरण सत्यापन तथा डेटा मिलान प्रणाली की विस्तृत जानकारी दी गई। इस दौरान कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी विलास भोसकर ने प्रशिक्षण सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि यह कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रत्येक बीएलओ एवं सुपरवाइजर सजगता, पारदर्शिता एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करें। गणना प्रपत्र में दर्ज की जाने वाली प्रत्येक जानकारी त्रुटिरहित होनी चाहिए, जिससे मतदाता सूची पूर्णतः शुद्ध एवं अद्यतन तैयार हो सके। प्रशिक्षण में उप जिला निर्वाचन अधिकारी सुनील नायक ने कहा कि प्रत्येक बीएलओ को अपने क्षेत्र में घर-घर जाकर गणना प्रपत्र के माध्यम से मतदाताओं से आवश्यक जानकारी एकत्र करने होंगे। उन्होंने इस प्रक्रिया में बीएलओ को बीएलओ ऐप का सक्रिय उपयोग कर कार्य की प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

महामना मालवीय मिशन के तत्वावधान में हुआ गीता पाठ एवं आध्यात्मिक समागम

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। महामना मालवीय मिशन के तत्वावधान में देवउठनी एकादशी के पावन अवसर पर नगर के वरिष्ठ समाजसेवी राज कुमार गुप्ता के निवास स्थान पर गीता पाठ सह आध्यात्मिक समागम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्रीमद्भगवद्गीता के सप्तम अध्याय का सामूहिक पाठ एवं उस पर सारगर्भित परिचर्चा नगर के प्रबुद्धजनों एवं विद्वत समाज के सदस्यों द्वारा की गई। गीता मर्मज्ञ शिक्षाविद् ब्रह्माशंकर सिंह ने कहा कि गीता केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि कर्म, ज्ञान और भक्ति की त्रिवेणी है, जो जीवन को दिशा प्रदान करती है। श्रीकृष्ण के उपदेश हर युग में मानवता के लिए पथप्रदर्शक हैं। अवकाश प्राप्त पुलिस अधीक्षक ललित मोहन तिवारी ने कहा कि व्यक्ति और व्यक्तित्व की पहचान उसके कर्मों से होता है। और गीता कर्म करने का सीख देता है। इसलिए हर व्यक्ति को कर्म करना चाहिए। कर्म विहीन जिन्दगी निर्थक है। सुनिल दत्त ने कहा कि आज के तनावपूर्ण जीवन में गीता का ह्यकर्मयोग सिद्धांत व्यक्ति को आत्मबल और मानसिक संतुलन प्रदान करता है। पाण्डेय जी ने कहा कि गीता का अध्ययन केवल अध्यात्मिक नहीं, बल्कि व्यवहारिक दृष्टि से भी आवश्यक है। यह हर क्षेत्र में कर्म के प्रति निष्ठा और समर्पण सिखाती है। रामनारायण शर्मा ने कहा कि गीता मनुष्य को आत्मसाक्षात्कार की ओर ले जाती है। जब व्यक्ति अपने कर्म को ईश्वर को समर्पित करता है, तभी सच्चे सुख की प्राप्ति होती है। दुर्गा प्रसाद तिवारी ने कहा कि गीता का प्रत्येक अध्याय मानव जीवन के किसी न किसी पहलू से जुड़ा है। यदि युवा वर्ग इसे आत्मसात करे, तो समाज में सकारात्मक परिवर्तन संभव है। डॉ. बी. के. सिंह कृषि वैज्ञानिक ने कहा कि गीता केवल ग्रंथ नहीं, जीवन जीने की एक विज्ञानपूर्ण विधा है। शिक्षा प्रणाली में गीता के मूल्यों को शामिल करना आज की आवश्यकता है। प्रकाश कश्यप ने कहा कि गीता का संदेश हमें आंतरिक द्वंद्वों से मुक्त कर आत्मशक्ति और विवेक का मार्ग दिखाता है आभार व्यक्त करते हुए हरिशंकर सिंह ने कहा कि भारत और विश्व की वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए गीता के सन्दर्भों को समझना और उन्हें व्यवहार में लाना अत्यंत आवश्यक है।

प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना से बदला पहाड़ी कोरवा परिवार का जीवन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। विकास की मुख्यधारा से विशेष रूप से पिछड़ी जनजातियों को जोड़ने के लिए केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अब सुदूर वनांचलों तक पहुँच रहा है। जिले के आकांक्षी ब्लॉक लखनपुर की ग्राम पंचायत लोसगी निवासी श्रीमती बिसुन कोरवा (बिहानू कोरवा), जो विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा समुदाय से हैं, उनका का जीवन प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना के माध्यम से बदल गया है। श्रीमती बिसुन कोरवा ने बताया कि उनका परिवार अत्यंत गरीब है और आजीविका का मुख्य साधन खेती एवं मजदूरी पर निर्भर रहा है।

राज्य गठन के बाद प्रदेश के हर क्षेत्र में हुई अभूतपूर्व प्रगति : श्री महाराज

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बलरामपुर। राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर जिला मुख्यालय के शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बलरामपुर के खेल मैदान में आयोजित कार्यक्रम में सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज के मुख्य आतिथ्य में तीन दिवसीय राज्योत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। मुख्य मंच पर सांसद महाराज ने मां सरस्वती एवं छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सरगुजा सासंद चिंतामणि महाराज ने उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित कर राज्य स्थापना दिवस एवं छत्तीसगढ़ गठन के 25 वर्ष रजत जयंती की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि आज छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस मनाया जा रहा है। राज्य बने हुए 25 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि वर्ष 2000 में छत्तीसगढ़ राज्य के गठन से प्रदेश ने विकास की दिशा में अभूतपूर्व प्रगति की है। वर्ष 2012 में बलरामपुर जिला बना था, उन्होंने कहा कि जिला बनने से पहले हमारा बलरामपुर नक्सल प्रभावित था, परन्तु शासन के अथक प्रयास से अब हमार जिला नक्सल मुक्त हो चुका है। पहले हम नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में असुरक्षा और भय की स्थिति में रहते थे, परंतु अब शांति और अब हर क्षेत्रों में विकास हो रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य बनने से पहले शिक्षा की स्थिति बहुत सीमित थी। ग्रामीण अंचलों में विद्यालयों की संख्या कम थी और उच्च शिक्षा तक पहुंच कठिन थी। लेकिन राज्य गठन के बाद शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय विस्तार हुआ है। वर्ष 2025 तक प्रदेश में शिक्षा व्यवस्था सुदृढ़ और व्यापक हो चुकी है, जिससे नए अवसरों का सृजन हुआ है। कषि के क्षेत्र में भी अब हमारा जिला अग्रणी जिला बनकर उन्नत पद्धति से खेती कर रहा है। अब हमारे किसान धान के अलावा दलहन, तिलहन एवं साग-सब्जी सभी का उत्पादन कर रहे हैं। कार्यक्रम में उन्होंने राज्य स्तरीय राज्योत्सव के शुभारंभ अवसर पर राजधानी रायपुर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आगमन एवं विशेष पिछड़ी जनजातीय समुदाय के लिए चलाये जा रहे पीएम जनमन एवं धरती आबा उत्कर्ष योजना के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विशेष पिछड़ी जनजातियों के लिए केन्द्र सरकार द्वारा पीएम जनमन योजना लागू कर उन्हें समाज की मुख्य धारा से जोड़ा जा रहा है। उन्हें बिजली, पानी, स्वास्थ्य, शिक्षा सहित हर क्षेत्र में लाभान्वित किया जा रहा है।सांसद चिंतामणि महाराज ने राज्योत्सव के अवसर पर जिला प्रशासन द्वारा लगाए गए विभिन्न विभागों के स्टॉलों का निरीक्षण किया।

संक्षेप

वंदे भारत एक्सप्रेस में खाने में मिला कीड़ा, वीडियो वायरल होने पर रेलवे ने दिए जांच के आदेश

संवाददाता

लखनऊ। वीआईपी ट्रेन वंदे भारत एक्सप्रेस में भी यात्रियों को परोसे जाने वाले खाने को लेकर शिकायत आने लगी है। लखनऊ-मेरठ वंदे भारत एक्सप्रेस के यात्री ने खाने में कीड़ा निकलने की शिकायत की है। यात्री की शिकायत के बाद रेलवे ने मामले की जांच शुरू कर दी है। मामला शनिवार का बताया जा रहा है। यात्री विक्रांत ट्रेन 22489 वाराणसी-मेरठ वंदे भारत एक्सप्रेस में यात्रा कर रहे थे। बोगी सी-1 की सीट नंबर नौ पर उनका आरक्षण था। विक्रांत को ट्रेन में चल रहे कैटरिंग के कर्मचारी ने खाने की ट्रे दी। ट्रे में कई सफेद कीड़े चल रहे थे। यात्री विक्रांत ने कर्मचारी को बुलाकर ट्रे में चल रहे कीड़े को दिखाया। इस पर वह बिना उत्तर दिए ही वापस चला गया। इसके बाद विक्रांत ने रेलवे के हेल्पलाइन नंबर और कंट्रोल रूम के नंबर भी फोन कर इसकी शिकायत दर्ज करायी। इंटरनेट मीडिया एक्स पर 19 सेकेंड का वीडियो अपलोड करते हुए उनकी की गई शिकायत के बाद रेलवे ने जांच के आदेश दिए हैं।

खुद को निजी इंश्योरेंस कंपनी कर्मी बताकर अच्छे रिटर्न का दिया झांसा, डॉक्टर से ठगे 7 लाख रुपये

संवाददाता

लखनऊ। आईआईएम रोड के श्री राम आश्रम कैंप निवासी लोक प्रशासन विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. श्रद्धा चंद्रा ने गोमती नगर विस्तार थाने में चार लोगों के खिलाफ ठगी का मुकदमा दर्ज कराया है। आरोपितों ने खुद को निजी इंश्योरेंस कंपनी का कर्मी बता अच्छे रिटर्न का झांसा देकर सात लाख रुपये ठगे थे। डॉ. श्रद्धा ने बताया कि उनकी बेटी गोमती नगर के एक निजी स्कूल में पढ़ती है। बेटी की सहेली ने उनकी मुलाकात अयोध्या के वजीरगंज निवासी अपनी मां सोनाली मिश्रा और पिता प्रदीप मिश्रा से कराई।

नॉलेज फॉर ऑल': डॉ. राजेश्वर सिंह ने पाँच नई 'कम्युनिटी लाइब्रेरी' का किया लोकार्पण

डॉ. राजेश्वर सिंह ने प्रस्तुत किया नेट जीरो और सतत विकासशील सरोजनीनगर का विजन

संवाददाता

सरोजनीनगर, लखनऊ। एक पुस्तक दुनिया बदल सकती है, एक पुस्तक सोच बदल सकती है, और एक पुस्तक समाज बदल सकती है। लाइब्रेरी केवल पढ़ने का स्थान नहीं होतीयह समुदाय के हृदय की धड़कन है, जो लोगों, विचारों और पीढ़ियों को जोड़ती है। इसी भावना के साथ सरोजनी नगर विधान सभा क्षेत्र की सभी 104 आरडब्ल्यूए में कम्युनिटी लाइब्रेरी की स्थापना के मिशन को आगे बढ़ाते हुए,विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने रविवार को पाँच आरडब्ल्यूए - गोवर्धन एनक्लेव, कासा ग्रीन, लक्ष्य हाइट्स, द ग्रेस और रोहतास आइकॉन में नई कम्युनिटी लाइब्रेरी का लोकार्पण किया।

इसके साथ ही सरोजनीनगर की कुल 42 आरडब्ल्यूए अब अपनी स्वयं की कम्युनिटी लाइब्रेरियों से सुसज्जित हो चुकी हैं। ये लाइब्रेरियाँ केवल पुस्तकों तक पहुँच का माध्यम नहीं हैं, बल्कि समाज में पठन, संवाद और सहभागिता की नई संस्कृति का निर्माण कर रही हैं।

भागीरथी एन्क्लेव के पर्यावरण संरक्षण प्रयासों की सराहना :

कार्यक्रम के दौरान डॉ. राजेश्वर सिंह ने भागीरथी एन्क्लेव के निवासियों की पर्यावरण संरक्षण और अपशिष्ट पुनर्चक्रण में सक्रिय भागीदारी के लिए सराहना की। उन्होंने कहा कि यहाँ के आरडब्ल्यूए सदस्य प्लास्टिक, पेपर और अन्य पुनर्चक्रण योग्य वस्तुओं का संग्रह पूरी निष्ठा और अनुशासन के साथ कर रहे हैं। उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि यहाँ के बच्चे पर्यावरण के प्रति सजग और जिम्मेदार बन रहे हैं। 'ऐसे प्रयास न केवल प्रकृति की रक्षा करते हैं, बल्कि हमारी आने वाली पीढ़ियों को सतत जीवनशैली

अपनाने के लिए प्रेरित भी करते हैं,' डॉ. सिंह ने कहा।

इस अवसर पर उन्होंने भागीरथी एन्क्लेव की पूर्व में स्थापित लाइब्रेरी का भ्रमण किया तथा वहाँ दो कंप्यूटर प्रदान करने का संकल्प व्यक्त किया, ताकि निवासियों और बच्चों के लिए डिजिटल शिक्षा और अधिगम (learning) के अवसर और सुदृढ़ हो सकें। इस दौरान डॉ. सिंह RWA सदस्यों के साथ टेबल टेनिस खेलते भी नजर आए।

सतत जीवनशैली की दिशा में आह्वान :

संसाधनों के अत्यधिक उपभोग की वैश्विक चुनौती पर प्रकाश डालते हुए, डॉ. सिंह ने Earth Overshoot Day की अवधारणा का उल्लेख किया।

उन्होंने कहा, 'जब यह विचार 1972 में प्रारंभ हुआ था, तब मानवता पृथ्वी के वार्षिक संसाधनों का उपयोग 26 दिसंबर तक कर लेती थी। आज यह तिथि घटकर 1 अगस्त पर आ गई है अर्थात हम मात्र सात महीनों में ही वह सब उपयोग कर लेते हैं जो प्रकृति पूरे वर्ष में पुनः उत्पन्न करती है।' उन्होंने नागरिकों से सतत आदतें अपनाने का आह्वान करते हुए कहा, 'सतत जीवनशैली समाज के लिए सबसे बड़ा उपचार है, और यही हमारे बच्चों तथा उनके भविष्य के लिए सच्ची सेवा है।'

नेट जीरो की दिशा में अग्रसर सरोजनीनगर

डॉ. सिंह ने यह भी साझा किया कि सरोजिनी नगर को देश की पहली Net Zero Constituency बनाने की दिशा में कार्य जारी है।

उन्होंने कहा, 'हमारा विजन यह सुनिश्चित करना है कि सरोजिनी नगर में कार्बन उत्सर्जन शून्य हो और विकास का हर पहलू पर्यावरणीय संतुलन के अनुरूप हो। यह मिशन तभी सफल होगा जब प्रत्येक नागरिक इसमें सक्रिय रूप से सहभागी बने।' उन्होंने बताया कि इस दिशा में सौर ऊर्जा, अपशिष्ट प्रबंधन और सामुदायिक जागरूकता के माध्यम से निरंतर कार्य किया जा रहा है।

फिटनेस और डिजिटल साक्षरता के माध्यम से प्रगति :

डॉ. सिंह के नेतृत्व में सरोजनीनगर में सामुदायिक विकास और डिजिटल सशक्तिकरण की दिशा में निरंतर प्रगति हो रही है। अब तक 100 ओपन-एयर जिम स्थापित किए जा चुके हैं, जिससे लोग स्वास्थ्य और फिटनेस के प्रति प्रेरित हो रहे हैं। इसके साथ ही, 60 से अधिक विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में डिजिटल लाइब्रेरी और स्मार्ट क्लास पैनल स्थापित किए गए हैं, ताकि हर बच्चे को आधुनिक डिजिटल शिक्षा का अवसर प्राप्त हो सके।'हर बच्चे को डिजिटल अधिगम का अवसर मिलना चाहिए, क्योंकि भविष्य डिजिटल रूप से सशक्त पीढ़ियों का होगा,' डॉ. सिंह ने कहा।

डॉ. राजेश्वर सिंह ने कार्यक्रम की सफलता में सहयोग देने वाले सभी गणमान्य अतिथियों और आरडब्ल्यूए सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया - भागीरथी एन्क्लेव अध्यक्ष डॉ. पूजा सिंह, उपाध्यक्ष जे.के. शुक्ला, भाजपा मंडल अध्यक्ष मोहित तिवारी, सेक्टर संयोजक आरती शुक्ला, बूथ अध्यक्ष एस.के. सिंह, दीपक गुप्ता, ओम प्रकाश यादव, रामाशंकर त्रिपाठी, के.एन. सिंह, शैलेन्द्र सिंह, सुमन सिंह, गोवर्धन एनक्लेव आरडब्ल्यूए अध्यक्ष नीरज श्रीवास्तव, रोहतास आइकॉन के भूपेन्द्र तथा समाज के सभी सम्मानित सदस्यों का जिन्होंने साक्षरता, पर्यावरण और सामुदायिक विकास की इस अद्भुत पहल में सक्रिय योगदान दिया।

दुकान में निकला नाग नागिन का जोड़ा, मचा हड़कंप, वन विभाग ने किया रेस्क्यू

संवाददाता

रेस्क्यू करती वन विभाग टीम

लखनऊ। रहीमाबाद थाना क्षेत्र में उस वक्त अफरा तफरी मच गई जब एक दुकान के अंदर अचानक नागझनागिन का जोड़ा निकल आया। रविवार को ग्राम गदियाखेड़ा निवासी अमर कुमार मोहन की गदियाखेड़ा रोड पर स्थित स्ट्रिंग फर्मा पिलर फर्मा की दुकान में यह अनोखी घटना हुई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक ग्राहक घर निर्माण में लगने वाली फर्मा लेने आया था। जैसे ही उसने दुकान पर रखे फर्मा उठाए उसके नीचे से नाग और नागिन का जोड़ा फन उठाए दिखाई दिया। यह दृश्य देखते ही ग्राहक और दुकानदार दोनों घबरा गए और आसपास के लोग भी मौके पर जुट गए। देखते ही देखते मौके पर भीड़ लग गई और माहौल दहशतभरा हो गया।

दुकानदार ने तुरंत इसकी सूचना वन विभाग को दी। कुछ ही देर में डिप्टी रेंजर देवेश परांजपे, वन दरोगा तारिक खान और जयराम आर्या की टीम मौके पर पहुंची। कड़ी मशक्कत और सावधानीपूर्वक कार्रवाई करते हुए टीम ने दोनों सर्पों को सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया। बाद में उन्हें रहीमाबाद के जालामऊ जंगल में छोड़ दिया गया।

वन विभाग अधिकारियों ने बताया कि नागझनागिन संभवतः ठंड के मौसम में गर्माहट की तलाश में दुकान के अंदर पहुंचे होंगे। सौभाग्य से कोई हादसा नहीं हुआ, वरना बड़ी अनहोनी हो सकती थी।

प्लॉट पर कब्जे को लेकर चले लाठी डंडे, एक पक्ष से महिला और उसके हाथ फैक्कर, बेटा घायल, मुकदमा दर्ज

संवाददाता

पीजीआई। पीजीआई कोतवाली क्षेत्र के जगत खेड़ा, कल्ली पश्चिम में रविवार सुबह करीब साढ़े चार बजे प्लॉट पर चोरी छिपे निर्माण कर, कब्जे का प्रयास कर रहे लोगों को प्लॉट को अपना बता रहे पति पत्नी ने रोकने का प्रयास किया तो दर्जन भर लोगों ने लाठी डंडों और लोहे की रॉड से हमला कर घायल कर दिया, जिसमे महिला और उसके पति के हाथ में फैक्कर हो गया, वहीं बीच बचाव करने आए बेटे को भी पीट दिया, लोगों के जुटने पर आरोपी जान से मारने की धमकीं देते हुए गाड़ियों से भाग निकले। पीड़ित ने पीजीआई कोतवाली पुलिस को नामजद, और अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ तहरीर दी है पुलिस मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल कर रही है। लीलावती, अपने पति रोहतम, और बेटे गौरव, के साथ जगत खेड़ा कल्ली पश्चिम पीजीआई, लखनऊ में रहते हैं। लीलावती ने पीजीआई कोतवाली पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि उनका एक प्लाट जगत खेड़ा में है। सोमवार सुबह करीब साढ़े चार बजे जब वह अपने प्लाट की तरफ टहलने निकले थे, तो देखा कि कुछ लोग उनके प्लॉट पर कब्जे की नीयत से निर्माण कर रहे हैं। नजदीक जाकर देखा तो नन्हा, राजू सिंघानिया, बबलू और अन्य अज्ञात लोगों द्वारा, निर्माण कार्य किया जा रहा था, जब निर्माण कार्य करने का विरोध किया तो वहां मौजूद इन लोगों ने एक दर्जन अज्ञात लोगों के साथ लाठी डंडों और लोहे की रॉड से हमला कर दिया, जिसमें लीलावती उसके पति रोहतम, के हाथ में गंभीर चोटें आई हैं और बीच बचाव करने आए बेटे गौरव को भी मारपीट, कर घायल कर दिया।

पुलिस की लापरवाही से हुई घटना -

वहीं सूत्रों का कहना है कि शनिवार को हो रहे कब्जे की सूचना 112 पर पीड़ित पक्ष ने दी थी, पुलिस मौके पर पहुंची थी, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई, जिसके परिणाम स्वरूप रविवार सुबह फिर बवाल हुआ और महिला सहित तीन लोग गंभीर चोटिल हो गए।

भागती गाड़ियों पर हुआ पथराव -

वहीं मारपीट के बाद जुटे लोगों को देख आरोपी गाड़ियों से भागे जिन पर लोग पथराव करते दिख रहे हैं, और वीडियो में आवाज भी आ रही है।

इंस्पेक्टर पीजीआई धीरेन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि पीड़िता की नामजद तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर एक आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है, और दोनों पक्षों से अपने मालिकाना हक के दस्तावेज प्रस्तुत करने को कहा है।

मुख्यमंत्री के सरोजनीनगर आगमन पर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने किया स्वागत

संवाददाता

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनीनगर विधानसभा क्षेत्र में स्थित डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय में रविवार को आयोजित दीक्षांत समारोह में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आगमन पर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने उनका आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया। डॉ. राजेश्वर सिंह ने इस अवसर पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' के माध्यम से अपनी भावना व्यक्त करते हुए कहा कि - 'परम श्रद्धेय योगी आदित्यनाथ जी के कर्मयोगी व्यक्तित्व, दूरदर्शी नेतृत्व और लोकहितकारी नीतियों ने उत्तर प्रदेश को सुशासन, समृद्धि, सुरक्षा और संवेदनशील प्रशासन के पथ पर अग्रणी राज्य बना दिया है। आपके नेतृत्व में प्रदेश ने विश्वास, पारदर्शिता और आत्मनिर्भरता की नई परिभाषा गढ़ी है।' उन्होंने आगे कहा कि मुख्यमंत्री जी के मार्गदर्शन और आशीर्वचन से सरोजनीनगर परिवार निरंतर प्रेरित और अनुग्रहीत है।

सम्पादकीय

चैंपियन हैं भारत की बेटियां

जय हो, भारत की बेटियों की ! वाह, क्या खेल दिखाया है ? क्या जुझारू पारी और एकाग्रता की मिसाल कायम की है ? क्या अर्जुन की तरह लक्ष्य पर निगाहें टिकी थीं और महिला एकदिनी क्रिकेट के 52 साला इतिहास में नया कीर्तिमान रच दिया ? यह छोटे-छोटे मील-पत्थरों की कहानी नहीं है। यह पुरुष या महिला क्रिकेट की सबसे खूबसूरत, शानदार, जानदार जीत है। भारत और हम भारतीयों को अपेक्षाएं ही नहीं थीं। हमने महिला क्रिकेट तो क्या, महिला खिलाडि ?ों को कभी गंभीरता से नहीं लिया। जिन पलों में महिला टीम इंडिया ने 7 बार की विश्व चैम्पियन और लगातार 15 मैचों की अजेय ऑस्ट्रेलिया टीम को पराजित कर विश्व कप के फाइनल में प्रवेश किया, लगभग उसी दौरान एशियन यूथ गेम्स में भारत की चार बेटियों-खुशी, अहाना, चन्द्रिका, अंशिका- ने मुक्केबाजी में स्वर्णिम सफलता हासिल की। देश की जास्मीन और मीनाक्षी हुड्डा ने अपने-अपने भार-वर्ग में, विश्व चैम्पियनशिप के मुकाबलों में, स्वर्ण पदक जीते। कितने भारतीयों को ये स्वर्णिम उपलब्धियां याद हैं ? शायद उन्हें जानकारी भी न हो ! बहरहाल महिला क्रिकेट के विश्व कप में भारत की बेटियों ने जो खेल खेला है, वह वाकई अद्भुत, अप्रत्याशित, अभूतपूर्व, अकल्पनीय, अतुलनीय था ! ऑस्ट्रेलिया की टीम ने ग्रुप स्तर पर टीम इंडिया के 330 रनों का सफल चेज कर जीत हासिल की थी। लिहाजा सेमीफाइनल मुकाबले में किसी अतिरिक्त करिश्मे की उम्मीद नहीं थी, लेकिन जेमिमा रोड्रिग्स के रूप में मानो कोई फरिश्ता उतर आया और उसने अभूतपूर्व करिश्मा कर दिखाया। जेमिमा को इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबले में ड्रॉप किया गया था। जेमिमा की फॉर्म भी अच्छी नहीं थी। हालांकि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसने 70 से अधिक रन ठोंके थे। विश्व कप के दौरान वह ड्रेसिंग रूम या अकेले में ही सुबकती रहती थी, क्योंकि वह देश के लिए अच्छी क्रिकेट खेल नहीं पा रही थी। सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने 338 रन का पहाड़-जैसा लक्ष्य दिया था। जवाब में जब टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाज-शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना-अपेक्षाकृत कम स्कोर पर आउट हो गए, तो भारत की पारी डूबती-सी लगी। उन स्थितियों में जेमिमा ने नाबाद 127 रन (134 गेंद, 14 चौके) बनाकर न केवल विश्व कप का अपना पहला शतक लगाया, बल्कि कप्तान हरमनप्रीत कौर (88 गेंद पर 89 रन) के साथ तीसरे विकेट की साझेदारी में 167 रन (156 गेंद) बना कर पहाड़ की ऊंचाई को एक हद तक कम कर दिया। जेमिमा ने दीप्ति शर्मा के साथ 38 रन (34 गेंद), ऋचा घोष के साथ 46 रन (31 गेंद) और अमनजोत कौर के साथ नाबाद 31 रन (15 गेंद) जोड़े और एक अविश्वसनीय-सी लग रही जीत पर मुहर लगा दी। विश्व कप का यह सबसे बड़ा और सफल चेज रहा। यकीनन जेमिमा प्लेयर ऑफ दि टीम इंडिया करार दी जानी चाहिए, जिस पर भरोसा किया गया, तो उन्होंने महान पारी खेली और टीम इंडिया को 5 विकेट की जीत से, 9 गेंद शेष थीं, विश्व कप के फाइनल में पहुंचाया। अब फाइनल मैच की न तो कोई आशंका है, न चुनौती, न अग्नि-परीक्षा और न ही किसी किस्म का खौफ है। दक्षिण अफ्रीकी टीम पहली बार विश्व कप के फाइनल में है। हम उनके खेल और हुनर को किसी भी तरह कमतर आंकने के पक्षधर नहीं हैं, लेकिन महिला टीम इंडिया 2005 और 2017 में भी फाइनल में पहुंच चुकी है। हमें उस स्तर के तनाव और दबाव का अनुभव हो चुका है। टीम इंडिया ने 2017 विश्व कप में भी, सेमीफाइनल मुकाबले में, ऑस्ट्रेलिया टीम को पराजित किया था। हम यह कई बार साबित कर चुके हैं कि ऑस्ट्रेलिया टीम अजेय नहीं है। उसे किसी भी दिन, बेहतर खेल के जरिए, पराजित किया जा सकता है। अब बेशक टीम इंडिया फाइनल में जीते या हार जाए, लेकिन टीम इंडिया की बेटियां क्रिकेट की शेरनियां हैं। वे वाकई विश्व चैम्पियन हैं। हालांकि हमारा पूर्वाभास यह है कि अब बेटियों का जो जोश है, खेल जिस स्तर पर पहुंच चुका है, उस स्थिति में सर्वप्रथम महिला विश्व कप भारत में ही आना चाहिए। क्रिकेट में भारतीय महिलाएं अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं। यह प्रदर्शन उम्मीद से कहीं ज्यादा है। इसे भारतीय महिला क्रिकेट का उभार भी कहा जा सकता है। आशा की जानी चाहिए कि फाइनल में भी भारतीय महिला क्रिकेटरों का अच्छा प्रदर्शन जारी रहेगा और भारत विश्व कप का फाइनल जीतकर कप अपने नाम करेगा।

आखिरकार दस माह से निरंतर जारी कटुता से परिपूर्ण व्यापारिक और कूटनीतिक कशमकश के पश्चात अमेरिका और चीन एक व्यापारिक समझौते पर पहुंच ही गए हैं। अमेरिकन राष्ट्रपति ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति चिनफिंग के मध्य दक्षिण कोरिया में संपन्न हुई कूटनीतिक वार्ता का परिणाम अब दुनिया के सामने आ चुका है। अमेरिका अब चीन में निर्मित वस्तुओं से टैरिफ को घटा दिया है। अब अमेरिका द्वारा फेंटानिल टैरिफ को 20 प्रतिशत से घटाकर 10 प्रतिशत कर दिया गया है। इस समझौते के मुताबिक चीन अब अमेरिका से बड़ी मात्रा में सोयाबीन का आयात करने के लिए भी तैयार हो गया है। चीन के साथ रेयर मिनरल सप्लाई के व्यापार मुद्दे को भी सुलझा लिया गया है। विश्व में अमेरिका एवं चीन क्रमशः प्रथम व द्वितीय शक्तिशाली देश हैं। संभवतः यह एक अद्वितीय कूटनीति है, जो या तो सार्वजनिक स्तर पर अब तक समझी नहीं जा सकी है अथवा चीन, भारत व रूस के कर्ताधर्ता इसे भलीभांति समझकर समय-समय पर विभिन्न स्वरूपों में उत्पन्न होने वाली अपनी-अपनी कूटनीतिक भूमिकाएं निभा रहे हैं। अब इंतजार भारत और अमेरिका के बीच होने वाले व्यापार समझौते का है। ये कैसा होगा इसी का विश्लेषण करता *आजकल* का यह खास अंक...

अमेरिका-चीन का ट्रेड सीजफायर

विश्लेषण

प्रभात कुमार रॉय

विदेश मामलों के जानकार

विगत दस महीनों से व्यापारिक प्रतिशोध की भावना से ओतप्रोत होकर चीन और अमेरिका एक-दूसरे पर एक से बढ़कर एक टैरिफ आयाद करते चले गए। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और चीन राष्ट्रपति चिनफिंग के मध्य दक्षिण कोरिया में संपन्न हुई कूटनीतिक वार्ता का परिणाम अब दुनिया के सामने आ चुका है। ट्रंप ने फरमाया कि अमेरिका अब चीन में निर्मित उन वस्तुओं पर आयद किए गए टैरिफ को घटा देगा, जिन्हे अमेरिका द्वारा टैरिफ युद्ध के दौरान किया गया था। ताकतवर देशों की अंतहीन लालची हवस ने दुनिया को तीसरे विश्व युद्ध के कगार पर लाकर खड़ा कर दिया है।

प्रेसिडेंट ट्रंप के दूसरी दफा अमेरिकन राष्ट्रपति पद पर आसीन हो जाने के तत्पश्चात, फरवरी 2025 से अमेरिका और चीन के मध्य टैरिफ के विकराल सवाल पर संघर्षपूर्ण कूटनीतिक और व्यापारिक तनाव देखा गया है। विगत दस महीनों से व्यापारिक प्रतिशोध की भावना से ओतप्रोत होकर चीन और अमेरिका एक-दूसरे पर एक से बढ़कर एक टैरिफ आयाद करते चले गए। महत्वपूर्ण खनिज संपदा, जिनको रेयर मिनरल भी कहा जाता है, सेमीकंडक्टर्स, जिन्हें आधुनिक मैन्युफैक्चरिंग की रीढ़ करार दिया जाता है, सोयाबीन आदि अनेक वस्तुओं के आयात-निर्यात के जटिल प्रश्नों पर अमेरिका और चीन के मध्य जबरदस्त व्यापारिक और कूटनीतिक तनाव का निरंतर दीदार होता रहा। आखिरकार विगत दस माह से निरंतर जारी कटुता से परिपूर्ण व्यापारिक और कूटनीतिक कशमकश के पश्चात अमेरिका और चीन एक व्यापारिक समझौते तक आखिरकार पहुंच ही गए हैं। अमेरिकन राष्ट्रपति ट्रंप और चीन राष्ट्रपति जिनपिंग के मध्य दक्षिण कोरिया में संपन्न हुई कूटनीतिक वार्ता का परिणाम अब दुनिया के सामने आ चुका है।

डोनाल्ड ट्रंप का यू-टर्न

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फरमाया कि अमेरिका अब चीन में निर्मित उन वस्तुओं पर आयद किए गए टैरिफ को घटा देगा, जिन्हे अमेरिका द्वारा टैरिफ युद्ध के दौरान आयद किया गया था। अब अमेरिका द्वारा फेंटानिल टैरिफ को 20 प्रतिशत से घटकर 10 प्रतिशत कर दिया गया है। राष्ट्रपति ट्रंप ने यह भी फरमाया है कि व्यापारिक समझौते के मुताबिक चीन अब अमेरिका से बड़ी मात्रा में सोयाबीन का आयात करने के लिए भी तैयार हो गया है। चीन के साथ रेयर मिनरल सप्लाई के व्यापार मुद्दे को भी सुलझा लिया गया है। गौरतलब है कि मनमाने तौर पर टैरिफ आयाद करने में प्रेसिडेंट ट्रंप ने दोस्त और दश्मन दोनों तरह के मुल्कों को कदाचित नहीं बख्शा। राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा अपने पहले कार्यकाल में भी चीन के विरुद्ध ट्रेड वार का आगाज अंजाम दिया गया था। डोनाल्ड ट्रंप का नजरिया रहा कि चीन अनुचित तौर पर व्यापारिक नीतियां अख्तियार करता है। फरवरी 2025 में डोनाल्ड ट्रंप ने चीन के ऊपर 10 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ आयाद करने का ऐलान किया था। इसके प्रतिउत्तर में चीन ने अमेरिका के विरुद्ध 20 प्रतिशत टैरिफ आयद कर दिया था। अमेरिका के लिबरेशन डे ऐतिहासिक अवसर पर डोनाल्ड ट्रंप ने चीन पर 34 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने की बाकायदा धमकी दी थी।

टैरिफ से सप्लाई चेन टूटी

चीन और अमेरिका के मध्य जारी टैरिफ युद्ध के कारण मैन्युफैक्चरर्स और ट्रेडर्स दोनों ही विकट संकट में आ गये। चीन के गोदामों में मैन्युफैक्चर्ड माल का विशाल अंबार लग गया। अमेरिकन कम्पनियां बेहद हताश निराश होकर घबरा उठीं। जटिल प्रश्न उठा खड़ा हुआ कि आखिरकार मैन्युफैक्चरर्स और ट्रेडर्स रातों-रात अपने निर्मित माल की सप्लाई चेन बरकरार रखने के लिए एकदम नया विकल्प किस तरह से ढूंढ निकाल सकते हैं। प्रेसिडेंट ट्रंप द्वारा प्रारंभ किए गए वैश्विक टैरिफ युद्ध के दौरान ही अमेरिकन प्रशासन द्वारा ट्रांसशिपमेंट पर भी प्रबल निशाना साधा गया, ताक चीन में निर्मित सामान को वियतनाम, कंबोडिया, लाओस आदि साम्यवादी देशों के माध्यम से अमेरिका को कदाचित भेजा नहीं जा सके। अमेरिका द्वारा प्रारंभ किए गए टैरिफ युद्ध के दौरान चीन एक कदम भी पीछे नहीं हटा।

एग्रीकल्चर प्रोडक्ट पर निशाना

चीन द्वारा अमेरिका के एग्रीकल्चर सेक्टर को प्रबल निशाना बनाया गया। सोयाबीन जैसे एग्रीकल्चर प्रोडक्ट पर अत्यधिक टैरिफ आयद कर दिया गया। दूसरी तरफ डोनाल्ड ट्रंप ने एप्पल और वालमार्ट आदि अमेरिकन कंपनियों को चीन के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर से पृथक करने की जबरदस्त कोशिशें अंजाम दी, किंतु बड़ी अमेरिकन कंपनियों को अनेक रियायतें प्रदान कर देने के कारण, डोनाल्ड ट्रंप की चीन के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर का बायकॉट करने की पॉलिसी बेहद कमजोर होकर नाकाम सिद्ध हो गई। कूटनीतिक तौर पर चीन द्वारा अनेक दफा दोहराया गया कि वह अमेरिका के साथ बातचीत के लिए तत्पर है। किंतु प्रबल आत्मविश्वास से परिपूर्ण चीन हुकूमत ने बाकायदा ऐलान किया कि टैरिफ युद्ध में चीन एक कदम भी पीछे नहीं हटेगा। चीन द्वारा रेयर मिनरल्स का निर्यात अमेरिका को तत्काल रोक देने की उदघोषणा ने अमेरिका को हतप्रभ करके रख दिया। उल्लेखनीय है कि चीन के रेयर मिनरल्स पर अमेरिकन मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की निर्भरता सर्वाधिक बनी रही है। उल्लेखनीय है कि चीन में ही 70 प्रतिशत रेयर मिनरल्स का उत्पादन किया जाता है। चीन द्वारा अमेरिका को सप्लाई किए जाने वाले रेयर मिनरल्स की उपयोगिता स्मार्टफोन से लेकर इलेक्ट्रिक वाहनों और आधुनिकतम उद्योगों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण रही है।

कोल्ड वॉर का नया दौर शुरू

चीन के इस कठोर कदम के बाद अमेरिका द्वारा ऑस्ट्रेलिया, मलेशिया और जापान आदि देशों के साथ अनेक समझौते अंजाम दिए गए हैं, ताकि चीन के अतिरिक्त भी अनेक देशों के मिनरल स्रोतों से अमेरिका के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को रेयर मिनरल्स निरंतर हासिल होते रह सकें। वैश्विक कूटनीति के अनेक प्रमुख जानकारों का विचार है कि अमेरिका और चीन दो मुख्तलिफ ध्रुवों पर खड़े हुए बुनियादी तौर पर धुर विरोधी चरित्रों के मुल्क हैं। विश्व पटल पर अघोषित तौर पर कोल्ड वॉर का दौर एक दफा फिर से शुरू हो चुका है। अघोषित कोल्ड वॉर में एक तरफ रूस, चीन, ईरान, उत्तरी कोरिया, वेनेजुएला, क्यूबा, दक्षिण अफ्रीका आदि अनेक देश हैं। दूसरी तरफ अमेरिका के नेतृत्व में नाटो सैन्य संगठन के यूरोपीय राष्ट्र हैं।

अतः अमेरिका और चीन के मध्य कोई भी समझौता स्थाई आकार कदाचित ले ही नहीं सकता। यह वस्तुतः एक अस्थाई संतुलनकारी व्यापारिक समझौता है। दोनों देश पहले से ही अगले व्यापारिक युद्ध की तैयारी में बाकायदा जुटे हुए हैं। विश्व पटल पर नव साम्रज्यवाद निरंतर जीवित बना रहा है। यह भी एक कटु सत्य है कि विश्व पटल पर अनेक बड़ी-बड़ी अर्थव्यवस्थाएं कायम हैं, जिनमें भारत की अर्थव्यवस्था भी शामिल हैं। प्रायः सभी देशों की अर्थव्यवस्थाएं परस्पर व्यापारिक टकरावों से थक चुकी हैं। अतः सारी दुनिया को लूट लेने की विनाशकारी हवस भी कायम बनी रही है। ताकतवर देशों की अंतहीन लालची हवस ने दुनिया को तीसरे विश्व युद्ध के कगार पर लाकर खड़ा कर दिया है। यदि तीसरा विश्व युद्ध घटित हुआ तो ना विजयी होने वाला देश बचेगा ना पराजित होने वाला देश बचेगा।

छत्तीसगढ़ के 25 साल कुछ सपने पूरे, कुछ बाकी

छत्तीसगढ़ राज्य को जन्मे पच्चीस वर्ष हुए। आनंद एवं आयोजन का दिन है, उसी तरह जैसे जन्मे बालक या बालिका के युवा अवस्था के प्राप्त कर लेने पर। वह युवा या युवती जो शारीरिक रूप से विकास को प्राप्त है। आकर्षक है और जिसने लगभग एक आवश्यक स्तर की शिक्षा भी प्राप्त कर ली है, लेकिन जिसकी जीवन यात्रा जिम्मेदारियों से भरी अब इसके बाद प्रारंभ होती है। इसके बाहु में बल है, ललाट में तेजस्व है, आंखों में सपने हैं मगर उसे बुद्धि और समझ की भी आवश्यकता है। इसी तरह हमारा राज्य युवा अवस्था को प्राप्त हो गया है। इसका शारीरिक विकास तो होता दिखा है लेकिन बहुत और की जरूरत है।

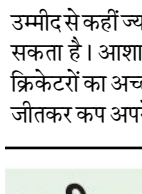

रविन्द्र कुमार श्रीवास्तव

इसकी यात्रा में अभी प्रथम चरण इसने पूरा किया है। यह इसकी यात्रा का आरंभ है, अंत नहीं। कुछ सपने पूरे हुए हैं, कुछ होने की राह में हैं और कुछ को पूरा होने में समय लगेगा। अगर मनोइच्छा है तो जरूर होंगे। मगर यह सपना आम आदमी को देखना होना होगा और उसे ही पूरा करना होगा। राजनैतिक एवं प्रशासनिक तंत्र तो केवल साधन मात्र हैं। उन पर निर्भरता आवश्यकता से अधिक व्यर्थ है एवं अनुचित भी। अगर हम चाहते हैं कि हमारे घर के साथ साथ, घर का बाहर एवं आसपास साफ़-सुथरा हो तो यह जिम्मेदारी हमें स्वयं लेनी होगी। बहरहाल, जब पच्चीस वर्ष का युवा बड़ा सफर आरंभ करने के पूर्व एक चौराहे पर खड़ा होता है तो उसे एक समावलोकन और आत्मचिंतन अवश्य करना चाहिए क्या हासिल किया और क्या करना है? मैं मानता हूं, मेरी तरह बहुत से लोग इस अवसर पर बहुत कुछ सोचते होंगे। ऐसा ही नहीं बल्कि और अच्छा भी सोचते होंगे। सोचने के अलावा चलिए आसपास देखें भी। एक हिस्से में सड़कें चौड़ी हो गई हैं मगर यातायात सुरक्षित नहीं है, नई ऊंची-ऊंची इमारतें खड़ी हो गई हैं, मगर घर नहीं है। जगमगाहट है, चकाचौंध है, बिजली की लेकिन दिव्य रौशनी नहीं है। एक वर्ग समृद्ध हुआ है। धनवान और अधिक धनवान हुआ है साथ बलवान भी हुआ है; प्रभावशाली है, शक्ति का केंद्र है, मगर बड़ी संख्या में अभागे लोग, अभी भी न्यूनतम जीवन स्तर को जीने के लिए सूनी आंखों से टकटकी लगाए बैठे हैं। उनकी आशा, निराशा में बदल रही है। बड़े-बड़े बाजार, शॉपिंग माल में महंगे ब्रांड के माल बिक रहे हैं वहीं छोटे-छोटे बाजार जहां ताजा फल सब्जियां मिलती हैं, उजड़ रहे हैं। कहीं एक वर्ग के लोग बड़े भोग विलास के साथ भोजन करते हैं और मजे की बात है, जो खाते हैं उससे अच्छा अपने पालतू श्वान को खिला देते हैं या बचा हुआ कूड़े में फेंक देते हैं। बहुत से लोग कहीं-कहीं हफ़्ते में लगने वाले हाट में नून चाउर ख़रीदकर गुजारा करने की कोशिश करते हैं। ऐसी दशा को मैं विकास नहीं मानता। इसे एक दुर्भाग्यपूर्ण पैराडॉक्स मानता हूं। ऐसा दृश्य मुझे वैसा ही लगता है जैसे अमीर पिता के धन का दोहनकर अक्सर उनके सपूत कपूत धन प्रदर्शन करते हुए शहरों एवं आसपास उछल कूद करते दिखते हैं। छत्तीसगढ़ में अपार नैसर्गिक प्राकृतिक धन संपदा है, कुछ लोग इसका दोहन अपनी धन संपदा के लिए करने में सफल हैं। वो लोग विकास का चेहरा नहीं हो सकते।

मैं मानता हूं राज्य के अंदर अधोसंरचना के विकास के अलावा, आम नागरिक का व्यक्तिगत बौद्धिक, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विकास आवश्यक है। समग्र रूप से हर व्यक्ति का जीवन स्तर विकसित होना चाहिए। गरीबी मुखमरी नाम लेने वाल भी कोई न हो। मैं चाहता हूं, राज्य एक समृद्ध संस्कृति का केंद्र बने। बौद्धिक क्षमता, सोच विचार की शक्ति बढ़े। सकारात्मक प्रतियोगिता का जज़्बा हर व्यक्ति के अंदर जागृत हो। मानवता के लिए कुछ कर गुजरने की आग अंदर जल उठे। उपलब्धियों के नए कीर्तिमान व्यक्ति विशेष के बनें। लोग व्यापारिक नहीं वैज्ञानिक बनें। सोच में विज्ञान का समावेश हो, अंधविश्वास का अंधेरा नहीं। जिनमें सामर्थ्य है वे समाज शोषक नहीं समाज सेवक बनें। राज्य में तंत्र हावी न हो बल्कि प्रजा के लिए प्रजा के अधीन हो। लोक नीतियों का निर्माण आम जनता की राय शुमारी से, उनकी भागीदारी से पारदर्शिता के साथ विशुद्ध मन एवं प्रण के साथ हो। हर सरकारी निर्णय का प्रयोजन लोभ लुभावन न हो; कुछ कठोर, अप्रिय निर्णय भी हों। लोकप्रियता की लालसा में सर्वहारा वर्ग का अहित न हो। तंत्र का मंत्र हो; अस्पताल, स्कूल, कॉलेज को धर्म स्थलों से अधिक महत्व मिले। धर्म और भक्ति के नाम पर स्मारक न बनाए जायें, प्रभु का वास किसी स्थान विशेष पर नहीं बल्कि हृदय में हो। आस्था की आजादी हो। धार्मिक रीतियों का अर्थ मन में पीड़ा प्रेम और करुणा हो और ये सब व्यक्ति पर छोड़ दिया जाए। उस पर भावना के तोल मोल में बोझ न लादा जाये।

-लेखक वरिष्ठ अधिवक्ता हैं।

अमेरिका से चीन निर्यात

12 लाख करोड़ ट्रेड

- एयरोस्पेस उत्पाद और पुर्जे
- मूलभूत रसायन
- कोयला और पेट्रोलियम गैस
- संचार और सेवा उद्योग मशीनरी
- कंप्यूटर उपकरण
- विद्युत उपकरण
- विद्युत उपकरण और सामान
- इंजन और टर्बाइन
- फल और सूखे मेवे
- सामान्य प्रयोजन मशीनरी
- औद्योगिक मशीनरी
- समुद्री उत्पाद
- मांस उत्पाद
- चिकित्सा उपकरण और आपूर्ति
- विविध फसलें
- विविध निर्मित धातु उत्पाद
- विविध निर्मित वस्तुएं
- मोटर वाहन पुर्जे
- मोटर वाहन
- नेविगेशनल और मापन उपकरण
- अलौह धातु उत्पाद
- तेल और गैस
- तिलहन और अनाज
- फार्मास्युटिकल उत्पाद और दवाएं
- प्लास्टिक उत्पाद व अन्य

कार्टूनिस्ट की नजर में...

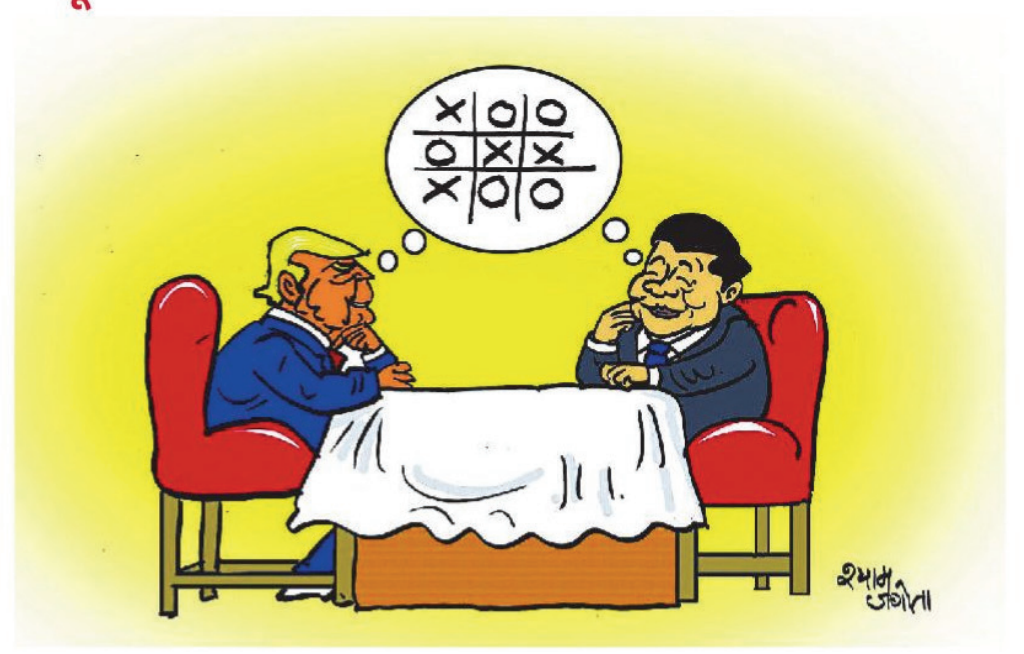

चीन से अमेरिका निर्यात

36.8 लाख करोड़ ट्रेड

- इलेक्ट्रॉनिक्स : स्मार्टफोन, कंप्यूटर, टेलीविजन, और अन्य उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक सामान
- मशीनरी : औद्योगिक मशीनें, उपकरण, और यांत्रिक पार्ट्स
- कपड़े और टेक्सटाइल : कपड़े, जूते, और अन्य वस्त्र उत्पाद
- खिलौने और खेल का सामान : बच्चों के खिलौने, गेमिंग उपकरण, और खेल से संबंधित उत्पाद
- फर्नीचर : बेड, सोफा, टेबल, और अन्य घरेलू फर्नीचर
- प्लास्टिक और रबर उत्पाद : रोजमर्रा के उपयोग की वस्तुएं जैसे कंटेनर, पैकेजिंग सामग्री आदि
- ऑटोमोबाइल पार्ट्स : वाहनों के लिए कलपुर्जे और सहायक उपकरण

2023 के आंकड़ों के अनुसार, चीन से अमेरिका को होने वाला कुल निर्यात लगभग 500 अरब डॉलर से अधिक का था। ये उत्पाद सस्ती कीमत और बड़े पैमाने पर उत्पादन की वजह से अमेरिकी बाजार में लोकप्रिय हैं।

गरीब की दीपावली... आत्मनिर्भरता एवं गरीब कल्याण

विचार

शिवप्रकाश

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी पिछले 3-4 माह पूर्व से स्वदेशी एवं आत्मनिर्भरता को अपनाने का आग्रह देशवासियों से कर रहे हैं। वैसे तो 2014 में उनकी सरकार बनने के बाद उन्होंने 'मेक इन इंडिया','मेक फॉर वर्ल्ड' जैसे संकल्पों के आधार पर भारत को विदेशी निर्भरता कम करने एवं आत्मनिर्भरता अपनाने का मंत्र दिया था। इसी क्रम को आगे बढ़ाते हुए कोरोना काल में 'वोकल फॉर लोकल' का उद्घोष भी उन्होंने किया। विश्व में अस्थिर होती अर्थव्यवस्थाओं का परिणाम भारत पर भी पड़ेगा, इस दूरदृष्टि के आधार पर उन्होंने स्वदेशी एवं आत्मनिर्भरता को अपनाने का संकल्प पुनः देशवासियों के सम्मुख दोहराया। 15 अगस्त के अपने भाषण "मन की बात" तथा अलग-अलग स्थानों पर होने वाले अपने कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जीने अलग-अलग प्रकार से स्वदेशी का आह्वान किया।

देश भर में 2-3 माह का यह समय उत्सवों का कालखंड रहता है। गणेश उत्सव, विजयदशमी, दीपावली, छठ पूजा एवं उससे जुड़े अनेक धार्मिक उत्सव, कुछ प्रदेशों में उनके अपने नव वर्ष का प्रारंभ, मुस्लिम समाज में मनाया जाने वाला ईद जैसे त्यौहार समाज में उत्साह एवं उमंग का संचार करते हैं। घरों में प्रकाश, परस्पर शुभकामनाओं के लिए भेंट, मिष्ठान वितरण, नए वस्त्रों का पहनना एवं एक दूसरे को उपहार देना समाज का स्वाभाविक चलन है। इस कालावधि में 2 अक्टूबर महात्मा गाँधी जी की जयंती खादी दिवस के रूप में भी मनायी जाती है। समाज की यह परंपरा एवं उत्साह स्वदेशी एवं आत्मनिर्भरता का आधार बने इसके लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने आह्वान किया कि 'नया समान स्वदेशी ही खरीदेंगे, घर सजाएंगे स्वदेशी से, जिंदगी बढ़ाएंगे स्वदेशी से।' एक दूसरे स्थान पर उन्होंने कहा कि गणेशोत्सव में स्वदेशी उत्पाद, उपहार वही जो भारत में बना हो, पहनावा वही जो भारत में बुना हो, सजावट वही जो भारत में बने सामान से हो,रोशनी वही जो भारत में बने सामान से हो। श्रम एवं श्रमिक वर्ग को महत्त्व प्रदान करते हुए उन्होंने कहा कि 'पैसा किसी का सामान हमारा, जो प्रोडक्शन होगा उससे महक मेरे देश की मिट्टी की होगी, मेरे भारत माँ की होंगी।'

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का यह आह्वान केवल भावनात्मक नहीं, इसके पीछे समाज के आर्थिक एवं सामाजिक दृष्टि से पिछड़े समाज के आर्थिक सशक्तिकरण का ही था। प्राचीन भारतीय समाज एक स्वावलंबी इकाई के स्वरूप में कार्य करता था एवं प्रत्येक वर्ग का कार्य भी परंपरा के रूप में निर्धारित था। महात्मा गांधी जी ने हिंद स्वराज पुस्तक में इसका उल्लेख भी किया है। इन त्योहारों में उपयोग होने वाली आवश्यक वस्तुओं का यदि हम अध्ययन करते हैं तब हमको

स्मरण आएगा कि यह समाज के जनसंख्या की दृष्टि से अधिकतम वर्ग अति पिछड़ा एवं दलित वंचित-समाज द्वारा निर्मित होते हैं। यह वर्ग पिछड़े वर्ग का 50% से भी अधिक भाग है। जैसे दीपावली पर उपयोग होने वाले दीपक, खादी एवं हथकरघा की बनी वस्तुएं, मोमबत्ती, पटाखे, पुष्प मालाएं, खिलौना, पूजा की सामग्री, जूते, आभूषण, ज्वेलरी, मिष्ठान आदि सामानकुम्हार (प्रजापति),चर्मकार ,कुटीर एवं लघु उद्योगों में कार्य करने वाली महिलाएं, छोटे कारीगर,जनजाति समाज द्वारा वनोपज से निर्मित स्थानीय उत्पाद, ज्वेलरी बिकती है बड़े प्रतिष्ठानो में पर उसके निर्माण में लगने वाले स्थानीय कारीगर एवं कारीगरी के लिये जाने वाले बंगाल के शिल्पकार संपूर्ण देश में मिलते हैं। छोटे-छोटे उत्पादो को ठेले, रेहड़ी-पटरियों पर बेचकर अपना अर्थोपार्जन करने वालो का त्यौहार इसी आमदनी से मनाया जाता है। कलांतर में यह सभी समान विदेशों से आयात होने के कारण, गरीब का रोजगार छिन गया। खिलौने, झालर, पटाखे एवं साज-सज्जा के सभी समान पर विदेशी बाजार का कब्जा हो गया, जिसके कारण गरीब की दीपावली भी गरीबी में चली गयी।

दीपावली 2025 के अब तक के सीएआईटी (कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स) के सर्वेक्षण के अनुसार 5.40 लाख करोड़ का व्यवसाय व्यापारिक गतिविधियों के द्वारा हुआ जो कि 2024 में कुल 4.25 लाख करोड़ था। व्यापार में 25 % की वृद्धि गत वर्ष की तुलना में हुई। सहकार एवं कृषि क्षेत्र के बिना भी यह 9 करोड़ छोटे-छोटे व्यावसायिक इकाइयों का प्रतिनिधित्व करती है। सेवा क्षेत्र (सर्विस सेक्टर)में भी 65,000 करोड़ का व्यवसाय किया गया है।72% व्यापारी मानते हैं कि व्यापार में यह उछाल जीएसटी की कमी के कारण आया है। 87% खरीदारों ने स्वदेशी सामान खरीदकर मोदी जी के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की है। अनुमान के अनुसार 50 लाख लोगों को अल्पकालिक रोजगार भी उपलब्ध हुआ है। कुल बिक्री में छोटे-छोटे शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों का 28% योगदान है। केंद्र सरकार द्वारा चालित कुम्हार सशक्तिकरण प्रोग्राम, वस्त्र उद्योग, धातु-काम कारीगर, लकड़ी कारीगर, बांस उद्योग आदि को एमएसएमई द्वारा प्रोत्साहन भी मिला है।

ताजा बाजार एनालिटिक्स रिपोर्ट के अनुमान के अनुसार भारत का फेस्टिवल सीजन कंज्यूमर खर्च 12 से 14 लाख करोड़ होगा। प्रधानमंत्री जी के आह्वान खादी फॉर नेशन, खादी फॉर फैशन (**Khadi for Nation**, **Khadifor Fashion**) के कारण 2104 की तुलना में खादी की बिक्री में 447%बढ़ी है। 2014 में यह बिक्री 3154 करोड़ की तुलना में 2025 में1.71 लाख करोड़ हुई है। इस वृद्धि के कारण 10 लाख से अधिक खादी के क्षेत्र में नए रोजगार सृजित हुए है।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने अपने चिंतन में अंत्योदय (गरीब कल्याण) को ही प्रमुख स्थान दिया है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के आह्वान का परिणाम है कि यह दीपावली समाज के सभी वर्गों में उत्साह के साथ- साथ पिछड़े,दलितों एवं महिलाओं को सशक्तिकरण एवं रोजगार देने वाले बनी है। त्यौहार से अर्जित राशि बाजार की क्रय शक्ति को बढ़ाएगी जिससे हमारी अर्थव्यवस्था मजबूत होगी, जिसके कारण दुनिया के सभी कुचक्रों का प्रतिकार हम कर सकेंगे। अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए स्वदेशी एवं आत्मनिर्भरता केवल कुछ अवसर पर नहीं बल्कि हमारे जीवन का स्थायी मंत्र बनना चाहिए।

- लेखक भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री हैं।

खबर संक्षेप

नारकंडा के पास खाई में गिरा वाहन, 29 घायल

शिमला। नारकंडा के पास शनिवार रात एक टेंपो ट्रैवलर खाई में गिर गई। ट्रैवलर में 32 लोग

सवार थे। हादसे में 29 घायल हुए हैं, जिनमें से 17 को आईजीएमसी रेफर कर दिया है। अन्य का उपचार कुमारसैन अस्पताल में चल रहा है। घायलों में बच्चे और महिलाएं भी शामिल हैं। लोग रिकांगपिओ से नेपाल जा रहे थे।

ओडिशा एसआई भर्ती घोटाले का प्रमुख अरेस्ट

भुवनेश्वर। ओडिशा पुलिस की सीआईडी-क्राइम ब्रांच ने सब-इंस्पेक्टर भर्ती घोटाले के मुख्य

आरोपी और कथित मास्टरमाइंड शंकर प्रुष्टि को भारत-नेपाल सीमा से गिरफ्तार कर लिया है। फरार चल रहे प्रुष्टि को उत्तराखंड पुलिस की मदद से पकड़ा गया और रविवार सुबह ट्रांजिट रिमांड पर भुवनेश्वर लाया गया।

धारा-पोरिए गांव में पहली बार जला बल्ब, लोग खुश

शिमला। सैंज घाटी का दुर्गम गांव धारा-पोरिए। यहां रात का मतलब अब तक सिर्फ अंधेरा था। तीन

पीढ़ियां मोमबत्ती, लालटेन और सूरज की रोशनी के सहारे जिंदगी चलाती रहीं।

बिहार विधानसभा चुनाव पर कानपुर में बोले सीईसी ज्ञानेश कुमार

हिंसा बर्दाश्त नहीं, आयोग के लिए सभी दल एक समान, पारदर्शिता का दिलाया भरोसा

देश के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार कार्यक्रम में पहुंचे, जिन्होंने बिहार चुनाव पर बात की। उन्होंने कहा बिहार चुनाव में, राजनीतिक दल अपने-अपने तरीके से चुनाव लड़ रहा है और मतदाताओं से अपील कर रहा है।

एजेंसी ▶▶ कानपुर

कानपुर में माथुर वैश्य समाज की ओर से आर्य नगर स्थित स्पोर्ट्स हब में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार भी पहुंचे, जिन्होंने बिहार चुनाव पर बात की। उन्होंने कहा कि बिहार चुनाव में, हर राजनीतिक दल अपने-अपने तरीके से चुनाव लड़ रहा है और मतदाताओं से अपील कर रहा है। मैं एक बार फिर स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि चुनाव आयोग के लिए कोई सत्ता पक्ष या विपक्ष नहीं है। सभी समान हैं।छ मैं बिहार के सभी मतदाताओं से अपील करता हूं। चुनाव के इस उत्सव को हम सब मिलकर मनाएं और वोट डालने जरूर आएं।चुनाव आयोग यह स्पष्ट करना चाहता है कि हिंसा के प्रति उसकी जीरो टॉलरेंस नीति है। हिंसा की कोई भी कार्रवाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी और आम मतदाता अपनी इच्छानुसार शांतिपूर्वक और पारदर्शी तरीके से मतदान कर पाएं। चुनाव आयोग इसके लिए पूरी तरह तैयार है। बिहार के ये चुनाव न केवल पारदर्शिता, बल्कि दक्षता, सादगी और उत्सवपूर्ण माहौल का उदाहरण बनेंगे।

हमारे लिए कोई सत्तापक्ष या विपक्ष नहीं

माथुर वैश्य समाज की ओर से आर्य नगर स्थित स्पोर्ट्स हब में सम्मान समारोह

कानपुर। आयोजन में सीईओ ज्ञानेश कुमार ने शिरकत की।

बिहार में चुनावी बवाल पर भड़के

बिहार में आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने साफ और सशक्त संदेश दिया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि चुनाव आयोग किसी भी राजनीतिक दल के साथ पक्षपात नहीं करता। सभी दल उसके लिए एक समान हैं। इस अपील के जरिए आयोग ने शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और उत्सवपूर्ण मतदान की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। ज्ञानेश कुमार ने स्पष्ट शब्दों में कहा, 'बिहार चुनाव में हर राजनीतिक दल अपने-अपने अंदाज में प्रचार कर रहा है और मतदाताओं से अपील कर रहा है। मैं दोबारा साफ कर देना चाहता हूं कि चुनाव आयोग के लिए न सत्ता पक्ष है, न विपक्ष। सभी पार्टियां बराबर हैं।' यह बयान राजनीतिक दलों के बीच बढ़ती तनातनी के बीच आयोग की निष्पक्षता को रेखांकित करता है।

मतदाताओं से की विशेष अपील

चुनाव को उत्सव बनाएं, वोट जरूर डालें

मुख्य चुनाव आयुक्त ने बिहार के सभी मतदाताओं से दिली अपील की कि वे लोकतंत्र के इस पर्व को पूरे उत्साह से मनाएं। उन्होंने कहा कि मैं बिहार के हर मतदाता से अनुरोध करता हूं । आइए, चुनाव के इस उत्सव को हम सब मिलकर सजाएं और वोट डालने जरूर पहुंचें।' कुमार को पूरा विश्वास है कि लोग बड़ी तादाद में मतदान केंद्रों पर आएंगे। उन्होंने कहा कि 'मुझे उम्मीद है कि मतदाता भारी संख्या में वोट डालेंगे।

हिंसा पर जीरो टॉलरेंस कोई समझौता नहीं

चुनाव आयोग ने हिंसा के खिलाफ अपनी सख्त नीति को दोहराया। ज्ञानेश कुमार ने चेतावनी दी कि आयोग की हिंसा के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति है। कोई भी हिंसक घटना बर्दाश्त नहीं की जाएगी। आम मतदाता शांतिपूर्ण, पारदर्शी और अपनी मर्जी से वोट डाल सके, यही हमारा लक्ष्य है। यह कदम चुनावी सरगर्मियों के बीच सुरक्षा और शांति सुनिश्चित करने की दिशा में अहम है।

चुनाव पूरी तरह तैयार: पारदर्शिता और दक्षता का विश्व उदाहरण

ज्ञानेश ने बताया कि बिहार चुनाव न सिर्फ पारदर्शी होंगे, बल्कि दक्ष, सरल और उत्सवपूर्ण माहौल वाले भी। ये चुनाव पारदर्शिता, दक्षता, सादगी और उत्साह का मिसाल बनेंगे न सिर्फ भारत के लिए, बल्कि पूरी दुनिया के लिए। आयोग ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं ताकि मतदान प्रक्रिया बिना किसी रुकावट के संपन्न हो।

बढ़ती सरगर्मियां और आयोग की प्रतिबद्धता

बिहार में राजनीतिक दलों के बीच मुकाबला जोरदार है। एनडीए और महागठबंधन समेत सभी पार्टियां जोर-शोर से प्रचार में जुटी हैं। ऐसे में चुनाव आयोग की यह अपील मतदान प्रतिशत बढ़ाने और हिंसा रोकने के लिए बेहद अहम है।

बिहार एक बार फिर लोकतंत्र का शानदार उत्सव मनाएगा

इस चुनावी मौसम में बिहार के मतदाताओं की भागीदारी ही राज्य की नई राजनीतिक दिशा तय करेगी। चुनाव आयोग की मजबूत तैयारियों और अपील से उम्मीद जगी है कि बिहार एक बार फिर लोकतंत्र का शानदार उत्सव मनाएगा।

पूर्व सीजेआई रमना का बड़ा खुलासा

मुझे मजबूर करने परिवार पर दर्ज कराए गए थे केस

एजेंसी ▶▶ भुवनेश्वर

पूर्व सीजेआई एनवी रमना ने वीआईटी-एपी यूनिवर्सिटी के 5वें कॉन्वोकेशन में कहा कि आप सभी जो यहां मौजूद हैं, आप में से ज्यादातर लोग जानते हैं कि कैसे मेरे परिवार को टारगेट किया गया और उनके खिलाफ क्रिमिनल केस दर्ज किए गए। यह सब सिर्फ मुझे मजबूर करने के लिए किया गया था, और मैं अकेला नहीं था।

पूर्व चीफ जस्टिस ने कहा है कि उन्हें मजबूर करने के लिए उनके परिवार के सदस्यों के खिलाफ केस दर्ज किए गए थे। जस्टिस रमना ने पिछली वाईएसआरसीपी सरकार का नाम लिए बिना कहा कि न्यायपालिका के वे सदस्य भी जिन्होंने संवैधानिक सिद्धांतों का पालन किया, उन्हें दबाव और जुल्म का सामना करना पड़ा। जिन जजों की कोई भूमिका नहीं थी, उनके परिवार राजनीतिक संगठनों के लिए जमानती बन गए।

कोर्ट और कानून का राज स्टेबिलिटी का सहारा बने

उन्होंने कहा कि ऐसे समय में, जब कई पॉलिटिकल लीडर कोई स्टैंड लेने या चुप रहने में हिचकिचा रहे थे, यह देश के जज, वकील और कोर्ट थे जो अपने कॉन्टिट्यूशनल वादे पर डटे रहे। सरकारें भले ही बदल जाएं, कोर्ट और कानून का राज स्टेबिलिटी का सहारा बने रहते हैं। और कानून का राज तभी बचता है जब लोग पब्लिक में अपना भरोसा दिखाते हैं, सुविधा के लिए अपनी ईमानदारी छोड़ने से मना करते हैं। अमरावती से अपने जुड़ाव को याद करते हुए कहा कि मैं अमरावती के किसानों के जज्बे को सलाम करता हूं, जिन्होंने हिम्मत से सरकारी सिस्टम की ताकतों का सामना किया। मुझे किसानों के संघर्ष से बहुत प्रेरणा मिलती है। मैं उन्हें ज्यूडिशियल सिस्टम और डेमोक्रेटिक प्रोसेस पर भरोसा दिखाने के लिए भी धन्यवाद देता हूं। आंध्र प्रदेश

किसानों के मुद्दों पर डराया गया

मैं अकेला नहीं था। उस मुश्किल दौर में, किसानों के मुद्दे से हमदर्दी रखने वाले सभी लोगों को डराया-धमकाया गया और जबरदस्ती का सामना करना पड़ा। जस्टिस रमना उस समय की वाईएस जगन मोहन रेड्डी सरकार के खिलाफ किसानों के आंदोलन का जिक्र कर रहे थे, जिसमें आंध्र प्रदेश की अकेली राजधानी अमरावती को खत्म करके '3 राजधानियों' का फॉर्मूला अपनाया गया था, जिसमें विशाखापत्तनम एडमिनिस्ट्रेटिव राजधानी, अमरावती-लेजिस्लेटिव राजधानी और कुरनूल-ज्यूडिशियल राजधानी होगी।

दो बाइकों की टक्कर में दो युवकों की मौत परिजनों में मचा कोहराम

संवाददाता

अमेठी के गौरीगंज-मुसाफिरखाना मार्ग पर राजगढ़ के पास शनिवार रात दो बाइकों की आमने-सामने की टक्कर हो गई। इस हादसे में किराना व्यापारी उदय गुप्ता और कौहार गांव निवासी संदीप अग्रहरी की मौत हो गई। वहीं, दो अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनका इलाज एम्स रायबरेली में चल रहा है।मृतकों में गौरीगंज के विशुनदासपुर निवासी 28 वर्षीय उदय गुप्ता शामिल थे, जो गौरीगंज में किराना दुकान चलाते थे। दूसरे मृतक 30 वर्षीय संदीप अग्रहरी कौहार गांव के निवासी थे। घायलों में संदीप के साथ बाइक पर सवार 16 वर्षीय अभिषेक पुत्र शिवप्रसाद और 18 वर्षीय अनुराग पुत्र सुशील शामिल हैं। जानकारी के अनुसार, उदय गुप्ता गौरीगंज में अपनी किराना दुकान बंद कर घर लौट रहे थे। जब वे राजगढ़ गांव के पास पहुंचे, तो सामने से आ रही संदीप अग्रहरी की बाइक से उनकी जोरदार टक्कर हो गई।

हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने एम्बुलेंस की मदद से सभी घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने संदीप अग्रहरी को मृत घोषित कर दिया। उदय गुप्ता, अभिषेक और अनुराग की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें एम्स रायबरेली रेफर किया गया।इलाज के दौरान उदय गुप्ता ने भी दम तोड़ दिया। घटना की सूचना पर परिजन अस्पताल पहुंचे। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। इंस्पेक्टर श्याम नारायण पांडेय ने बताया कि परिजनों की ओर से अभी कोई तहरीर नहीं मिली है, लेकिन जिला अस्पताल से प्राप्त मेमो के आधार पर पंचायतनामा और पोस्टमॉर्टम की कार्रवाई पूरी की गई है।प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक बाइक सवारों ने हेलमेट नही पहना था।

अमेठी में 150 से अधिक पुलिसकर्मियों का तबादला

3 साल से एक ही थाने पर तैनात थे सिपाही, एसपी ने किया बदलाव

संवाददाता

अमेठी में पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक ने कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से 150 से अधिक पुलिसकर्मियों के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया है।इनमें कांस्टेबल, हेड कांस्टेबल और महिला कांस्टेबल शामिल हैं, जो पिछले तीन सालों से एक ही थाने में तैनात थे।यह बदलाव बड़े पैमाने पर किया गया है, जहां एक-एक थाने से 15 से अधिक

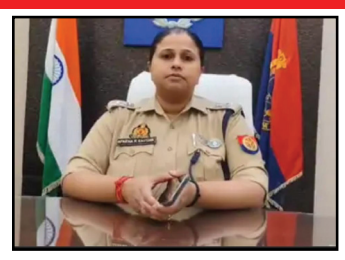

सिपाहियों को अलग-अलग थानों में भेजा गया है। इसके अतिरिक्त, पैरोंकारों के कार्यक्षेत्र में भी परिवर्तन किया गया है।अमेठी कोतवाली से 18 सिपाहियों को जिले के विभिन्न थानों में स्थानांतरित किया गया है। गौरीगंज थाने से 18 कांस्टेबल और महिला कांस्टेबल को नई तैनाती मिली है, जबकि मुंशीगंज थाने से 11 कांस्टेबल और महिला कांस्टेबल को दूसरे थानों में भेजा गया है। जामो थाने से भी 11 कांस्टेबल और महिला कांस्टेबल का तबादला किया गया है।पीपरपुर थाने से 13 और संग्रामपुर थाने से सात पुलिसकर्मियों को अन्य थानों में भेजा गया है। रामगंज थाने से 7 और मुसाफिरखाना थाने से 13 पुलिसकर्मियों के कार्यक्षेत्र में भी बदलाव हुआ है।जगदीशपुर थाने से 12 और कमरौली थाने से 9 पुलिसकर्मियों को अलग-अलग थानों में तैनात किया गया है। बाजार शुकुल थाने से 9 और मोहनगंज थाने से 11 पुलिसकर्मियों को दूसरे थानों में भेजा गया है शिवरतनगंज से चार, जायस और फुरसतगंज थानों से पांच-पांच पुलिसकर्मियों को भी अन्य स्थानों पर तैनाती दी गई है।

नाम परिवर्तन सूचना

मैं सीमा धारा (SEEMA DHARA) आ० सपन धारा नि०ग्रा० बिशुनपुर, थाना सीतापुर, तह० बतौली, जिला सरगुजा (छ०ग०) की निवासी हूँ। मेरा वास्तविक एवं असली नाम सीमा धारा है जो मेरे आठवीं की अंकसूची में अंकित है जो सत्य एवं सही है। मेरे नाम से आधार कार्ड बना है उसमें मेरा नाम रशिदा बानो अंकित है जो गलत अंकित हो गया है जबकि मेरा असली नाम सीमा धारा (SEEMA DHARA) है जो सही नाम है।

मेरे नाम से जो आधार कार्ड बना है उसमें मेरा नाम रशिदा बानो (RASHIDA BANO) अंकित है उसे सुधारकर असली नाम सीमा धारा (SEEMA DHARA) अंकित करना चाहती हूँ।

भवदीय

सीमा धारा (SEEMA DHARA)

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांक:202508020700082

विषयः-ब-121

मामले की श्रेणीः राजस्व

नमना कला प.ह.न. 00020 [(हे0)]

पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार बसंत गुप्ता, अनावेदक पक्षकार छ०ग० शासन,

सनः-2024-2025

ईश्तहार

आवेदक बसंत गुप्ता पिता स्व० मथुरा प्रसाद व अन्य, निवासी देवीगंज वार्ड, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग०) के द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर बताया गया है कि आवेदक क्रमांक ०1 के स्वामित्व एवं आधिपत्य की ग्राम नमनाकला स्थित खसरा नंबर 157/431 रकबा 0.405 हे0 में से रकबा 0.040 हे० भूमि का व्यपवर्तन कराया गया है, किन्तु उक्त भूमि के संपूर्ण रकबा में व्यपवर्तित अंकित हो गया है।इसी प्रकार आवेदक क्रमांक 02 के नाम से दर्ज भूमि खसरा नंबर 157/433 रकबा 0.388 हे0 में से रकबा 0.162 हे0 भूमि को व्यपवर्तित कराया गया है, किन्तु उक्त भूमि के संपूर्ण रकबा में त्रुटिवश व्यपवर्तित अंकित हो गया है। आवेदकगण के द्वारा व्यपवर्तित किये गये भूमि को छोडकर शेष भूमि को कृषि भूमि के रूप में अंकित किये जाने हेतु आवेदन पत्र अनुविभागीय अधिकारी महोदय अम्बिकापुर के समक्ष में प्रस्तुत किया गया है. जो जाँच प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 26.09.2025 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 01/09/2025 को जारी किया जाता है।

तहसीलदार

तहसील- अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार, उदयपुर जिला सरगुजा (छ०ग०)

:: ईश्तहार ::

रा०प्र०क्र०/अ-21/2024-25

ग्राम सायर प०ह०नं० 20, उदयपुर

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदकगण चाटू राम एवं अन्य 03 सभी जाति मझवार, निवासी ग्राम सायर, तहसील उदयपुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०) के द्वारा ग्राम-सायर, तहसील उदयपुर स्थित सामिलात खाते की भूमि कुल ख0न0 17 कुल रकबा 3.480 हे0 भूमि में से खसरा नंबर 406, 407 कुल प्लाट 02, कुल रकबा 0.907 हे० भूमि को अनावेदक भुकेश पैकरा आ० इन्दसाय पैकरा, जाति कंवर, निवासी ग्राम उदयपुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०) को विक्रय करने का सौदा राशि रू0 6,00,000.00 (शब्दों में छः लाख रुपए) मात्र में तय कर बतौर अग्रिम राशि रू0 3,00,000.00 (शब्दों मे तीन लाख रूप्ये) मात्र प्राप्त कर लिये है। आवेदकगण द्वारा आवेदित भूमि को विक्रय करने की अनुमति प्रदान करने हेतु आवेदन मय शपथ पत्र, बी-1, अनुबंध पत्र, भूमि विक्रय अनुबंध पत्र की छायाप्रति, आधार कार्ड की छायाप्रति एवं अन्य दस्तावेज सहित न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा०), उदयपुर के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जिसमें जांच कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति / संस्था को कोई आपत्ति हो तो स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेषी तिथि 29/10/2025 के पूर्व इस न्यायालय में दावा / आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के उपरान्त किसी भी प्रकार का दावा/आपत्ति प्राप्त होने पर विचार नहीं किया जावे। आज दिनांक 13/10/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा द्वारा जारी।

तहसीलदार

उदयपुर, सरगुजा

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः 202509021200057

विषयः- अ-6

मामले की श्रेणीः राजस्व

सनः- 2024-2025

अंबिकापुर प.ह.न. 00015 [(हे0)]

पक्षकारों का विवरण- आवेदक पक्षकार- मुशा खान व अन्य 07,

अनावेदक पक्षकार- छ०ग० शासन,

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदकगण मुशा खान आ०स्व० इस्माईल, निवासी बरेजपारा अम्बिकापुर वगैरह के द्वारा तदाशय का आवेदन पेश किया गया है. कि आवेदकगण के पिता/दादा इस्माईल पिता अत्ती बक्स पठान के स्वामित्व व हक की नगर अम्बिकापुर शीट नं 08 मोहल्ला बरेजपास स्थित नजूल भूमि भू०ख०क्र० 2653/1, 2654/1 रकबा क्रमशः 0.03, 0.001/2 एकड़ भूमि है। भूधारक इस्माईल की मृत्यु दिनाक 08/11/2008 को हो गई है। अतः भूधारक की मृत्यु हो जाने उपरांत उक्त वादभूमि से मृत्तक भूधारक का नाम विलोपित कर स्वयं का नाम दर्ज कराने हेतु आवेदकगण द्वारा भूधारक के मृत्यु प्रमाण पत्र की छायाप्रति मय दस्तावेज सहित आवेदक छल्ग० भू राजस्व संहिता के अंतर्गत धारा 109, 110 के तहत आवेदन पेश किया गया है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को दावा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा आपत्ति स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 12/11/2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं, निर्धारित तिथी के पश्चात प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 12/09/2025 को जारी किया जाता है।

नजूल अधिकारी

अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा०प्र०क्र० // अ-20 (3)/2024-25

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक अशोक कुमार गुप्ता पिता स्व० कन्हैया लाल गुप्ता, प्रदीप कुमार गुप्ता पिता अशोक कुमार गुप्ता दोनो जाति सौण्डिक निवासी गुदरी चौक अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग० के द्वारा अपने संयुक्त स्वामित्व की मोहल्ला केदारपुर नगर अम्बिकापुर, शीट नम्बर-8 स्थित नूजल प्लाट नम्बर 1139/3, 1139/8 रकबा कमशः 0.17,3/4, 0.09,3/4 एकड़ भूमि एवं मकान को रूपयों की आवश्यकता होने के कारण बैंक में बंधक रखने की अनापत्ति हेतु आवेदन पत्र मय शपथ पत्र, मेंटनेंस खसरा की छायाप्रति के साथ पेश किया गया है। उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 29/10/2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांक 13/10/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा द्वारा जारी।

नजूल अधिकारी,

अम्बिकापुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) / सक्षम प्राधिकारी, सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

रा.प्र.क्र./अ-2/2024-25

-:: ईश्तहार ::-

एतद् द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम शिवनंदनपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती वंदना जायसवाल पति श्री प्रभात जायसवाल, जाति कलार, निवासी ग्राम शिवनंदनपुर, तहसील लटोरी, जिला सूरजपुर (छ.ग.) द्वारा उनके स्वत्व एवं अधिपत्य की भूमि ग्राम शिवनंदनपुर, प.ह.नं. 02, रा.नि.मं. विश्रामपुर, तहसील लटोरी स्थित भूमि खसरा क्रमांक 444/1 रकबा 0.040 हे. कृषि भूमि को आवासीय प्रयोजन में व्यपवर्तन किये जाने का आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतएव इस सम्बन्ध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 12-11-2025 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। उसके पश्चात्प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 30/10/2025 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

विशेष कर्त्तव्याधिकारी

भूमि व्यपवर्तन, सूरजपुर

न्यायालय तहसीलदार, रामानुजगंज जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज (छ०ग०)

क्रमांक/1663/ वाचक / तह./2025

रामानुजगंज दिनांक 15/10/2025

ईश्तहार

एतद् द्वारा आम जनता ग्राम कनकपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदक तबारक अली आ० मो० अली हुसैन निवासी ग्राम कनकपुर थाना व तहसील रामानुजगंज जिला बलरामपुर-रामानुजगंज (छ०ग०) के द्वारा के पुत्र सलमान सैफ के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए आय एवं संपत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। यदि उक्त जाच बिन्दु में वर्णित तथ्य के संबंध में जिस किसी व्यक्ति को किसी प्रकार का कोई दावा/आपत्ति हो तो वह स्वयं या अपने अभिभावक के माध्यम से दिनांक-07/11/2025 को अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। उक्त नियत समयावधि के पश्चात प्रस्तुत दावा/आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक-14/10/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

तहसीलदार

रामानुजगंज

जिला-बलरामपुर रा.गंज (छ०ग०)

पीएम-सीएम से पॉल्यूशन पर बोलीं प्रियंका

राजनीतिक मजबूरियों से ऊपर उठकर एकजुट हों 'माननीय'

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने प्रदूषण को लेकर चिंता जताई है।

प्रियंका ने कहा कि पहले वायनाड और फिर बिहार के बछवाड़ा से दिल्ली की हवा में लौटना वाकई परेशान करने वाला है। इस शहर को प्रदूषण ने मानो उस पर एक धुएं और ग्रे रंग का चादर डाल दिया हो। आगे उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि हम सब अपनी राजनीतिक मजबूरियों की परवाह किए बिना एकजुट होकर प्रदूषण के बारे में कुछ कदम उठाएं।

प्रियंका ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार को तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए। इस भयावह स्थिति को कम करने के लिए वे जो भी कदम उठाएंगे, हम सब उनका समर्थन और सहयोग करेंगे। साल दर साल दिल्ली के नागरिक इस जहरीलेपन का शिकार होते हैं। इस गंदी धुंध को दूर करने के लिए तुरंत काम करने की जरूरत है। प्रियंका ने इस मामले पर तुरंत कदम उठाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, सीएम रेखा गुप्ता से अपील की है।

कुछ शब्दों तक सिमटी किशोर-युवाओं की बातचीत

घर, ऑफिस, कॉलेज हो या कोई पार्टी जहां कहीं भी किशोर या युवा आपस में बातचीत करते हैं, तो अधिकतर अंग्रेजी के कुछ शब्दों तक ही सिमटे रहते हैं। मातृभाषा संस्कार और क्षेत्रीयता का सोंधापन उसमें से नदारद रहता है। नई तकनीकी का हस्तक्षेप, विदेशी जीवनशैली और आधुनिकता के अंधानुकरण जैसी कई वजहें इसके लिए जिम्मेदार हैं। इससे जुड़े तमाम पहलुओं पर एक नजर।

कवर स्टोरी
लोकमित्र गौतम

एक जमाना था, जब संयुक्त परिवारों में रहने वाले बच्चे किशोरावस्था में ही ऐसे मुहावरे और कहावतें दोहराने लगते थे, जो आज के किशोरों के मुंह से सुनने को मिलें तो निश्चित रूप से आश्चर्य हो- जैसे कि 'नहले पे दहला' और 'सौ सुनार की एक लुहार की।' ये कहावतें या मुहावरे अभी एक-डेढ़ दशक पहले तक किशोरों के मुंह से सुनना आश्चर्य की बात नहीं होती थी। लेकिन अगर आज की बात करें तो किशोरों के पास अंग्रेजी के कुछ गिने-चुने शब्द ही होते हैं, जिन्हें वे आपसी संवाद के दौरान अकसर दोहराते रहते हैं। मसलन- 'ओके, रियली, यू नो, वाव और ट्रस्ट मी।' जैसे बमुश्किल एक दर्जन अंग्रेजी के शब्द हैं, जो विशेषकर आज के शहरी बच्चे अकसर आपस में बातचीत के दौरान दोहराते रहते हैं।

मातृभाषा से बढ़ती दूरी: आज पूरे भारत में सभी क्षेत्रों की मातृभाषाओं पर यह संकट देखने को मिल रहा है। आज चाहे दक्षिण भारत हो या उत्तर, मध्य हो या पश्चिम। शहरी क्षेत्र में कहीं भी बच्चे खासकर किशोर और युवा अपनी मातृभाषा के मुहावरों, कहावतों और लोकोक्तियों के इस्तेमाल में जरा भी सहज नहीं दिखते हैं।

आजकल के किशोर और नौजवान बात-बात में 'ब्रो', 'दैट्स', 'लिट' और 'रियली यार' जैसे अंग्रेजी के शब्द तो बार-बार दोहराते हैं, लेकिन उनकी रोजमर्रा की जुबान में खांटी मातृभाषा के शब्द ढूंढ़े नहीं मिलते। वास्तव में हमारी नई पीढ़ी की वोकेबलरी किसी भाषायी विकास की नहीं बल्कि दिनों-दिन बढ़ रही सांस्कृतिक दूरी की कहानी कहती है और यह दूरी उस समय से बढ़नी शुरू हुई है, जब हम सदियों की अपनी गुलाम मानसिकता के मनोवैज्ञानिक दबाव में अपनी मातृभाषा को अंग्रेजी के सामने दरिद्र मान लेते हैं और इसी भावना के चलते अपनी रोजमर्रा की बातचीत में टूटे-फूटे अंग्रेजी के शब्द बार-बार दोहराकर अपने को मॉडर्न दिखाने की कोशिश करते हैं।

मोबाइल की लत का असर: आजकल घरों में मां-बाप के साथ बोली जाने वाली मातृभाषा को किशोर और युवा आपस में बोलना ओल्ड फैशन समझते हैं। इसलिए वे हर जगह अंग्रेजी के कुछ शब्दों से काम चलाते रहते हैं। सोशल मीडिया ने विशेषकर मोबाइल की लत लगने के बाद इस आदत को और पक्का बना दिया है। वास्तव में सोशल मीडिया का कुछ वैश्विक प्रभाव नई पीढ़ी पर इस कदर पड़ा है कि अंग्रेजी के शब्द अपनी रोजमर्रा की बातचीत में बोलना ग्लैमर लगने लगा है। जबकि हम सब जानते हैं कि ये बहुतायत में इस्तेमाल हो रहे अंग्रेजी के टूटे-फूटे शब्द अपनी अभिव्यक्ति में किसी तरह की भावना नहीं जगाते बल्कि बस स्टाइल बनकर रह गए हैं।

भावनात्मक गहराई से बढ़ी दूरी: अभी एक-डेढ़ दशक पहले तक बातचीत में इस्तेमाल होने वाली कोई एक कहावत या कोई एक देसी मुहावरा हमारे दुखी और परेशान मन की सारी कहानी कह देता था। लेकिन आज बस 'मूड ऑफ' कह देने भर से काम चल जाता है। वास्तव में यह चेतावनी है कि अगर हम जल्दी चेते नहीं, तो हमारी मजबूत अभिव्यक्ति के देसी शब्द खो जाएंगे, तब हमें कहना ही नहीं, किसी के कहे हुए को समझना भी आसान नहीं होगा। आज सिर्फ कॉलेज, सोशल मीडिया में ही नहीं, दफ्तरों में भी लोगों के बीच अक्सर अंगुलियों में गिने जाने वाले कुछ शब्दों से पूरी बातचीत कर लेने की कोशिश देखी जाती है। सबसे बड़ी बात तो यह है कि चाहे सोशल मीडिया हो, चाहे लोगों के बीच निजी संवाद हो या सार्वजनिक बतकही ही क्यों न हो? बस थोड़े से ही शब्द हमारे इर्द-गिर्द गूंजते रहते हैं। आजकल बातचीत में जरा भी ठहराव या भावनाओं की गहराई देखने को नहीं मिलती। 'टू द प्वाइंट' कहकर लोग तेजी से सतहीपन को सही ठहराने की कोशिश करते रहते हैं।

एक जमाना था, जब लोग आपस में बातचीत में रुचि लेते थे, लेकिन आज तो बस 'रिप्लाई' करते हैं। वास्तव में यह फर्क भाषा के विकास का नहीं, मातृभाषा से बढ़ी हुई दूरी का परिचायक है। आज के किशोरों और हाल में जवान हुए कितने युवाओं के मुंह से आपने 'घर की मुर्गी दाल बराबर' या 'नाच न आवे आंगन टेढ़ा' जैसे मुहावरे-लोकोक्तियां सुनी हैं? जबकि एक-डेढ़ दशक पहले युवाओं के बीच इस तरह के मुहावरे बातचीत का हिस्सा होते थे। ये शब्द या ये मुहावरे, खालिस बातचीत नहीं होते, ये हमारे बाप-दादाओं की संस्कृति को हम तक पहुंचने का जरिया होते हैं, जो अब लगातार खत्म हो रहे हैं। आज के युवा और किशोर अगर ये शब्द, शब्दावलियां, मुहावरे तथा कहावतों से दूर हैं, तो यह दूरी यहीं तक सीमित नहीं है। इनकी यह दूरी लगातार अपनी विरासत, संस्कृति और मातृभाषा से भी हो रही है। आज की पीढ़ी 'टेकन फॉर ग्रांटेड', 'कर्मा हिट्स बैक' या 'दैट्स हाउ इट वर्क्स' जैसे विदेशी वाक्य दोहराती है, जो कि निरा कोरे शब्द होते हैं। इनमें जरा भी भावनात्मक गहराई देखने को नहीं मिलती।

शॉर्टकट्स-इमोजी का बढ़ा ट्रेंड: वास्तव में मोबाइल और इंटरनेट ने संवाद को 'फास्ट फूड' में बदल दिया है। जल्दी लिखो, जल्दी भेजो, जल्दी भूलो, यही सब देखने को मिल रहा है। अब लोग 'थैंक यू' भी पूरा नहीं लिखते बल्कि 'टीएचएक्स' लिखकर काम चलना चाहते हैं। 'क्या हाल है' की जगह अब नई पीढ़ी सिर्फ 'एसयूपी' लिखकर अपने को कूल समझती है। वास्तव में नई पीढ़ी अब इस कदर शॉर्टकट की भाषा बोल रही है कि वह अपनी आधी से ज्यादा अभिव्यक्तियों को इमोजियों के हवाले कर देती है और उनके विचार तो बस स्टेटस अपडेट तक सीमित होकर रह गए हैं। यही वजह है कि आज युवा पीढ़ी में भाषा का अभ्यास और शब्दों की संवेदना दोनो का ही घोर अभाव दिखता है।

हमारे युवाओं और किशोरों की यह नई शब्दावली, परिवार और लोक-संस्कृति के छीजने का भी परिणाम है। इसलिए हमें बहुत जल्दी सचेत हो जाना चाहिए और यह दोहरा लेना चाहिए कि भाषा का पतन शब्दों का पतन नहीं, विचारों का पतन होता है। इसलिए जितना जल्दी हो, हमें अपनी संस्कृति और सभ्यता को अगर जीवंत बनाए रखना है, तो अपनी मातृभाषा को समृद्ध बनाना होगा, सिर्फ पढ़ने के मामले में ही नहीं बल्कि रोजमर्रा के संवाद में भी। *

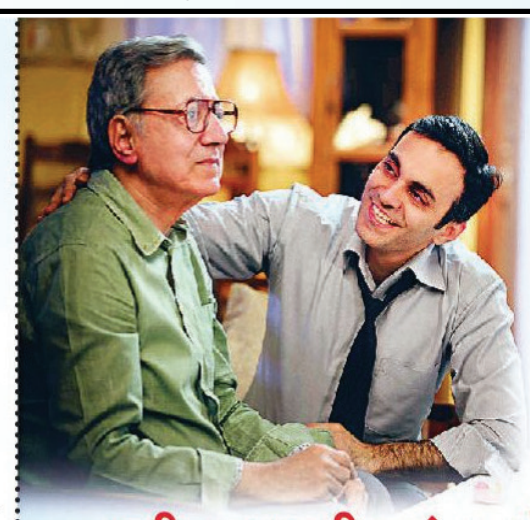

आधुनिक जीवनशैली की आपा-धापी और आर्थिक संसाधन जुटाने की जद्दोजहद में अधिकांश युवा, अपने पैरेंट्स से दूर रहने को मजबूर रहते हैं, उनकी केयर नहीं कर पाते हैं। उनको भी इस बात का मलाल होता है। ऐसे में समझदारी इसी में है कि एक संतुलन बनाते हुए अपने बुजुर्ग पैरेंट्स की देखभाल की जाए।

जीवन की सांझ में पैरेंट्स महसूस ना करें अकेलापन

दायित्व / डॉ. मोनिका शर्मा

हाल ही में दिल्ली के एक युवक की इमोशनल पोस्ट सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुई। इस पोस्ट में लिखा गया था कि वह देर रात 3:30 बजे अस्पताल के बाहर अपनी कार में बैठा है और लगभग 36 घंटे से सोया नहीं है। उसके पिता को दिल का दौरा पड़ा है। वह हालात को संभालने की कोशिश कर रहा है। उसे यह भी अफसोस है कि वह नौकरी के कारण परिवार से दूर हो गया है। अपने माता-पिता के साथ समय नहीं बिता पाया। माता-पिता को वक्त नहीं दे पाया। एक बेटा होने में असफल रहा। युवक ने पिता को हार्ट अटैक आने के बाद दुखी मन से बाद खुद को 'नाकाम बेटा' बताया। असल में बीमारी से जूझते पिता को देख लिखी गई भावुक बातों वाली यह पोस्ट कितने ही युवाओं के लिए थोड़ा ठहरकर सोचने की बात लिए है। ये शब्द अपनों के साथ वक्त बिताने की अहमियत समझाते हैं। समय रहते अपने माता-पिता को समय देने की एक मानवीय चेतावनी सी लिए हैं।

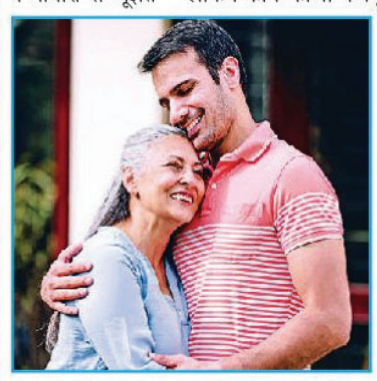

बढ़ने लगती हैं कई चिंताएं: बच्चों की जिंदगी संवारने के लिए अपना जीवन जीना भूल जाने वाले पैरेंट्स थके शरीर और टूटते मन के इस दौर में उनका इंतजार करते रहते हैं। अकेलेपन के घेरे में आ जाते हैं। जाने कब क्या हो जाए का तनाव और सेफ्टी से जुड़ी चिंताएं उन्हें हर पल परेशान करती हैं। सेहत से जुड़ी परेशानी में बिल्कुल ही टूट जाते हैं। उलझाती मनःस्थिति वाली ऐसी बातों के चलते हालिया वर्षों में बुजुर्गों में सुसाइड का आंकड़ा भी बढ़ा है। मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी के वैज्ञानिकों के मुताबिक वृद्धावस्था में अकेलापन, बुजुर्गों की समय से पहले जान जाने का अहम कारण है। एक निश्चित उम्र के बाद इमोशनल और फिजिकल रूप से अकेलेपन को झेलना इंसान के लिए तकलीफदेह होता है। उम्रदराज लोगों के मामले में तो यह बहुत बड़ी समस्या बन गई है।

अपराधबोध तले दबता मन: यह सच है कि आज के समय में करियर बनाने और जरूरतें जुटाने में लगे युवाओं की मुश्किलें भी कम नहीं हैं। आज के कट थ्रोट कॉम्पिटीशन में डटे रहना कुछ भी सोचने का समय नहीं देता। अपनों को भी याद करने का वक्त नहीं मिलता। इन हालातों में मन अपराधबोध का भी शिकार बनता है। नेशनल अलायंस फॉर केयर गिविंग और एएआरपी की रिपोर्ट के मुताबिक 47 प्रतिशत लोग अपने माता-पिता की चिंता में भावनात्मक रूप से टूटने लगते हैं। बड़ों के अकेले पड़ जाने की पीड़ा को बच्चों का मन भी समझता है। लेकिन काम-काजी मजबूरियों के कारण पैरेंट्स से दूर रहने वाले लोग भी जानते हैं कि उनके माता-पिता को उनकी देखभाल की जरूरत है। ऐसे में ठहराव की राह खुद ही चुननी होगी। आपा-धापी में अपने अहसासों को बचाने के लिए युवाओं को एक संतुलन तो साधना होगा।

देर ना हो जाए: अपने बुजुर्ग पैरेंट्स से जुड़े रहने के मोर्चे पर समय की टिक-टिक को सुनना भी जरूरी है। वक्त निकल जाने के बाद कुछ नहीं किया जा सकता। जिंदगी भर के लिए एक कसक मन में रह जाती है। देखा जाए तो यह एक रिश्ते को निभाने की बात भर नहीं। उम्रदराज माता-पिता की देखभाल एक मानवीय जिम्मेदारी भी है। सो दूर बैठे केवल महंगे मोल वाली चीजें भेजकर मन को तसल्ली देने के रास्ते ना निकालें। ना भूलें, जीवन की सांझ में अपने बच्चों के इमोशनल सपोर्ट की बुजुर्ग अभिभावकों को सबसे ज्यादा जरूरत होती है। इसलिए जितना अधिक संभव हो, उनके साथ वक्त गुजारें, उनका ध्यान रखें। *

आत्मचिंतन / रश्मि वैभव गर्ग

अपनी बात और भावनाएं दूसरों तक पहुंचाने के लिए शब्दों की जरूरत पड़ती है। लेकिन शब्दों से भी गहन अभिव्यक्ति मौन की होती है। मौन से हमें अंतस की भी सहज अनुभूति हो जाती है।

आत्मानुभूति का द्वार मौन

अभिव्यक्ति का सहज माध्यम हैं- शब्द। लेखन हो या जीवन शब्दों से ही अभिव्यक्त होता है। शब्दों की यात्रा ही, जीवन को गतिशील बनाए रखती है। शब्द न होते तो हम मौन को भी परिभाषित नहीं कर पाते। शब्दों की ध्वनि ही जीवन को गुंजायमान रखती है। शब्दों का अर्थ के साथ, लहजा भी हमारे भावों को दर्शाता है। वास्तव में अभिव्यक्ति के दो ही माध्यम हैं। एक तो शब्द, दूसरा भाव। शब्दों का संसार तो विस्तृत है ही, लेकिन शब्दों से परे भी एक दुनिया होती है, वो है मौन। मौन, वो भी व्यक्त कर देता है, जो शब्द भी व्यक्त नहीं कर पाते हैं।

अव्यक्त को करता है व्यक्त: मौन एक साधना है। इसके विविध रूप हैं। मौन कभी शब्दों का विराम है तो कभी भावों की गहन अभिव्यक्ति है। कभी मौन रोष अभिव्यक्त करता है, तो कभी अगाध प्रेम की अभिव्यक्ति। मौन कभी शब्दों की विवशता भी प्रकट करता है। कभी-कभी शब्द हमारी अनुभूति को व्यक्त ही नहीं कर पाते, उसे मौन व्यक्त कर देता है। शब्द, भावों की गूंज है तो मौन भावों की मूक अभिव्यक्ति है। किसी ने क्या खूब कहा है कि स्पीच इज सिल्वर, साइलेंस इज गोल्ड। सचमुच बोलना चांदी के समान है तो चुप रहना स्वर्ण के तुल्य। कभी ऐसा भी होता कि हम कुछ बोलना चाहते हैं, लेकिन किसी कारणवश बोल नहीं पाते हैं, फिर सोचते हैं कि न बोलना ही श्रेयष्कर रहा।

आत्मसंयम का परिचायक: मौन, अभिव्यक्ति का श्रेष्ठतम माध्यम है। बशर्ते कोई समझने वाला हो। सामाजिक जीवन में संवादरहित अभिव्यक्ति एक गहरा प्रभाव छोड़ती है। चुप रहना भी एक विजय है। अपने शब्दों को विराम देना एक आत्मसंयम है। इस आत्मसंयम को आत्मसात करना हमारी जीत है। बाहरी मौन का संयम रखते हुए, आंतरिक मौन साधना को पाना जीवन दर्शन है। बाहरी मौन जीवन का आनंद है, आंतरिक मौन आत्मा का आनंद है। शब्दों का मौन लौकिक रंग है, आंतरिक मौन, आलौकिक रंग है। आंतरिक मौन यानी सब इच्छाओं की समाप्ति। जो अत्यंत दुष्कर है, लेकिन दुरूह नहीं। आंतरिक मौन जीवन को पूर्ण कर देता है। उतना ही पूर्ण जितना ईश्वर। तृष्णाओं की समाप्ति ही ईश्वर से मिलने का द्वार खोलती है। स्वयं से साक्षात्कार ही ईश्वर से मिलना है, वो तब ही संभव है, जब हम बाहरी व्यक्ति और वस्तुओं को विराम दें, और आंतरिक मौन को धारण करें।

मिलता है आलौकिक आनंद: हर इंसान के अंदर आध्यात्मिक अनुभूति होती है। जैसे पानी में कंकड़ फेंकते हैं तो लहर उठती है, वैसे ही हर आत्मा में अध्यात्म की चेतना होती है, क्योंकि चेतन का स्वभाव ही आत्मतत्व की खोज है। जिसका क्षणिक आभास हम जब-तब करते रहते हैं, लेकिन जब यह आत्मतत्व चिरस्थाई हो जाता है, तो असल आनंद प्राप्त होता है। बाहरी क्रियाएं विचलित करती हैं। आंतरिक मौन, लोक में रहकर आलौकिक सुख प्रदान करता है। स्वयं से स्वयं को ढूंढ़ना ही आंतरिक मौन है। वही ईश्वर से साक्षात्कार है। आत्मा में ही परमात्मा का वास होता है। आंतरिक मौन सृष्टि का अनहद नाद है, जिसे सिर्फ महसूस किया जा सकता है।

संसार में रहकर संसार से विरक्ति सबसे कठिन कार्य है। आसक्तियां ही सांसारिक कार्यों को फलीभूत करवाती हैं। जीवन का द्वैत ही यही है कि यदि अध्यात्म को अपनाते हैं तो कर्तव्यों से विमुख हो जाते हैं और कर्तव्यों का निर्वाह, बिना आसक्तियों के होता ही नहीं। इसी झंझावात में जीवन-यापन हो जाता है। वास्तविकता यही है कि हम दो दुनिया में जीते हैं। बाहरी दुनिया जो कर्मशील दुनिया है, जहां हम अपना किरदार निभाने के लिए बाध्य हैं। वो हमें थोड़ी आसक्ति भी देती है। आसक्त होना लाजिमी भी है, क्योंकि वही हमें कर्मशील बनाता है। दूसरी दुनिया है आत्मा का आनंद, जिसे हम स्वयं के भीतर अनुभव कर सकते हैं। ये हमारी अपनी खोज है, अपनी पूंजी है। इसे हम ही प्राप्त कर सकते हैं और इसे कोई हमसे छीन भी नहीं सकता। बाहरी क्रियाकलापों का विराम ही आंतरिक मौन है। बाहर कितना ही शोर हो यदि आंतरिक शांति है तो आप हर जगह विजयी होंगे। कहने का सार यही है कि अपने जीवन की सांसारिक यात्रा के विभिन्न पड़ावों को पूरा करते हुए भी अंतिम ध्येय अंतस का मौन ही होना चाहिए। *

दोहे / घमंडीलाल अग्रवाल

सूनी-सी दहलीज

सूना घर का आंगना, सूनी-सी दहलीज।
भूख, गरीबी बो चुकी, घर गरीब के बीज।।
जैसे को तैसा मिले, हो हमलावर पस्त।
वह भी फिर आश्वस्त-सा, हम भी फिर आश्वस्त।।
बदल रही है जिंदगी, बदल रहा है दौर।
निसदिन नई चुनौतियां, हर पल करिए गौर।।
पांव कुल्हाड़ी मार ली, गए संभलना भूल।
गड्ढा आया सामने, काहे गिरे फिजूल।।
गीता, रामायण पढ़ी, बांचे वेद, कुरान।
हो न सका इंसान तो, एक अदद इंसान।।
भरी भीड़ में हम हुए, बहुत अकेले आज।
अपनेपन का बांधते, किसके सिर पर ताज।
यदि कुपात्र को धन दिया, धन होगा बेकार।
ज्यादा खाकर वस्तुएं, जैसे तन बीमार।।
वाटर एटीएम लगे, सूखे सारे कूप।
परिवर्तन का मोहरा, खड़ा बदलकर रूप।।
फिसला करती हाथ से, पाई कोई चीज।
होते हैं संसार में, ऐसे कुछ नाचीज।।
भले विवेकानंद हों, अथवा गौतम बुद्ध।
कर्तव्यों से ही लड़े, अधिकारों के युद्ध।।

छोटी कहानी
सविता गोयल

तृप्ति

जहां आर्थिक रूप से कमजोर बड़े बेटे कमल ने कैंसर से पीड़ित पिता के इलाज में कोई कसर नहीं छोड़ी, वहीं छोटे बेटे विमल ने अपनी जिम्मेदारी से मुंह मोड़े रखा। पिता के देहांत के बाद उनकी तेरहवीं में विमल ने जैसा दिखावा चाहा, वह अपमानजनक था। एक मर्मस्पर्शी कथा।

यह क्या भैया! ना आपने सारे नाते-रिश्तेदारों को न्यौता दिया और ना ही भोज का आयोजन सही तरीके से किया। समाज में क्या इज्जत रह जाएगी हमारी! अरे पैसे कम पड़ रहे थे तो एक बार बोल दिया होता हमसे। मैं ही कुछ इंतजाम कर देता। पापा की तेरहवीं पर मेरे ससुरजी भी आने वाले हैं। वो क्या सोचेंगे, उनके दामाद ने अपने पिता की तेरहवीं भी ढंग से नहीं की। आप सबको तो पता ही है, वो कितने बड़े आदमी हैं। मेरी क्या इज्जत रह जाएगी उनके सामने?' कमल का छोटा भाई विमल अपनी ही रौब में बोलता जा रहा था।

मनोहरजी को गुजरे आज ग्यारह दिन हो गए थे। पिछले दो साल से वह बहुत पीड़ा में थे। कैंसर की बीमारी में एक-एक दिन सालों की तरह गुजर रहे थे। उनका बड़ा बेटा कमल और बहू मीना ने अपने पिता की सेवा और इलाज में अपनी तरफ से कोई कसर नहीं छोड़ी। किराने की दुकान में कोई ज्यादा कमाई नहीं थी, लेकिन जितना बन पड़ा, उसमें उन्होंने कभी अपना हाथ पीछे नहीं खींचा।

कमल अपने माता-पिता के साथ ही रहता था। छोटा बेटा विमल जब से पढ़-लिखकर इंजीनियर बनकर शहर में बसा, कभी पलट कर वह घर नहीं आया। नौकरी अच्छी थी तो बड़े घर की लड़की का रिश्ता भी आ गया था। अब तो विमल के और भी पंख लग गए थे।

पिता की बीमारी का पता होने के बाद भी कभी उसने उनके इलाज और देखभाल में बड़े भाई का हाथ नहीं बंटाया। एक बार कांता देवी ने विमल से कहा भी, 'बेटा, कमल का हाथ थोड़ा तंग रहता है, ऊपर से तेरे पिताजी की बीमारी पर बहुत पैसा खर्च हो रहा है। तुम थोड़ी मदद कर दोगे तो उसे थोड़ी राहत मिलेगी।'

इस पर विमल का जवाब था, 'मां, आपको क्या पता, मेरी कमाई से ज्यादा तो मेरा खर्च है। आप लोग तो यहां पुश्तैनी मकान में रहते हैं, लेकिन मुझे तो हर महीने फ्लैट का किराया भी देना पड़ता है। आगे मेरा परिवार भी बढ़ रहा है तो खर्चे भी बढ़ रहे हैं फिर इस बीमारी का क्या पता ठीक हो ना हो! बेकार में लुटने-पिटने से क्या फायदा?'

बेटे के मुंह से ऐसा सुनकर कांताजी ने कभी दोबारा उसे किसी प्रकार की मदद के लिए नहीं कहा। मनोहरजी बच तो नहीं पाए, लेकिन अपने बड़े बेटे-बहू के सेवाभाव को देखकर उनके हृदय में हमेशा उनके लिए आशीर्वाद के भाव रहते। कांता देवी पति की मृत्यु से आहत थीं, ऊपर से आज मनोहरजी की तेरहवीं पर आए विमल के मुंह से ये सब सुनकर उन्हें बहुत बुरा लग रहा था। अपने बड़े बेटे को असमंजस में देख उन्होंने समझाया, 'कमल, तुझे किसी की बातों में आकर अपनी हैसियत से बाहर कुछ करने की जरूरत नहीं है। तूने अपने पिता के जीते जी उनकी जो जी-जान से सेवा की है, वो उसी से तृप्त हो गए हैं। ये ऊपरी दिखावा और कर्मकांड उनके लिए अब कोई मायने नहीं रखता। तू जितना कर रहा है, वह बहुत है। तेरे पिताजी की आत्मा तो तेरी सेवा से ही तृप्त हो गई है बेटा। बस पांच ब्राह्मणों को भोजन करा दे और अपने पिता का तर्पण कर दे।' फिर कांता देवी अपने छोटे बेटे विमल के मुखातिब होते हुए बोलीं, 'आज तुझे यहां सारे कामों में जो कमी नजर आ रही है, वह उस समय क्यों नजर नहीं आई, जब तेरे पिताजी बीमारी से तड़प रहे थे और तेरा यह भाई तंगी से जूझते हुए भी रोज उन्हें लेकर अस्पताल के चक्कर लगा रहा था। उसे अपने दिन का चैन और रातों की नींद की भी परवाह नहीं थी। उस समय तो तेरे मुंह से एक बार भी नहीं निकला कि भैया, पिताजी के इलाज में मैं कुछ मदद कर दूं। उस वक्त तुझे यहां कोई कमी नजर नहीं आई? बेटा तू अपने पैसे अपने पास रख, पता नहीं कब तुझे इनकी जरूरत पड़ जाए। मां हूं, इसलिए कभी अपने दिल और जुबान से तेरा बुरा नहीं सोचूंगी, लेकिन बेटा जब तेरे बच्चे अपनी जिम्मेदारियों से मुंह मोड़ेंगे तब तुझे अपने मां-बाप का दर्द समझ में आएगा।'

यह सुनकर विमल का सिर झुक गया। उसे अपनी मां और भाई से नजरें मिलाने की हिम्मत भी नहीं हो रही थी। कमल ने अपने सामर्थ्य अनुसार अपने पिता का तर्पण और भोज कराया।

कांता देवी के चेहरे पर आज संतुष्टि के भाव थे। उन्हें विश्वास था कि उनके पति तृप्त होकर इस दुनिया से विदा हुए हैं। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

देश की स्वर्णाभा नरेंद्र मोदी

आजादी के बाद देश के विकास और इसे सशक्त बनाने में भारत के सभी प्रधानमंत्रियों की भूमिका रही है। इसी क्रम में वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अब तक के अपने कार्यकाल में कई महत्वपूर्ण और अभूतपूर्व कार्य किए हैं और इस दिशा में निरंतर प्रयासरत भी हैं।

फिर वो चाहे विश्व में भारतवर्ष की प्रतिष्ठा बढ़ाने की बात हो, कश्मीर से धारा 370 हटाने का ऐतिहासिक कदम हो, कोरोना काल का मजबूती से सामना करना रहा हो, महिलाओं और गरीबों के सशक्तिकरण के लिए किए गए प्रयास हों या आतंकी गतिविधियों का मुंहतोड़ जवाब देना हो। इस पुस्तक में उनके ऐसे तमाम प्रयासों की विस्तार से चर्चा की गई है। इसमें लेखक ने नरेंद्र मोदी के व्यक्तित्व के कई पहलुओं को भी उजागर किया है। *

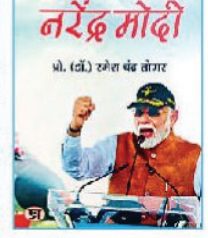

पुस्तक: भारतवर्ष की स्वर्णाभा नरेंद्र मोदी,
लेखक: प्रोफेसर (डॉक्टर) रमेश चंद्र तोमर,
मूल्य: 600 रुपए, **प्रकाशक:** प्रभात प्रकाशन,
आसफ अली रोड, नई दिल्ली

छत्तीसगढ़ केवल धान का कटोरा नहीं, बल्कि संस्कृति का अमूल्य भंडार है : लक्ष्मी

0 मंत्री लक्ष्मी ने किया 3 दिवसीय राज्योत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ 0 कला एवं संस्कृति के विविध रंगों से सराबोर हुआ स्टेडियम ग्राउंड

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। यहां जिला मुख्यालय के स्टेडियम ग्राउंड में आयोजित तीन दिवसीय राज्योत्सव के रजत जयंती पर रविवार को कार्यक्रम का शुभारंभ महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के द्वारा किया गया। इस मौके पर उन्होंने प्रदेशवासियों को छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की रजत जयंती का यह वर्ष राज्य के गौरव, संस्कृति, पहचान और विकास यात्रा का प्रतीक है।

कार्यक्रम की शुरुआत पावन संस्कृत श्लोक-

छत्तीसगढ़स्य राज्यस्य रजतोत्सवसमागमे।
जयतु संस्कृतिः पुण्या, जयतु जनकल्याणताः।

से हुई। इसका अर्थ बताते हुए मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि यह आयोजन हमारी पुण्य संस्कृति और जनकल्याण की भावना का उत्सव है। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने अपने संबोधन में कहा कि छत्तीसगढ़ केवल धान का कटोरा नहीं, बल्कि संस्कृति का अमूल्य भंडार है। यहाँ के लोकगीतों में जीवन की धड़कन, नृत्य में आत्मा की अभिव्यक्ति और परंपराओं में पीढ़ियों का अनुभव समाया हुआ है। हमारी जनजातीय परंपराएँ, लोककलाएँ, त्योहार एवं रीतिरिवाज हमारी पहचान हैं, जो हमें अपनी जड़ों से जोड़े रखते हैं। उन्होंने कहा कि बीते 25 वर्षों में छत्तीसगढ़ ने महिला सशक्तिकरण, पोषण, शिक्षा, जनकल्याण और सामाजिक उत्थान के क्षेत्रों में निरंतर प्रगति की है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार जनहितैषी योजनाओं के माध्यम से हर वर्ग तक विकास के अवसर पहुंचा रही है। परंपरा और आधुनिकता के समन्वय से आत्मनिर्भर छत्तीसगढ़ का निर्माण किया जा रहा है।

मंत्री लक्ष्मी ने कहा कि राज्योत्सव केवल एक सांस्कृतिक उत्सव नहीं, बल्कि हमारी विरासत, उपलब्धियों और सामूहिक सहयोग की प्रेरणा है। यह आयोजन प्रदेशवासियों को अपनी मौलिक जड़ों से जोड़ते हुए विकास की नई दिशा में आगे बढ़ने का संदेश देता है। उन्होंने प्रदेश के सर्वांगीण विकास और खुशहाली में सभी के सहयोग का आह्वान किया।

कलाकारों ने दी रंगारंग प्रस्तुति

अग्रसेन स्टेडियम ग्राउंड में आयोजित कार्यक्रम में स्थानीय कलाकारों ने लोकनृत्य, गीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का भव्य प्रदर्शन किया। जनजातीय लोकनृत्यों की जिला स्तरीय प्रतियोगिता ने आयोजन स्थल को उत्साह और उल्लास से भर दिया। मंत्री ने कहा कि राज्योत्सव में उभरते प्रतिभाशाली कलाकारों और स्थानीय उत्पादों को मंच प्रदान कर उन्हें आगे बढ़ाने का अवसर मिलता है, जो हमारी सांस्कृतिक पहचान और आर्थिक सशक्तिकरण दोनों को मजबूती देता है।

मंत्री लक्ष्मी ने किया स्टालों का अवलोकन

राज्योत्सव के दौरान मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं, उपलब्धियों और स्थानीय उत्पादों को प्रदर्शित करते विभागीय स्टालों का अवलोकन भी किया। उन्होंने स्टालों में महिला उद्यमिता, पोषण कार्यक्रम, हस्तशिल्प, कृषि व स्थानीय उत्पादों की विशेष सराहना की और इन्हें ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने वाला बताया।

छत्तीसगढ़ को आत्मनिर्भरता की नई ऊँचाइयों तक पहुंचाएं :जयवर्धन

कलेक्टर एस.जयवर्धन ने कहा कि राज्योत्सव हमारे राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर और सामाजिक एकता का प्रतिबिंब है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार की योजनाओं से समाज के हर वर्ग को सशक्त करने का कार्य हो रहा है। महिला सशक्तिकरण, शिक्षा, स्वास्थ्य और जनकल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति प्रदेश व जिले की नई पहचान बनी है। उन्होंने राज्य गठन व सूरजपुर जिले के गठन के पश्चात प्रशासन व विभागों द्वारा किये गये कार्य का संक्षिप्त परिचय दिया। उन्होंने कहा हम सब मिलकर विकास की इस यात्रा को निरंतर आगे बढ़ाएँ और छत्तीसगढ़ को आत्मनिर्भरता की नई ऊँचाइयों तक पहुंचाएं। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती चन्द्रमणी पैकरा, जनपद अध्यक्ष श्रीमती स्वाति सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती कुसुमलता राजवाड़े, मुरली मनोहर सोनी, शशिकांत गर्ग, संदीप अग्रवाल सहित अन्य जनप्रतिनुधि, गणमान्य नागरिक, कलेक्टर एस. जयवर्धन, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार ठाकुर, वनमंडलाधिकारी पंकज कमल, जिला पंचायत सीईओ विजेन्द्र सिंह पाटले, अपर कलेक्टर जगन्नाथ वर्मा, एसडीएम शिवानी जायसवाल, सहित जिले के सभी अधिकारी- कर्मचारी उपस्थित रहे।

राज्य स्थापना के बाद विकास की दिशा में अग्रसर सूरजपुर : सांसद चिंतामणि

राज्योत्सव के द्वितीय दिवस सोमवार को भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज मुख्य अतिथि के रूप कार्यक्रम में शामिल हुए। सांसद के मुख्य आतिथ्य में छत्तीसगढ़ महतारी एवं मां सरस्वती के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण कर किया गया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि एवं जिले के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न विभागों द्वारा उपलब्धियों और जनकल्याणकारी योजनाओं की लगाई गई प्रदर्शनी का सांसद श्री महाराज सहित अन्य जनप्रतिनिधि व अधिकारियों ने अवलोकन किया और सराहना की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद श्री महाराज ने उपस्थित जनों को रजत जयंती वर्ष की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने राज्य बनने की पृष्ठभूमि पर विस्तार से चर्चा करते हुए बताया कि पहले परिस्थितियां कठिन थी। छत्तीसगढ़ राज्य बनने से पहले मध्यप्रदेश राज्य में शामिल था, स्थानीय जनप्रतिनिधियों की मांग पर पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेई ने 01 नवंबर 2000 को मध्यप्रदेश राज्य से अलग कर छत्तीसगढ़ राज्य बनाया। उस समय हमारा राज्य शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क कई मामले में हम काफी पीछे था, लेकिन राज्य बनने के बाद स्थिति बदली और हम आज विकास की दिशा में आगे बढ़ते हुए मिसाल बन रहे हैं। 25 वर्षों में हमारा छत्तीसगढ़ ऊर्जा से भरपूर युवावस्था में पहुंच चुका है। शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क विकास के सभी आयामों में हमारा जिला बेहतर प्रगति कर रहा है। स्कूल-कालेजों का विस्तार हुआ, जिला चिकित्सालय में अनेक गंभीर बीमारियों का इलाज हो रहा है। यह छत्तीसगढ़ रजत उत्सव हमारे विकास और संघर्ष यात्रा का त्यौहार है। उन्होंने कहा कि इन 25 वर्षों में छत्तीसगढ़ राज्य ने उत्तरोत्तर प्रगति की है।

विकास की हर दिशा में प्रदेश ने की है उल्लेखनीय प्रगति : विधायक भूलन

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह मरावी ने कहा कि राज्योत्सव केवल एक उत्सव नहीं बल्कि यह हमारी पहचान है , हमारी परंपराओं और हमारी लोक संस्कृति का सम्मान है। छत्तीसगढ़ की मिट्टी ने मेहनत, माटी और मान के अद्भुत संगम से एक सशक्त राज्य का निर्माण किया है। राज्य गठन के पश्चात आज तक विकास की हर दिशा में प्रदेश ने उल्लेखनीय प्रगति की है। यह हमारी सामूहिक उपलब्धि है, और इसे आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी भी हम सबकी है।

संजय सुरीला ने छत्तीसगढ़ी गीतों से बांधा समां

जिला स्तरीय राज्योत्सव के द्वितीय दिवस पर छत्तीसगढ़ के लोकगायक संजय सुरीला ने अपने सुमधुर गीतों से मंच पर ऐसा समां बांधा कि पूरा मैदान छत्तीसगढ़ी लोकसंगीत की धुनों से गुंजायमान हो उठा। कार्यक्रम को देखने के लिए आमजन काफी उत्साहित नजर आए और छत्तीसगढ़ी गीतों से मंत्रमुग्ध हो गए। राज्योत्सव कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, लोकनृत्यों और पारंपरिक गीत-संगीत के माध्यम से गढ़बो नवा छत्तीसगढ़ की भावना को साकार रूप दिया गया। कार्यक्रम के समापन में अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंटकर किया गया।

अंकुरित होने लगे बारिश से भींगे धान, बढ़ी किसानों की चिंता

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

चांदनी बिहारपुर। चक्रवाती तूफान मर्मोथा के प्रभाव से कुछ दिन पहले लगातार एक सप्ताह तक बारिश हुई थी। खेतों में पानी भरा रहा और धूप न निकलने के कारण कटाई कर खेतों में रखी धान की बालियां भीगती रहीं। लगातार भीगने से धान की बालियों में अंकुरण शुरू हो गया है, जिससे फसल की गुणवत्ता और उत्पादन पर गंभीर असर पड़ा है। तेज आंधी और बारिश से कई किसानों की खड़ी फसल भी गिरकर सड़ने लगी। किसानों का कहना है कि इस वर्ष धान उत्पादन कम होने से आर्थिक संकट गहरा जाएगा। क्षेत्र के सबसे ज्यादा प्रभावित गांवों में कोल्हूआ, महुली, खोहीर, रामगढ़, उमझर, रसौकी, जूडवनिया, बैजनपाठ, लूल्ह, तेलाईपाठ, भून्डा, कछवारी, नवडीह, मोहरसोप, खैरा, चोगा, करौटी, कछिया, परसा, बलीयरी, छतरंग, बाक, असुरा, पालकेवरा, केंसर, खोड़, बिहारपुर सहित 30 से अधिक गांवों में 50 प्रतिशत से अधिक धान की फसल नुकसान होने का अनुमान है। किसान ब्रह्मदेव जायसवाल ने बताया कि धान कट चुकी थी, बस सूखने की देर थी, लेकिन लगातार बारिश ने पूरी फसल खराब कर दी। धान अंकुरित हो रही है, जिससे उसे बेचना भी मुश्किल होगा। उन्होंने कहा कि परिवार की आजीविका खतरे में है और तत्काल सरकारी मदद जरूरी है।ग्रामीण किसानों द्वारा किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से जिला सहकारी बैंक एवं छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक से लोन लिया गया है। लेकिन अब फसल खराब होने से किसान लोन चुकाने में असमर्थ हो सकते हैं, जिससे उन पर दोहरा संकट खड़ा हो गया है।

किसानों ने बताया कि कई लोगों के पास मोबाइल नहीं है। ऑनलाइन दावा प्रक्रिया कठिन, बैंक व पोर्टल की जानकारी का अभाव होने के कारण बीमा का लाभ भी समय पर नहीं मिल पा रहा है। किसानों की प्रशासन से माँग की है कि गांव-गांव सर्वे कर वास्तविक नुकसान दर्ज किया जाए, आपदा राहत राशि तत्काल जारी की जाए, बीमा दावा करवाने में सरकारी सहायता प्रदान की जाए, किसानों पर ऋण पुनर्भुगतान का दबाव न बनाया जाए। किसानों का कहना है कि राहत जल्द न मिली तो स्थिति और गंभीर हो जाएगी।

सुगम सफर अभियान के तहत करंजी पुलिस ने दी यातायात नियमों की जानकारी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

दतिमा मोड़। पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार ठाकुर के निर्देशानुसार करंजी पुलिस ने सुगम सफर अभियान के तहत यातायात जागरूकता अभियान का दतिमा चौक पर आयोजन किया। इस अभियान का उद्देश्य नागरिकों को यातायात नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित करना और सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देना है। इस अभियान में, पुलिस ने चालकों को हेलमेट और सीट बेल्ट पहनने के लिए प्रोत्साहित किया। करंजी चौकी प्रभारी संतोष सिंह ने बताया कि यातायात नियमों का पालन करके सड़क दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है और अपनी सुरक्षा भी सुनिश्चित की जा सकती है। वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा के महत्व को अवगत कराया गया उन्होंने सभी से अपील की कि वह यातायात नियमों का पालन करें और दूसरे को भी इसके लिए प्रेरित करें। इस दौरान प्रधान आरक्षक हरविंदर सिंह, देवा राजवाडे, परमार सिंह, आरक्षक नीरज सिंह, रमेश कसेरा, बृजलाल राजवाड़े, खेलन, रामदेव व अन्य पुलिसकर्मी सकिय रहे।

तकनीक का गलत उपयोग कर साइबर अपराधी कर रहे धोखाधड़ी : प्रशांत

एसएसपी बोले-साइबर फ्राड होने पर 1930 पर तुरंत करे कॉल ताकि साइबर अपराधी के खाते व रकम कराई जा सके होल्ड

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। आधुनिकता के इस दौर में पैसा ट्रांसफर करना और मंगाना अब काफी सरल हो गया है किन्तु साइबर अपराधी इसी आधुनिकता का गलत फायदा उठाकर लोगों को झांसे में लेकर उनकी मेहनत की कमाई संदिग्ध लिंक पर टच करा अथवा बहकावे में लेकर ओटीपी की जानकारी हासिल करते हुए साइबर फ्राड को अंजाम दे रहे है। साइबर अपराध से बचाव का सबसे कारगर तरीका है खुद जागरूक रहकर सतर्कता बरतना और लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करना है, उक्त बाते सोमवार को स्वामी आत्मानंद स्कूल प्रेमनगर में आयोजित साइबर सुरक्षा संवाद कार्यक्रम के दौरान एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर ने कही। कार्यक्रम में प्राचार्य मनोज झा, शिक्षक कमलेश टेकाम, अमरजीत सोलंकी, छात्र ज्योति साहू, साक्षी दुबे, इंडिया रजक, श्याम लाल साहू व आलोक सिंह ने अपने एवं परिजनों के साथ हुए साइबर फ्राड के बारे में बताया। प्राचार्य मनोज झा ने बताया कि उनके मोबाईल पर एक व्यक्ति ने फोन कर बच्चा बीमार है उसके ईलाज के लिए पैसे की आवश्यकता बताकर पैसे ठगते

हुए साइबर फ्राड किया। इसी प्रकार छात्रों ने साइबर फ्राड के अपने अनुभवों को साझा किया और संदेश दिया कि किसी भी अनजान कॉल, मैसेज या लिंक पर भरोसा न करें और अपनी निजी वित्तीय जानकारी साझा न करें। यदि धोखाधड़ी होती है तो राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर 1930 पर तुरंत शिकायत दर्ज कराए। इस अवसर पर एसएसपी ने कहा कि जिले के साइबर सुरक्षा संवाद कार्यक्रम को आमजनता का भरपूर समर्थन मिल रहा है। जागरूकता के आयोजनों, सोशल मीडिया के माध्यम से लोग लगातार जागरूक हो रहे है। उन्होंने कहा कि आधुनिकता के दौर में तकनीक काम को आसान बना रहा है किन्तु साइबर अपराधी तकनीक का गलत फायदा उठाकर लोगों के पैसे का धोखाधड़ी करने में लगे हुए है। कोई आप से ओटीपी मांगता है तो उसे साफ शब्दों में कहे कि ओटीपी नहीं देंगे हमें कोई काम होगा तो हम बैंक जाकर अपना काम करा लेंगे, किसी संदिग्ध लिंक पर टच न करें, व्यक्तिगत जानकारी साझा करने से परहेज करते हुए सुरक्षित ऑनलाइन आदते अपनाए। साइबर फ्राड होने पर साइबर हेल्पलाईन नंबर 1930 पर कॉल कर शिकायत जरूर दर्ज कराए इससे होगा यह कि आपका पैसा ठगने वाले व्यक्ति का खाता और रकम तुरंत होल्ड होगा और आपकी रकम वापस मिल सकेगा। साइबर जागरूकता के लिए सूरजपुर पुलिस लगातार कार्य कर रही है किन्तु हम सभी का भी दायित्व है कि साइबर फ्राड रोकने के लिए व्यापक रूप से जन जागरूकता फैलाए ताकि प्रत्येक गांव के अंतिम छोर में रहने वाले व्यक्ति साइबर अपराध के प्रति सचेत रहे और साइबर धोखाधड़ी से बच सके। नगर पंचायत अध्यक्ष सुखमनिया जगते व एसडीओपी प्रेमनगर नरेन्द्र सिंह पुजारी ने साइबर सुरक्षा के उपाए बताया। कार्यक्रम में प्राचार्य आर.बी.सिंह, थाना प्रभारी प्रेमनगर विराट विशि, शिक्षक देव सिंह, अमरजीत सोलंकी, कुमार सिंह, मारर्तण्ड, बी.कंवर, पूनम कश्यप, आशिष एक्का, स्वामी आत्मानंद, आईटीआई व कस्तुरबा गांधी स्कूल व छात्रावास प्रेमनगर के छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

प्रतापपुर विधायक श्रीमती पोर्ते की जाति प्रमाण पत्र का मामला गरमाया

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के प्रतापपुर विधानसभा क्षेत्र की विधायक श्रीमती शकुंतला सिंह पोर्ते का जाति प्रमाणपत्र कथित रूप से फर्जी व कुटरचित बताते हुए क्षेत्र में राजनीतिक विवाद गहराता जा रहा है।आदिवासी समाज ने प्रमाणपत्र रद्द करने की मांग उठाई है। आरोप है कि विधायक पोर्ते का जाति प्रमाणपत्र उनके पिता के दस्तावेजों के आधार पर नहीं, बल्कि बिना वैधानिक आधार के जारी किया गया है। आरोपपत्र में कहा गया है कि विधायक और उनके पति में से किसी के भी मूल जातीय दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए गए, फिर भी उन्हें प्रमाणपत्र जारी कर दिया गया। इस मामले की

कलेक्टर को ज्ञापन, प्रमाण पत्र निरस्त करने की मांग, आंदोलन की चेतावनी

जांच के लिए स्थानीय स्तर पर आवेदन दिया गया था। बताया गया कि जांच में किसी भी वैध दस्तावेज के आधार के बिना प्रमाणपत्र जारी होने की पुष्टि हुई।आदिवासी समाज ने इस मामले को उच्च न्यायालय में चुनौती दी थी। मामले पर 17 जून 2025 को बिलासपुर हाईकोर्ट ने आदेश जारी करते

हुए जिला स्तरीय और उच्च स्तरीय छानबीन समिति को कार्रवाई के निर्देश दिए थे।आरोप है कि चार महीने बीतने के बाद भी जाति प्रमाणपत्र निरस्त नहीं किया गया।जिला स्तरीय जाति प्रमाणपत्र सत्यापन समिति द्वारा 28 अगस्त, 15 सितंबर व 29 सितंबर 2025 को नोटिस जारी किए गए और विधायक को दस्तावेज प्रस्तुत करने कहा गया। समिति की सुनवाई में विधायक के अनुपस्थित रहने की बात सामने आई, जिसके चलते समाज ने इसे जांच प्रक्रिया से बचने की कोशिश बताया है।आदिवासी समुदाय का कहना है कि कथित रूप से गलत प्रमाणपत्र के आधार पर अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए आरक्षित सीट से विधायक बनना सच्चे आदिवासियों के अधिकारों का हनन है।

समाज ने इसे राजनीतिक धोखाधड़ी बताते हुए कहा कि इससे पूरे आदिवासी समाज की भावनाएँ आहत हुई हैं।

आदिवासी समाज ने प्रशासन को 7 दिनों का समय दिया है। समाज ने घोषणा की है कि यदि निर्धारित समय में जाति प्रमाणपत्र निरस्त नहीं होता है, तो वे अनिश्चितकालीन आंदोलन शुरू करेंगे।

न्यायालय तहसीलदार बैकुण्ठपुर जिला कोरिया (छ.ग.)

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण एवं नगरवासी/ग्राम चरचा की आम जनता को सुचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका जयनिता पिता/पति आकाश जाति कोड़कू निवासी चरचा तहसील बैकुण्ठपुर जिला कोरिया के द्वारा आकाश निवासी चरचा का जन्म/मृत्यु दिनांक 04/09/2023 को होने के कारण जन्म प्रमाण पत्र बनवाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है।

आवेदक/आवेदिका के द्वारा प्रस्तुत उक्त जन्म प्रमाण पत्र बनवाने पर जिस किसी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो तो वो स्वयं अथवा अभिभावन के माध्यम से उपस्थित हो कर इस न्यायालय मे दिनांक 30/10/2025 को 11:00 बजे तक आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित समयावधि के बाद प्राप्त आपत्तियों पर कोई सचनवाई नही होगी।

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
बैकुण्ठपुर जिला कोरिया छ.ग.

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा०), धौरपुर जिला सरगुजा (छ०ग०)

राजस्व प्र०क्र० / 2202507022700033 / अ–6 अ / 2024–25

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक फकीर साय पिता परशु उर्फ चोड़ो जाति कोरवा उम्र 45 वर्ष, पेशा– कृषि, निवासी– ग्राम झेरमुण्डा, तहसील– लुण्ड्रा, जिला– सरगुजा छ०ग० के द्वारा इस आशय का आवेदन पेश किया है कि उसके स्वामित्व की भूमि खसरा क्रमांक 775/3 रकबा 0.041 तथा खसरा नंबर 809 रकबा 0.186 हे० भूमि ग्राम सिलसिला में स्वयं द्वारा क्रयशुदा भूमि है। खसरा नंबर 359/6 में रकबा 0.7522 हे0 भूमि स्वयं के नाम पर पट्टा ग्राम छेरमुण्डा में प्राप्त हुआ है तथा कुल खसरा नंबर 03 रकबा 0.105 हे० भूमि आवेदक के पिता के संयुक्त खाता में ग्राम छेरमुण्डा में स्थित है। खसरा नंबर 775/3, 809 सरगुजा स्टेट सेटलमेंट में ठुठा कोरवा वल्द जितन कोरवा के नाम पर दर्ज है। आवेदक कि भूमि खसरा नंबर 775/3, 809 रकबा 0.041, 0.186 हे0 कुल रकबा 0.227 हे0 डांडभूमि है। जो ग्राम सिलसिला तहसील लुण्ड्रा में स्थित है। अपने पुत्र के विवाह हेतु रूपये कि आवश्यकता होने से सम्पूर्ण रकबा 0.227 हे0 भूमि विक्रय करना चाहता है। अनावेदक अरविंद सिंह कंवर जाति का आदिवासी पुरुष है, आवेदक उक्त भूमि आवासीय प्रयोजन हेतु क्रय करना चाहता है, जिस कारण आवेदक उक्त भूमि अनावेदकगणों को 5,00,000.00 (रू. पांच लाख) में विक्रय करने हेतु सौदा तय किया है। आवेदक द्वारा वादभूमि खसरा क्रमांक 775/3, 809 रकबा क्रमशः 0.041, 0.186 कुल रकबा 0.227 हे० भूमि अनावेदक के पक्ष में विक्रय करने हेतु आवेदन इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। वर्तमान में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। उक्त कार्यवाही से किसी को कोई आक्षेप हो तो वह अपना आक्षेप स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम दिनांक 04/11/2025 तक मेरे न्यायालय मे प्रस्तुत कर सकता हैं। नियत तिथि के पश्चात् प्राप्त आक्षेप पर कोई विचार नही किया जायेगा एवं तदानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।

आज दिनांक 24/10/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से अंकित कर जारी किया गया।

(जे०आर० सतरंज)
अनुविभागीय अधिकारी (रा०)
धौरपुर

संपर्क करें
समाचार, ईश्तहार, विज्ञापन हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरूद्वारा के पास बाबूपारा अम्बिकापुर
मो. 7566950555
9713108088

सरगुजा फ्रंटलाइन

गुरु नानक देव के 556वें प्रकाश पर्व पर नगर कीर्तन के साथ निकली भव्य शोभायात्रा

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। गुरु नानक देव के 556वें प्रकाश पर्व पर सोमवार शहर में भव्य नगर कीर्तन का आयोजन किया गया। नगर कीर्तन का शुभारंभ गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा से हुआ, जो गुरुनानक चौक, केदारपुर, घड़ी चौक, देवीगंज रोड, महामाया चौक, सदर रोड और बाबूपारा होते हुए बाबूपारा स्थित गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा में संपन्न हुआ।

इस अवसर पर पिछले पांच दिनों तक प्रभात फेरियां शहर के विभिन्न मार्गों में सुबह 5 बजे से निकाली गई। प्रत्येक प्रभात फेरी का समापन गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा में किया गया। नगरवासियों और समाज के सभी वर्गों ने जगह-जगह पर पुष्पवर्षा कर प्रभात फेरियों एवं नगर कीर्तन का स्वागत किया। पूरा नगर भक्ति, प्रेम और भाईचारे के वातावरण से सराबोर रहा। नगर कीर्तन में पांच प्यारों के रूप में सरदार नवराज सिंह बाबरा, गुरसेवक सिंह भामरा, हरमिंदर सिंह भामरा, गुरदीप सिंह बाबरा एवं पवनदीप सिंह छाबड़ा शोभायमान रहे। निशान साहिब की सेवा में जसमीत सिंह चिन्ना और गुरजोत सिंह चावला ने की। गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा के प्रधान सरदार गुरुचरण सिंह छाबड़ा एवं सचिव हर्षदीप सिंह धंजल ने समाज के सभी वर्गों से अपील की है कि वे 5 नवंबर को आयोजित होने वाले मुख्य धार्मिक कार्यक्रम में गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा पहुंचकर श्री गुरु नानक देव के उपदेशों को आत्मसात करें। आगामी 5 नवम्बर को गुरूनानक देव का 556 वां प्रकाश पर्व गुरूद्वारा श्री गुरू सिंह सभा में मनाया जाएगा। उन्होंने नगरवासियों व समाज के लोगों को गुरू पूर्व की बधाई दी है। सोमवार को नगर में निकले भव्य शोभायात्रा में ट्रैक्टर में सवार सिख समाज के युवाओं की भी उपस्थिति रही। उक्ताशय की जानकारी मीडिया प्रभारी सरदार जगदीप सिंह छाबड़ा (रिंकू) ने दी।

सरगुजा सांसद, पार्षदों सहित आम लोगों ने किया स्वागत

गुरूनानक देव के प्रकाश पर्व को लेकर गुरूद्वारा की आकर्षक सज्जा की गई थी। रास्ते भर पुष्प वर्षा करके शोभायात्रा का स्वागत किया गया। गुदरी बाजार रोड, शिवाजी चैक में सरगुजा सांसद चिंतामणि महराज, नगर पालिक निगम के सभापति हरमिन्दर सिंह टिन्नी, पार्षद आलोक दुबे, विजय सोनी, शैलेन्द्र सिंह, दीपक यादव सहित काफी संख्या में मोहल्ले के लोगों की उपस्थिति रही। चैक में आकर्षक सज्जा और जलपान की व्यवस्था की गई थी।

अनोखी सोच संस्था ने किया बुजुर्गों का सम्मान, ग्रुप डांस का सेमीफाइनल संपन्न

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। अनोखी सोच संस्था के तत्वावधान में आयोजित छत्तीसगढ़ की सबसे बड़ी डांस प्रतियोगिता में रविवार की रात ग्रुप डांस श्रेणी का सेमीफाइनल राउंड अत्यंत भव्य और ऊर्जावान माहौल में संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में 15 सेमीफाइनल ग्रुप ने शानदार और जोश भरे प्रदर्शन से मंच को झूमने पर मजबूर कर दिया। निर्णायकों के गहन मूल्यांकन के पश्चात 8 ग्रुप को फाइनल राउंड के लिए चयनित किया गया। कार्यक्रम में दर्शकों का उत्साह देखने लायक था। हजारों की संख्या में उपस्थित दर्शकों ने प्रत्येक प्रस्तुति पर तालियों की गड़गड़ाहट से युवा कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। अनोखी सोच संस्था द्वारा सामाजिक मूल्यों और परंपराओं के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को निभाते हुए इस अवसर पर समाज के वरिष्ठ नागरिकों, बुजुर्गों का माला पहनाकर, शाल ओढ़ाकर और स्मृति चिन्ह भेंट करके उनके योगदान के प्रति सम्मान प्रकट किया। संस्था के सदस्यों ने कहा हम मानते हैं कि हमारी जड़ें हमारे बुजुर्ग हैं। उनके आशीर्वाद और अनुभव से ही आज की पीढ़ी आगे बढ़ रही है। कला के इस मंच पर उनका सम्मान हमारे लिए गौरव की बात है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. संजय गोयल, डॉ. जी.के. दामले, डॉ. स्वस्ति शुक्ला, सुमन सिंह, चन्द्रशीला लाल, तारा, जया वर्मा, रोशन बैक, छोटेलाल शर्मा, प्रिया परीडा, संगीता सिंह, डॉ. अंकिता गोयल एवं डॉ. मेघा गोयल रहे। विशिष्ट अतिथि नितिन बंसल, अमित गोयल, अशोक अग्रवाल, सुनिल अग्रवाल, गोपाल अग्रवाल, सुनील विश्वास, रानू दुबे, राजेश अग्रवाल, भोले यादव, रामकुमार यादव, सूरज तिवारी, प्रतीक दीक्षित, अमन जायसवाल, विमला राजवाड़े, मनीषा गोयल रहे। इन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि अनोखी सोच संस्था द्वारा युवाओं को मंच प्रदान करने का यह प्रयास न केवल कला को बढ़ावा दे रहा है, बल्कि समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार भी कर रहा है। कार्यक्रम के निर्णायक मंडल में रणविजय प्रताप सिंह, चंद्रशेखर तिवारी, अंजनी कुमार पांडेय, मो. शिफते हसन, रविंदर कौर बाबरा, रश्मित कौर, मोना त्रिपाठी एवं गुड्डू त्रिपाठी उपस्थित रहे, जिन्होंने सभी प्रतिभागियों की सराहना की और कहा कि प्रतियोगिता में प्रस्तुतियों का स्तर बेहद उच्च रहा है। संस्था के अध्यक्ष सुर्यप्रकाश साहु, अभय साहु, लालजी साहु सहित पूरी टीम ने अपने अथक प्रयासों से कार्यक्रम को सफल बनाया। संस्था के सदस्यों ने बताया कि प्रतियोगिता के ग्रैंड फिनाले का आयोजन आगामी 4 नवंबर को किया जाएगा, जिसमें सीनियर, जूनियर, सिंगल और ग्रुप डांस के फाइनल में पहुंचे प्रतिभागी मंच पर अपने हुनर का प्रदर्शन करेंगे। अनोखी सोच संस्था ने यह साबित कर दिया कि जब जुनून और टीमवर्क एक साथ हो, तो किसी भी आयोजन को सफल बनाना असंभव नहीं है।

नकदी झपटमारी के मामले में आरोपी गिरफ्तार, घटना में प्रयुक्त बुलेट वाहन जप्त

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। थाना कोतवाली एवं साइबर सेल पुलिस टीम ने नकदी झपटमारी के मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त बुलेट मोटरसायकल एवं 2 नग मोबाइल फोन जप्त किया है।

दरिमा थाना क्षेत्र के ग्राम नवानगर निवासी रामनाथ राम ने थाना दरिमा में रिपोर्ट दर्ज कराया था कि 14 अक्टूबर को वह दोपहर में अपने मोटर सायकल से भारतीय स्टेट बैंक अंबिकापुर पैसा निकालने के लिए आया था और 20 हजार रुपये निकालने के बाद पहले से सामान लाने के लिए लेकर रखे 40 हजार रुपये नकद के साथ रखा था। कुल 60 हजार रुपये एवं अन्य महत्वपुर्ण दस्तावेज एटीएम कार्ड, पास बुक, पेन कार्ड, आधार कार्ड, चेक बुक को मोटरसायकल के हैण्डल में लटका कर वापस घर जा रहा था, इस दौरान ग्राम कांतिप्रकाशपुर पुलिया के पास एक अज्ञात युवक मोटरसायकल में पीछे से तेज गति से आया और मोटरसायकल के हैंडल में लटके झोला को झपट्टा मारकर ले गया। उक्त युवक का कंठी तक पीछा करने के बाद भी वह दिखाई नहीं दिया। मामले में थाना कोतवाली में धारा 304(2) बी.एन.एस. का अपराध पंजीबद्ध कर पुलिस ने विवेचना में लिया था। मामले को संज्ञान में लेकर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार अग्रवाल ने थाना कोतवाली पुलिस टीम को आरोपी को शीघ्र गिरफ्तार करने हेतु निर्देशित किया था। पुलिस टीम एवं साइबर सेल पुलिस संदेही के तलाश में लगी थी। पता तलाश दौरान पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि एक युवक स्टेट बैंक, सदर रोड शाखा मे संदिग्ध रूप से घूम रहा है। पुलिस टीम उक्त सूचना पर संदेही शोएब अख्तर पिता मोहम्मद वसीम बारी 23 वर्ष, निवासी रसूलपुर का कथन ली। आरोपी ने बताया कि घटना दिनांक को वह बैंक मे बैलेंस चेक कराने गया था। इस दौरान प्रार्थी उक्त युवक को नकद रकम को गिनकर मिलाने के लिए दिया था। लालच में आकर वह मोटरसायकल से पीछा करके कांतिप्रकाशपुर तक पहुंचा और नगद रकम को झपटमारी करके भाग गया। इसके बाद दरिमा एयरपोर्ट के पास से वापस लौटकर अपने घर आ गया था। 60 हजार रुपये को वह बिलासपुर जाकर खाने-पीने और घूमने में खर्च कर दिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करके न्यायालय के समक्ष पेश किया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक शशिकान्त सिन्हा, साइबर सेल प्रभारी निरीक्षक विवेक सेंगर, सहायक उप निरीक्षक अजीत मिश्रा, प्रधान आरक्षक अजय पाण्डेय, भोजराज पासवान व विकास सिन्हा, आरक्षक मनीष सिंह, संजीव चौबे, दीपक पाण्डेय, अमन पुरी, राहुल केरकेट्टा, अशोक यादव सक्रिय रहे।

स्मार्ट कॉप-फिट कॉप 2.0, पुलिस के जवानों के लिए फिटनेस अभियान

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। पुलिस जवानों के शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाने हेतु सरगुजा रेंज में 'स्मार्ट-कॉप फिट-काप 2.0' का 3 नवम्बर को ग्राम केपी के सीआरपीएफ कैंप में शुभारंभ किया गया। इस अभियान का उद्देश्य पुलिस बल में फिटनेस, अनुशासन और सकारात्मक जीवन शैली को बढ़ावा देना है, ताकि पुलिस कर्मी तनावमुक्त रहकर बेहतर तरीके से जनसेवा कर सकें। एक माह के लंबे प्रशिक्षण कार्यक्रम में जवानों को व्यायाम, योग, ध्यान, संतुलित आहार, मानसिक स्वास्थ्य एवं जीवनशैली सुधार जैसे विषयों पर प्रशिक्षित किया जाएगा। फिटनेस विशेषज्ञों व चिकित्सकों की निगरानी में पुलिस कर्मियों का फिटनेस असेसमेंट, बीएमआई मूल्यांकन और व्यक्तिगत सुधार योजना भी तैयार की जाएगी। एक फिट पुलिस बल ही वास्तव में स्मार्ट पुलिस बल बन सकता है। इस माध्यम से कोशिश है कि हर पुलिसकर्मी शारीरिक रूप से स्वस्थ, मानसिक रूप से मजबूत और भावनात्मक रूप से संतुलित रहे। फिटनेस केवल शरीर नहीं, बल्कि सोच और कार्यशैली की ताजगी भी है। 'स्मार्ट-कॉप फिट-कॉप 2.0' कार्यक्रम के अंतर्गत प्रत्येक जिले में साप्ताहिक फिटनेस रिपोर्टिंग, हेल्थ चेकअप, मोटिवेशनल सेशन आयोजित किए जाएंगे। अभियान के अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले पुलिस कर्मियों को प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया जाएगा। प्रशिक्षण के प्रथम बैच में रेंज के कुल 53 पुलिस अधिकारी कर्मचारियों को शामिल किया गया है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत संविदा भर्ती हेतु विज्ञापन जारी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत जिला आर.ओ.पी. वर्ष 2025-26 में स्वीकृत मानव संसाधनों (सेवा प्रदाता एवं कार्यक्रम प्रबंधकीय पदों हेतु) संविदा भर्ती की जानी है। इन पदों हेतु शासकीय लाईवलीहुड कॉलेज अंबिकापुर में 14 नवम्बर तक प्रातः 11 बजे से सायं 5 बजे तक (इस अवधि में 05 नवंबर को शासकीय अवकाश होने एवं 09 नवंबर रविवार अवकाश को छोड़कर) शेष समस्त दिवसों पर निर्धारित समयानुसार आवेदन प्राप्त किए जाएंगे।

किसान क्राफ्ट ने किसानों के लिए प्रौद्योगिकी प्रदर्शन किया

छ.ग.फ्रंटलाइन लखनपुर। आईएसओ-प्रमाणित निर्माता, उच्च गुणवत्ता वाले कृषि उपकरणों के थोक आयातक और वितरक किसान क्राफ्ट ने लाहपटरा में किसानों के लिए सूखे सीधी बुआई धान पर प्रदर्शन किया। सूखे सीधे बीज वाले धान का लाभ यह है कि यह धान की खेती के लिए आवश्यक पानी की तुलना में 50 प्रतिशत कम पानी का उपयोग करता है और उर्वरक, कीटनाशकों, श्रम लागत और ग्रीन हाउस गैस (मीथेन) उत्सर्जन की मात्रा को कम करता है। एक किलोग्राम पारंपरिक धान के उत्पादन के लिए 5 हजार लीटर पानी की आवश्यकता होती है, जबकि सूखे प्रत्यक्ष बीज वाले धान के लिए 2000 से 2500 लीटर के बीच की आवश्यकता होती है। यह फसल कम वर्षा वाले क्षेत्रों में भी उगाई जा सकती है। गोष्ठी में कृषि विज्ञान केन्द्र, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय अंबिकापुर के शष्य वैज्ञानिक डॉ. पाण्डु राम पैकरा ने कहा धान की खेती और उत्पादन का भारत की अर्थव्यवस्था में बहुत बड़ा योगदान है। पानी की कमी और ज्ञान की कमी जैसी विभिन्न समस्याएं और मुद्दे इस फसल के उत्पादन पर गंभीर प्रभाव डाल सकते हैं, जो हमारी अर्थव्यवस्था के विकास पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। धान की फसल के खिलाफ बढ़ती समस्याओं से निपटने के लिए हमने किसान क्राफ्ट में ड्राई डायरेक्ट सीडेड राइस की नई किस्में विकसित की हैं, जो समान उत्पादन के साथ 50 प्रतिशत कम पानी की खपत करती है। किसान क्राफ्ट के डेवेलपमेंट मैनेजर किशनजीत सिन्हा ने कहा सूखे सीधे बीज वाले धान का उपयोग करके, किसान मिट्टी की उर्वरता के आधार पर अधिक उपज प्राप्त कर सकते हैं। पारंपरिक धान की किस्मों की तुलना में स्वाद में कोई बदलाव किए बिना, इस धान को सीधे बोया जा सकता है, जिसके परिणामस्वरूप धान की खेती की लाभप्रदता में वृद्धि होती है क्योंकि इससे खेती के खर्च में काफी कमी आती है। सूखे सीधे बीज वाले धान की खेती का एक महत्वपूर्ण लाभ यह है कि इसमें नर्सरी, पानी में रोपाई, जमीन का समतलीकरण और रोपाई की आवश्यकता नहीं होती है। यह पर्यावरण के अनुकूल भी है क्योंकि यह लागत प्रभावी फसल होने के साथ-साथ कम मीथेन उत्सर्जन पैदा करती है क्योंकि यह कीटों और बीमारियों का कम प्रकोप देती है। जोनल मैनेजर सुधांशु मिश्रा ने कहा कि किसान क्राफ्ट एक आईएसओ प्रमाणित निर्माता, थोक आयातक और उच्च गुणवत्ता वाले कृषि उपकरणों का वितरक है, जो छोटी भूमि वाले सीमांत किसानों की आय, फसल की पैदावार और खेती के क्षेत्रों को बढ़ाने में मदद करके उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने पर ध्यान केंद्रित करता है। किसान क्राफ्ट का एक अखिल भारतीय वितरण नेटवर्क है।

तेज रफ्तार कार फैब्रिकेशन दुकान में घुसा, कर्मचारी बाल-बाल बचे

छ.ग.फ्रंटलाइन लखनपुर। नगर के नेशनल हाईवे 130 में दोपहर के समय सोमवार को तेज रफ्तार अनियंत्रित एक्सयूवी कार फेब्रिकेशन दुकान में जा घुसी। एक्सयूवी कार के अंदर से शराब की बोतल और चखना पुलिस ने बरामद किया। पुलिस ने चालक को कब्जे में लेकर कार को जप्त कर लिया है। घटना के दौरान दुकान में काम करने वाले कर्मचारी बाल-बाल बच गए और बड़ी दुर्घटना टल गई। प्रत्यक्षदर्शियों से मिली जानकारी के मुताबिक 3 नवंबर, सोमवार को दोपहर 3 बजे रायपुर से अंबिकापुर आ रही तेज रफ्तार एक्सयूवी कार का चालक मवेशी को बचाते नियंत्रण खो दिया और अनियंत्रित तेज रफ्तार कार लखनपुर शहर के जेएस फेब्रिकेशन दुकान में जा घुसी। दुकान के बाहर का चैनल क्षतिग्रस्त हो गया। गनीमत रही कि दुर्घटना के समय दुकान के कर्मचारी अंदर काम कर रहे थे, जिस कारण वे बाल बाल बच गए। सूचना के बाद लखनपुर पुलिस मौके पर पहुंची और चालक सहित एक्ससीवी कार को जप्तकर लखनपुर थाने ले गई। दुर्घटनाकारित कार के अंदर शराब की बोतलें चखना भी पुलिस ने बरामद किया है। बताया जा रहा है कि कार चालक और अंदर बैठे लोग शराब के नशे में धुत थे। घटना में दुकान संचालक को लगभग एक लाख रुपये की क्षति हुई है।

धान खरीदी से पहले सहकारी समिति कर्मचारी संघ अनिश्चित कालीन हड़ताल की राह पर

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ में 15 नवंबर से शुरू होने वाली धान खरीदी के पहले, सहकारी समिति कर्मचारी संघ ने अनिश्चितकालीन हड़ताल का ऐलान कर दिया है। संघ ने यह कदम अपने चार सूत्रीय मांगों को लेकर उठाया है। कर्मचारियों का आरोप है कि धान की खरीदी के बाद, कम मात्रा में धान मिलने के बावजूद उन पर जिम्मेदारी डाली जाती है, जबकि समय पर धान का उठाव नहीं किया जाता। इसके अलावा, उन्हें उनकी मेहनत के हिसाब से उचित वेतन भी नहीं मिल रहा है। सहकारी बैंक में कर्मचारियों ने सीधी भर्ती प्रक्रिया को बहाल करने और आउटसोर्सिंग पर रोक लगाने की मांग की है। हर साल धान खरीदी के समय कर्मचारियों के विरोध और हड़ताल की घटनाएं सामने आती रही है, लेकिन अब तक सरकार की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। संघ का कहना है कि पिछले कई वर्षों से उनकी मांगों की अनदेखी की जा रही है, जिस कारण अब वे अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं। संघ के जिलाध्यक्ष अनुज यादव ने कहा कि हमारी प्रमुख मांग में 12 महीने का वेतन दिया जाना है। हम हर साल धान खरीदी, खाद वितरण और अन्य सरकारी कार्यों में लगे रहते हैं, लेकिन हमें केवल 6 महीने का वेतन दिया जा रहा है, जो असंतोषजनक है।

दिव्यांगों को आत्मनिर्भर और सम्मानजनक जीवन प्रदान करने सरकार कटिबद्ध

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित राज्योत्सव समारोह के दौरान समाज कल्याण विभाग, सरगुजा द्वारा दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण एवं वित्तीय सहायता प्रदान की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि आदिम जाति विकास, कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी, मछलीपालन, पशुधन विकास विभाग मंत्री रामविचार नेताम ने दिव्यांगजनों को विभिन्न सहायक उपकरण वितरित किए। इस अवसर पर 2 दिव्यांगों को व्हील चेयर, 1 दिव्यांग को ट्रायसाइकिल, 1 दिव्यांग को श्रवण यंत्र तथा 1 दिव्यांग को विवाह प्रोत्साहन योजना अंतर्गत 50 हजार रुपये का प्रतीकात्मक चेक प्रदान किया गया।

मुख्य अतिथि रामविचार नेताम ने इस अवसर पर कहा कि राज्य सरकार द्वारा समाज के सभी वर्गों के उत्थान के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। विशेषकर दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर और सम्मानजनक जीवन प्रदान करने हेतु विभिन्न योजनाओं का क्रियान्वयन प्राथमिकता से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व राज्य शासन की मंशा है कि कोई भी नागरिक अपनी शारीरिक असमर्थता के कारण पीछे न रह जाए। समाज कल्याण विभाग के माध्यम से दिव्यांगजनों को शिक्षा, रोजगार, पुनर्वास और आवश्यक उपकरण उपलब्ध कराए जा रहे हैं ताकि वे जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ सकें। इस अवसर पर समाज कल्याण विभाग के अधिकारी, जनप्रतिनिधि, स्थानीय नागरिक एवं दिव्यांगजन उपस्थित रहे। बता दें कि राज्योत्सव कार्यक्रम स्थल पर दिव्यांगजन कल्याण योजनाओं से संबंधित जानकारी हेतु स्टॉल भी लगाया गया, जिसमें विभागीय अधिकारियों द्वारा हितग्राहियों को योजनाओं की जानकारी भी जा रही है तथा आवश्यक परामर्श उपलब्ध कराया जा रहा है।

लोकगायक सुनील मानिकपुरी ने बिखेरा लोकसंगीत का रंग

कला केंद्र मैदान में आयोजित छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव में रविवार को सुप्रसिद्ध लोकगायक सुनील मानिकपुरी की मनमोहक प्रस्तुति ने कार्यक्रम को यादगार बना दिया। उन्होंने अपने कार्यक्रम की शुरुआत एक मधुर भक्ति गीत से की, जिसने पूरे वातावरण को भक्ति और उत्साह से भर दिया। उनकी सुरीली आवाज़ और संगीत की लय पर दर्शक झूम उठे। इसके बाद दर्शकों की लगातार फरमाइश पर उन्होंने अपना लोकप्रिय गीत 'हमर पारा तुहर पारा' प्रस्तुत किया, जिस पर पूरा सभागार तालियों से गूंज उठा। इनकी प्रस्तुति में छत्तीसगढ़ की मिट्टी की महक, लोकजीवन की सहजता और अपनापन झलकता रहा। राज्योत्सव की इस सांस्कृतिक संध्या में कलाकारों को सम्मानित किया गया।

बाइक चलाते समय हेलमेट और चारपहिया वाहन सवार सीट बेल्ट लगाएं, नशे में वाहन नहीं चलाएं

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार अग्रवाल के दिशा-निर्देशन में जिला मुख्यालय समेत समस्त थाना, चौकी में सुरक्षित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने और नागरिकों को सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक करने विभिन्न स्थानों पर यातायात जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आम जनता, विशेषकर युवाओं और वाहन चालकों को सड़क दुर्घटनाओं से बचाव के उपायों और यातायात नियमों के महत्व के बारे में जानकारी प्रदान करना है। ठकार्यक्रम के दौरान नागरिकों को दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनने और चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट लगाने की अनिवार्यता पर जोर दिया गया गया, साथ ही इससे दुर्घटना के दौरान होने वाली जनहानी पर प्रभावी नियंत्रण की जानकारी प्रदान की गई। बताया गया कि नशे में ड्राइविंग करने वाले वाहन चालकों पर पुलिस टीम द्वारा सख्ती से कार्रवाई की जा रही है। वाहन चालकों को यात्रा के दौरान गति सीमा का पालन करने कहा गया। यातायात संकेतों का महत्व बताकर सड़क संकेतों का पालन करने की जानकारी दी गई। रेड सिग्नल जम्प नहीं करने कहा गया। वाहन चलाते समय मोबाइल का उपयोग नहीं करने के साथ ही तीन सवारी वाहन नहीं चलाने की अपील भी की गई।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दरीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर